III de Tantia The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 46]

नई बिल्ली, शनिवार, नवम्बर 17, 1979 (कार्तिक 26, 1901)

No. 46 1

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 17, 1979 (KARTIKA 26, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा तके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

आग Ⅲ-खण्ड1

PART HI-SECTION !

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और जारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

गृह मंस्रालय

महानिदेलाय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिसबल नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 प्रक्तूबर 1979

सं अो वो बो 48/70-स्थापना --श्री सी ए एच ० मस्तान नायडू ने उनके सरकारी सेवा निवृत्त होने के फलस्वरूप प्रिसिपल 2 ग्रार० टी० सी० ग्रवाडी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार दिनांक 30-9-79 के ग्रपराह्न से स्याग दिया।

ए० के० बन्दोपाध्याय सहायक निटेणक (प्रशासन)

केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो कार्मिक एवं प्रशासनिक सुद्यार

नई दिल्ली, दिनांक 24 श्रन्तूबर 1979

सं० ए०-19021/2/76-प्रमा०-5--श्री ग्रार० राज गोपालन, भारतीय रिजर्थ पुलिस सेवा (1965-तमिलनाडु) 326GI/79

ने दिनांक 14 सितम्बर, 1979 के श्रपराह्म मं पुलिस श्रधीक्षक केन्द्रीय श्रन्वेषण क्यूरो/विशेष पुलिस के स्थापना के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं तमिलनाडु सरकार को वापस सौंप दी गई ।

दिनांक 29 श्रक्तूबर 1979

सं० ए०-19036/1/79-प्रणा०-5—निदेश ह, केन्द्रीय अन्वे-पण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विणेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, आंध्र प्रदेश पुलिस के अधिकारी श्री के० फरीदु-दीन को दिनांक 7-9-79 के पूर्विद्व से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-अधीक्षक दियुक्त करते हैं।

> की० ला० ग्रोबर, प्रणासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्बेषण ब्युरो

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) नई दिल्ली, दिनांक 24 श्रक्तूबर, 1979

सं० ए० 11012/1/79-प्रशासन—श्री प्रेम नाथ ने समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में श्रपनी नियुक्ति (9041)

650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-900-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान पर श्रतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार श्रागामी श्रादेश तक दिनांक 22-9-79 के श्रपराह्म में संभाला।

छत्रपति जोशी निदेशक पुलिस, दूरसंचार

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1979

सं० पी०/एल० (14)-प्रणा०-I-21832--भारतीय सांख्यि-कीय सेवा के ग्रेड-I के श्रधिकारी श्री श्रार० बी० लाल ने श्रधिवार्षिता की श्रायु में पहुंचने पर तारीख 31 जुलाई 1979 के श्रथराह्म से नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्याच्य में उप महापंजीकार (जन्म-मृत्यु सांख्यिकी) के पद का कार्यभार छोड़ा।

> पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रक्तूबर, 1979

सं० 10/38/78-प्रशा०-I----22247---संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, भारत के महापंजीकार, श्री पी० एस० चिकारा को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तारीख 10 अक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्म भे श्रगले आदेश तक सीधी भर्ती हारा अस्थाई क्षमता में मानचित्र विश्लेषक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पी० एस० चिकारा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

> विजय पाल पाण्डे उप महापंजीकार

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग भारत के नियंत्रक—महालेखा परीक्षा का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 श्रक्तुबर 1979

सं० 2054-सी० ए०-I/168-78---परकारी सेवा निवृत्ति की उम्र प्राप्त होने पर श्री एम० कामेसवरा राव महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेण-II कार्यालय में नियुक्त स्थायी लेखापरीक्षा श्रीधकारी (वा०) 30 जिनम्बर, 1979 (अपराह्म) ने सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

एम० एस० ग्रोवर उप निदेशक (वा०) वाणिज्य, नागरिक भ्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) मुख्य नियंद्धक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 भ्रक्तूबर 1979 आयात-निर्यात ध्यापार नियंत्रण

सं० 6/1296/79-प्रशासन/राज-7083—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद्वारा बम्बई के विपणन श्रीर निरीक्षण निर्देशालय में वरिष्ठ निरीक्षक श्री एस० के० मजूमदार को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कलकत्ता के कार्यालय में 7 सितम्बर, 1979 के दोपहर बाद से अगला आवेग होने तक नियंत्रक, आयात-निर्यात (श्रेणी 'ख') के रूप में, स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

(स्थापना)

 श्री मजूमदार नियंक्षक के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० 6/1278/79-प्रशासन (राज०)/7087—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, एतद्द्वारा रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली में पी० टी० तक्नीकी सहायक श्री भ्रानिल कुमार सिन्हा को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात, कलकत्ता के कार्यालय, में 3 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्य से भ्रगला भ्रादेश जारी होने तक नियंत्रक, श्रायात-निर्यात (श्रेणी 'ख') के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

 श्री सिन्हा, नियंत्रक के रूप में 650-30-740-35-810-द ० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० 6/1292/79-प्रणासन (राज०)/7092—मुख्य नियंत्रक प्रायात-निर्यात, एतद्बारा श्री टी० श्रार० शशीधरन, कोचीन के सीमा शुल्क कार्यालय में रसायन सहायक ग्रेड-I को ग्रगला श्रादेश जारी होने तक संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात, बम्बई के कार्यालय में, 10 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापना रूप से नियंत्रक, श्रायात-निर्यात (श्रेणी 'ख)) में नियुक्त करते हैं।

2. श्री शशीधरण, नियंत्रक के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० 6/1284/79-प्रणासन (राज०)/7097—मुख्य नियं-त्रक, ग्रायात-निर्यात एतद्द्वारा मद्रास में पुलिस (एस० पी० ई०) ग्रीर केन्द्रीय जांच ब्यूरो निरीक्षक श्री ए० कोमू को मंयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात कलकता के कार्यालय में 7 सितम्बर, 1979 के अपराह्म से भगला श्रादेश होने तक नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात (श्रेणी 'ख') के रूप में स्थाना-पन्न रूप मे नियुक्त करते हैं।

2. श्री कोमू नियंत्रक, के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे। सं० 6/1280/79-प्रणासन (राज०)/7102--मुख्य नियंत्रक प्रायात-निर्यात, एतद्वारा वायु सेवा मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के श्री विजय कुमार गुप्ता, सहायक को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र) में नियंत्रक, श्रायात-निर्यात (श्रेणी 'ख') के रूप में 17 श्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्र से श्रगला श्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करे हैं।

 नियंत्रक के रूप में श्री गुप्ता 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के बेतनमान में बेतन प्राप्त करेंगे।

सं० 6/1289/79-प्रशासन (राज०)/7106—मुख्य नियंत्रक आयात-निर्मात एतद् द्वार नौ सेना आयुध डिपो, गोम्रा में श्री गोपाल सालू जखेरी, वरिष्ठ वार्जमैन को संयुक्त भुख्य नियंत्रक, आयात-निर्मात के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-निर्मात (श्रेणी 'ख') के रूप में 27 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्म भे अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. यंत्रक के रूप में श्री जखेरी 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० 6/1276/79-प्रणासन (राज०)/7110—मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, एतद्द्वारा श्री स्रोम प्रकाण गेहलौन, दिल्ली नशासन, दिल्ली में सहायक बिक्री कर निरीक्षक को संयुक्त खित्र नियंत्रक, श्राया-निर्यात, केन्द्रीय लाइसेंस, क्षेत्र के कार्यालय, ाई दिल्ली में श्रगला श्रादेण जारी होने तक 3 सितम्बर, 1979 के दोपहर बाद से स्थानापन्न रूप से नियंत्रक, श्रायात-नेर्यात (श्रेणी 'ख') के रूप में नियुक्त करते हैं।

 श्री गेहलौत नियंत्रक के रूप 650-30-740-810 द० रो०-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रुपये के बेतन-मान में बेतन प्राप्त करेंगे।

> सी.० एस० श्रार्य उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

पूर्ति विभाग (प्रशासन प्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्तूबर 1979

सं० ए०-17011/163/79/प्र०-6—महानिवेणक, पूर्ति तथा निपटान ने जमशेदपुर निरीक्षणालय में भंडार परीक्षक (धातु) श्री के० के० मुखर्जी को दिनांक 22 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक उसी निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण ग्राधकारी (धातु) के रूप में स्थानापन्न रूप से पूर्ण तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है। दिनां ह 26 श्रक्तूबर 1979

सं० प्र०-6/247(290)/75-III—राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक अभगेदपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (धातु) श्री एस० मेनगुप्त को दिनांक 22-9-79 (पूर्वात्त) से ग्रीर श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III) (ग्रुप ए०) (धातुकर्मणाला) के रूप में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्त ने सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (धातु) का पदभार छोड़ दिया श्रौर दिनांक 22 सितम्बर 1979 के पूर्वात्न से निरीक्षण निदेशक जमशेदपुर के कार्यालय सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार सम्भान लिया।

पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रणासन ध्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनां रु 29 सितम्बर 1979

मं० प्र०-1/1(871)—-राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई विल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड \overline{III}) श्री जी० एल० गुप्ता को दिनांक 22-10-79 के पूर्वाह्म से इसी महानिदेशालय नई विल्ली में उप निदेशक, पूर्ति तथा निपटान (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-II) के रूप में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किसोर उप निदेशक (प्रशासन) **कृते** महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात भौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 24 अक्तूबर 1979

सं० ए०-19011/124/78-स्था० ए०--संघ लोक क्षेत्रा आयोग का सिफारिस में राष्ट्रपति श्री बी०पी० सिन्हा को विनांक 30-4-79 के स्थाराह्म से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बालगोपाल कार्यालय श्रध्यक्ष भारतीय खान ब्युरो भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 23 धक्तूबर, 1979

सं० सी० 5568/718-ए०—श्री ए० बी० सरकार, कार्यालय ग्रधीक्षक (इस समय प्रतिनियुक्ति पर मैप क्युरेटर के के पद पर नियुक्त दिनांक 3 श्रगस्त) 1979 (पूर्वाह्म) से श्री राम लाल, स्थापना एवं लेखा अधिकारी (तदर्थ ग्राधार पर), जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर पूर्वी सिक्लि कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में, स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० के० सेवा ग्रुप बी०) के पद पर 840-40-1000-द० रो.-40-1200 ६० के बेतनमान में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में निमुक्त किए जाते हैं।

सं० सी० 5569/718-ए०—श्री ए० बी० सरकार, कार्यालय श्रधीक्षक (इस समय प्रतिनियुक्ति पर मैंप क्यूरेटर के पद पर नियुक्त) दिनांक 2 मई 1979 (पूर्वाह्न) से श्री एन० श्रार० बोस, स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी (तदर्थ ग्राधार पर) जो स्थानान्तरित हो गए हैं, के स्थान पर पूर्वी सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी (सा० के० सेवा ग्रेप 'बी') के पद पर 840-40-1000-द०रो० 40-1200 रू० के वेत-न मान में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

कें० एल० खोसला मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षफ (नियुक्ति प्राधिकारी)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 17 श्रक्तूबर 1979

सं० ए०-31014/1/77-सिबन्दी-1—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता हुने फिल्म प्रभाग के स्थायी छायाग्राहक श्री श्रार० बी० म्हान्ने को दिनांक 31-10-1975 से छायाग्राहक (कार्दून फिल्म युनिट) के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

न० ना० शर्मा सहायक प्रसाशकीय श्रधिकारी **कृते** मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिवशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्तूबर 1971

सं० ए० 35019/1/77-(डब्ल्यू० एच०) प्रशासन I—श्री झार० सी० शर्मा को डा० राम मनोहर लोहिया श्रस्पताल, नई दिल्ली में कल्याण श्रधिकारी के पद से 13 दिसम्बर, 1978 पूर्वाह्म से कार्यमुक्त किया गयाथा। वह 13 दिसम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से 31 मार्च, 1979 (ग्रपराह्न) तक 109 दिन की ग्रर्जित ग्रवकाश पर थे।

सं० ए० 39013/1/79-प्रशासन-I—प्रपना त्याग पत मंजूर हो जान के फलस्वरूप डा० एस० सी० गुप्त ने 25 सितम्बर, 1979 के श्रपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के श्रधीन दंत चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 24 श्रक्तवर, 1979

सं० ए० 35014/1/77-(एस० जै० एच०) प्रशासन-I—श्री पी० एन० सोरेबाला ने 19 सितम्बर 1979 के श्रपराह्म से सफदरजंग श्रस्पताल, नई दिली से प्रशासन श्रधिकारी के पव का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 26 ग्रक्तूबर, 1979

सं० ए० 12026/33/77-प्रशासन-I (ए०) — स्वास्थ्य सेवा महानिदशक ने डा० उमेश कुमार गुप्त को 29 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर में दंत चिकित्सक के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 27 अक्तूबर, 1979

सं० ए० 12025/13/78(एन०टी० म्राई०)प्रशासन-LI—स्वास्थ्य सेवा महानिदशक ने श्री के० एन० टण्डन को 6 म्रक्तूबर, 1979 पूर्वाह्न से श्रागामी भादेशों तक राष्ट्रीय क्षेय रोग संस्थान, बंगलौर में पशुचिकित्सक के पद पर स्थानापन्न भाधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल **कुठियाला** उप निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 धक्सूबर 1979

सं० 16-7/70-प्रशासन-I (सी० जी० एच० एस०-I) -होम्योपैथिक कार्यचिकित्सक डा० बी० पी० मिश्र का केन्द्रीय
सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य
योजना मेरठ को बदली हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 31
मई, 1979 के प्रपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना,
दिल्ली से हौम्योपैथिक कार्य चिकित्सक के पद का कार्यभार
छोड़ दिया है भौर 10 भगस्त, 1979 के अपराह्म से केन्द्रीय
सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ में होम्योपैथिक कार्यचिकित्सक
के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 16-9/70-प्रशासन-I(के० स० स्वा० यो०-I)—होन्यो-पैथी के कार्यचिकित्सक डा० बी० सी० राय की केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, विल्ली से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, जयपुर को बदली हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 28 मई, 1979 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, विल्ली से होम्योपैथिक कार्यचिकित्सक के पद का कार्य भार छोड़ दिया है थ्रौर 13 ध्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, जयपुर में होम्योपैथी के कार्यविकित्सक क पद का कार्यभार संभास लिया है।

> एन० एन० घोष, उप-निदेशक प्रशासन (के० स० स्वा०यो०)

नई दिल्ली, दिनांक 22 श्रक्तूबर 1979

सं० ए० 19012/10/79 स्टोर-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशाफ ने श्री वी० ग्रार० नाटेकर को 19 सितम्बर, 1979 पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो, बम्बई में सहायक फैक्टरी मैनेजर के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19012/11/79-भण्डार-I—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री एस० जी० कुलकर्णी को 17 सितम्बर, 1979 पूर्वाह्म से ग्रागामी श्रादेशों तक सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो, बम्बई में सहायक डिपो मैनेजर के पद पर ग्रस्थायीतौर पर नियुक्त किया है।

दिनांक 23 सितम्बर, 1979

सं० ए० 19012/12/79-स्टोर-I--स्वास्थ्य सेवा महानिद-माक ने डा० एन० एस० मास्त्री को 22 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक सरकारी सामग्री भण्डार डिपो, बम्बई में सहायक स्टोर प्रबन्धक के पद पर श्रस्थाई श्राक्षार पर नियुक्त किया है।

> पी० के० घई, विशेष कार्य श्रधिकारी (स्टोर)

ग्रामीण पुर्नानर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 25 प्रक्तूबर 1979

सं० ए० 19023/56/78-प्र०III—इस निदेशालय में उप वरिष्ठ विपणन ग्रिधिकारी (वर्ग II) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री सी० राधाकृष्णन ने मन्नास में तारीख 29-9-79 के पूर्वाह्न में विपणन ग्रिधिकारी (वर्ग II) के पद का कार्यभार छोड़ विया है।

दिनांक 26 अन्तूबर, 1979

सं० ए० 19023/45/78-प्र० III—इस निदणालय में उप घरिष्ठ विपणन प्रधिकारी (वर्ग I) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री वी० पी० शर्मा ने नई दिल्ली में तारीख 9-10-79 के भ्रपराह्म में विपणन श्रधिकारी (वर्ग I) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/74/78-प्रशा० III—विभागीय पदोन्नति सिमिति की संस्तुतियों के प्रनुसार, श्री जी० के० पल्लन को जो तवर्ष ग्राधार पर विपणन ग्रिधकारी (वर्ग II) के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 24-4-1979 से ग्रागले ग्रावेश होने तक नियमित ग्राधार पर स्थानापन्न विपणन ग्रिधकारी (वर्ग II) के रूप में पदोन्नत किया गया है।

विनांक 29 अन्त्वर 1979

सं० ए० 19023/17/78-प्रशा० III---इस निषेणालय में उप विरिष्ठ विपणन ग्रिधिकारी (वर्ग I) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री राम सिंह ने फरीवाबाद में तारीख 15-10-79 के ग्रपराह्म में विपणन ग्रिधकारी (वर्ग I) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिहार, निदेशक प्रशासन, क्रुप्ते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु भ्रनुसंधान केन्द्र

बम्बई-400085, दिनांक श्रक्तूबर 1979

संदर्भ: जे०/1099/चिकित्सा/स्थापना/4743-ग्रपर निदेशक भाभा परमाण श्रनुसंघान केन्द्र डा० (श्रीमती) उदीता रविन्द्र जहांगीरदार प्र० चि० श्र० (स्थानापक्ष) द्वारा दिया गया सेवा से त्यागपत्र इसी श्रनुसंधान केन्द्र में श्रपराह्म तारीख 30-6-79 से स्वीकार करते हैं।

सं० जे० /1098/चिकित्सा/स्थापना/4744—श्रवर निर्देशक भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र डा० रविन्द्र रघुनाथ जहांगीर-दार प्र० चि० ग्र० (स्थानापन्न) द्वारा दिया गया, सेवा से त्यागपत इसी श्रनुसंधान केन्द्र में श्रपराह्म ता० 17-8-1979 से स्वीकार करते हैं।

संदर्भ: डी० /1530/चिकित्सा/स्थापना 1/4745—प्रपर निदेशक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा० (कु०) इम्मेलिन डी'सूजा प्र० चि० प्र० (स्थानापन्न) द्वारा दिया गया सेवा से त्यागपन्न इसी अनुसंधान केन्द्र में अपराह्न ता० 16-8-79 से स्वीकार करते हैं।

> कुमारी एच० बी० विजयकर, उप स्थापना ग्रिधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋय ग्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 23 प्रक्तूबर 1979

सं० डी० पी० एस० /21/1(2)/78-स्थापना/30896— निदेशक, ऋय और भण्डार निदेशालय, श्री दत्तात्रेय रामचन्द्र साखरे, स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक को, स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु, सहायक ऋय श्रिधकारी पद पर, रुपये 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतन ऋम में, 4 श्रव्तूबर, 1979 (पूर्वाह्न) से श्रियम श्रादेशों तक, इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई 400008, दिनांक प्रक्तूबर 1979

सं० भा० पा० प०/स्था०/न० 54/6059—भारी पानी परि-योजना के, विशेष-कार्य-ग्रधिकारी, श्री नटराजन नारायण, अस्थायी श्रम तथा कल्याण ग्रधिकारी, भारी पानी परियोजना (तूर्ती-कोरिन) का त्याग पत्न दिनांक 27 श्रगस्त, 1979 पूर्वाह्म से स्वीकार कर लिया है अतः श्री नारायण को कार्यमुक्त कर दिया गया है।

> भार० सी० कोटियनकर, वरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीधर

टी॰ए॰पी॰पी-401504, दिनांक 23 ध्रक्तूबर 1979

सं० टी० ए० पी० एस०/1/34(1)/77-श्रार० (खंड III)—
मुख्य श्रधीक्षक, तारापुर परमाणु जिजलीघर, परमाणु
उर्जा विभाग, तारापुर परमाणु जिजलीघर में श्रस्थायी वैज्ञानिक
सहायक 'सी' श्री के० एन० दुवे को इसी जिजलीघर में वैज्ञानिक श्रधिकारी/श्रभियन्ता एस० बी० पद पर श्रस्थायी क्षमता
में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000
द० रो० 40-1200 के वेतनमान में दिनांक 1 श्रगस्त, 1979
(पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं।

डीं० वी० मक्कके, प्रशासनिक ग्रधिकारी-III

महानिदशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनाक 23 ग्रक्तूबर 1979

सं० ए० 32014/4/79-ई० सी०--महानिदेशक नागर विमानन ने श्री के० पी० स्वामी, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेणन, बम्बई को दिनांक 6-9-79 (पूर्वाह्म) से तदर्थ ग्राधार पर सहायक संचार ग्रिधकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है भ्रौर उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

> श्चार० एन० दास, सहायक निर्देशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 प्रक्तूबर 1979

सं० ए० 19014/39/72-ई०I—निवर्तन स्रायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्रीवी० चेल्लप्पा ने दिनांक 30 सितम्बर, 1979 (ग्रपराह्म) को निदेशक विमान सुरक्षा के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

स० ए० 19014/228/72-ई०-1---श्री एस० एन० मोत-वानी ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30 सितम्बर, 1979 (प्रपराह्न) को निरोष कार्य प्रधिकारी (जांच एवं कल्याण) के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> सी० के० वस्स, सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 25 ग्रन्स्बर 1979

सं० 1/246/79-स्था०--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा स्विचन समूह, बम्बई के स्थायिवत् तकनीकी सहायक, श्री एस० पार्थसारथी को 29 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी श्रादेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं 01/247/79-स्था 0 --- विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्थिचन समूह, बम्बई के स्थायिवत् तकनीकी सहायक, श्री सतीश कुमार को 30 श्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रावेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/249/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा स्विचन समूह, बम्बई के स्थायिवत् तकनीकी सहायक श्री श्रार० तिरुवेंगदाचारी को 5 सितम्बर, 1979 के पूर्वीह्म से श्रागामी ब्रादेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/248/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदे-शक एतद्द्वारा स्विचन समूह, बम्बई के स्थायिवत् तकनीकी सहायक, श्री पी० पी० हालेकर को 4 सितम्बर, 1979 के पर्वाह्म से श्रागामी श्रावेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

> पा० कि० गोविन्द नायर, निदेशक (प्रशा०), इसे महानिदेशक।

बम्बई, दिनांक 25 श्रक्तूबर 1979

सं० 1/457/79-स्था०--- अम्बई माखा के स्थानापन्न उप परियात प्रबन्धक, श्री बी० एन० पारेखजी निवर्तन की ध्रायु के हो जाने पर 31 श्रगस्त, 1979 के ग्रपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

> एच० एल० मल्होत्ना, उप निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक।

केन्द्रीय राज्य नियंत्रण प्रयोगशाला नई विल्ली, दिनांक 27 प्रक्तूबर 1979

सं० 1/1979--श्री मदन लाल शर्मा, ग्रधीक्षक (एम) को दिनांक 1-9-1979 (पू०) से श्रागामी ग्रादेश के जारी होने तक केन्द्रीय राजस्य नियंक्षण प्रयोगशाला में प्रणासन म्रिधकारी के पद पर भ्रस्थाई तौर पर नियुक्त किया गया हैं!।

> दिलबाग राय गुप्ता, मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

फरीदाबाद, दिनांक 23 अ़क्तूबर 1979

सं 27-17/79-ई० एम० — श्री के बी० सक्सेना को दिनांक 10-10-79 (पूर्वाह्म) से सहायक प्रणासन श्रधिकारी वर्ग 'व' राजपित्रत के तदर्थ श्रीर श्रस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमि जल परिषद में उन के मुख्य वास फरीदाबाद के साथ वेतन मान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के ग्रन्तर्गत श्रगले श्रादेण तक नियक्त किया जाता है।

बी० के० बवेजा, मुख्य जल भूविका।

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 श्रक्तूबर 1979

सं 19013/8/79-प्रशा०-चार—-प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री रवीन्द्र सक्सेना को अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वैतनमान में 3-9-79 (पूर्वाह्म) से पूर्णत्या ग्रस्थायी एवं तदर्थ श्राधार पर, श्रागामी श्रादेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा, स्रवर सचिव

निर्माण महानिदेशासय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 19 श्रक्तुबर 1979

शुद्धि करण

सं० 33/11/78-ई० सी०-9—निम्नलिखित प्रधिकारियों की उपवास्तुविदों के नाते नियुक्ति की तिथियों दिनांक 19-9-79 की समसंख्यक श्रिधसूचना में दर्शायी तिथियों के बजाय उनके नामों के सामने दी गई तिथियों के श्रनुसार पढ़ी गएं।

茅口	नाम	उप-वास्तुविद्	के नाते	नियुक्ति की	तिथि
सं०					
1	2		3		
	-5-2				
	सर्वश्री				

ए के० गुप्त 13-4-79 (अपराह्न) की बजाय 13-8-79 (अपराह्न) पढ़ा जाए।

1	2	3
2.	टी० भ्रार० भ्रा	नंद 30-8-79 (पूर्वाह्न) की बजाय 30-8-79 (श्रपराह्न) पढ़ा जाए।
		हर्ष देव सिन्हा, प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनीयों के रजिदार का कार्यालय

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 श्रौर बेदी एण्ड कम्पनी (रीवा) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 24 श्रक्तूबर, 1979

सं० 398-टेक०/3511— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रय-सान पर मैसर्स बेदी एण्ड कम्पनी (रीवा) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्तिन किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रौर उक्त कम्पनी विश्वटित कर वी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर रीवा पल्प एण्ड पैपर मिल्स लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 24 भ्रक्तूबर 1979

सं० 399-टैक० - कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्क्षारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैं० रीवा पल्प एण्ड पेपर मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

सूरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर केजरीवाल कार्माशयल कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 23 ग्रक्तूबर, 1979

सं० 12231/2945-एल० सी०—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना बी जाती है कि केजरीवाल कार्माशयल कारापो-रेशन प्रा० लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी गयी है।

> एस० नारायनन, रिजस्ट्रार श्राफ कम्पनीज, यू० पी०, कानपुर

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के श्रिधीन सूचना : मैंसर्स नवज्योत मिल्म लिमिटेड के विषय में।

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 श्रक्तूबर 1979

सं० 2456/लिवबीडेणन---कम्पनी श्ररजी नं० 18/1979 में श्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 16-10-79 के श्रादेश द्वारा मैसर्स नवज्योत मिल्स लिमिटेड का परिसमापन का श्रादेश दिया गया है।

> जे० जी० गाथा, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात, अहमदाबाद

धायकर विभाग

कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त

कोचीन-682016, दिनांक 9 अक्तूबर 1979 सं० 1(209)/जि॰एल॰/78-79- मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं आयकर आयुक्त, केरल-II, एरणा-कलम, एतवुद्वारा 5-10-1979 के पूर्वाह्न से एफ॰ वार्ड, कालीकट, तथा एफन्वार्ड, कन्नूर के श्रायकर ग्रधिकारी को प्रभार समाप्त करता है।

> बी० जै० चाक्को, श्रायकर श्रायुक्त, केरल-II

संगठन श्रीर प्रबंध सेवा निदेशालय (श्रायकर) नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 श्रक्तुबर 1979

सं० 36/8/79-प्रशा०/डी० श्रो० ए.म० एस०/5028—श्राय-कर श्रायुक्त कार्यालय, हैंदराबाद के हिन्दी श्रनुवादक श्री हरि-शंकर सिंह ने, जो हाल ही में समपहृत संपति श्रपील श्रिध-करण, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्त पर थे, पदोश्रति होने पर तारीख 14 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से संगठन श्रौर प्रबंध सेवा निदेशालय (श्रायकर) नई दिल्ली में हिन्दी श्रिधकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> जगवीश चन्द, निदेशक, संगठन श्रीर प्रबन्ध सेवा निदेशालय (श्रायकर), नई दिल्ली

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर,दिनोक 29 ग्रक्तूबर 1979

निदेश सं० ए० पी०/नं० 1965:—यतः मुझे, बी० एस० दक्षिया,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- ध्रुप से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो लोहीयां खास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (ध्रन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रिष्ठीन कर वेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिल्पाने में सुविधा के लिए,

भतः ग्रम, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, म उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—
2—326 G1/79

- (1) श्री बख्शी राम पुत्र धमर मिह C/० इन्द्रपाल लोकेश कुमार क्लाथ मर्चेन्ट लोहीयां खास। (धन्तरक)
- (2) श्री प्रेम सागर पुत्न बख्शी राम धौर दरशना रानी पत्नी प्रेम सागर C/o हरीश चन्द्र सतीण चन्द्र लोहीयां।

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, ृजिनके बारे में भ्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह ्रसम्पत्ति
 में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

जैसा कि विलेख सं० 1906 फरवरी, 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रीधकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० देहिया, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारी**ख:** 29-10-79.

प्ररूप ग्राई० टी० एम० एस०---

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के घ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 प्रक्तूबर 1979

निदेश सं० पी टी ए/248/78-79--- पतः मुझे, ग्रार० के० मलहोत्रा,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 18 मरले है तथा जो त्रिपड़ी माईदाँ पटियाला में स्थित है (धाँर इससे उपाबक अनुसूची में घाँरपूर्ण रूप से वांणत है). रजिस्ट्रीकत अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुक्षिधा के लिए;

श्रतः मब, उक्त श्रिघिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात् :— (1) श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, बीवरीयां रोड, लाहौरी गेट, पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरिवन्दर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह, वासी चौड़ा, तहसील पटियाला, श्री जमबीर सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह, वासी भानरी, तहसील व जिला पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो भ्रायकर श्रिक्षित्यम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 18 मरले है भौर जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5562, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोक्षा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 भ्रक्तूबर 1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 प्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० पीटीए/250/78-79:--अतः मुझे, म्रार० के० मलहोता,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक

ग्रीर जिसकी संव पलाट जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 9 मरले हैं तथा जो तिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित हैं (ग्रींप इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यात्य, पटियाला में, रिजस्ट्री तरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधि-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:— (1) श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री हरचरन सिंह, वासी बीवरीयां स्ट्रीट, पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द पुत्र श्री शाम लाल, वासी त्रिपशी साईदां, पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितब क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है '

भनुसूची

भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 9 मरले है स्रौर जो त्रिपड़ी माईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5567, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

ग्रार० के० मलहोता; सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 भक्तूबर, 1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 भनतूबर 1979

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 18.1/2 मरले है तथा जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्ण क्षिप से निणत है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक हैं भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या अन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- (1) श्री हरजीत सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल वासी बीवरीयां रोड, लाहौरी गेट, पटियाला । [(श्रन्तरक)
- (2) श्रीमिति किरन खन्ना पत्नी श्री किसमत राय खन्ना, श्रीप्यारा लाल खन्ना पुत्र श्री किशन चन्द खन्ना, वासी 270/2, तकीया रहीम शाह, धर्भपुरा बाजार, पटियाला ।

(ग्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 18.1/2 मरले है घौर जो तिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, पटियाला के कार्मालय के विलेख संख्या 5746, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> श्चार० के० मलहोझा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 शक्तूबर, 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० ----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मन्तूबर, 1979

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित रुपये से ग्रिधिक है बाजार मूल्य 25,000/-मौर जिम्की सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल है तथा जो तिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन धनुसूची में घौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी के कार्यालय, पढियाला में, रजिस्ट्रीकर अधिनियम 1908 का 16) के प्राधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृ्ल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर मन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर मन्तरितीं (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भवि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या भ्रनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रबीत्:—

- -(1) श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री हरदेव सिंह, विपदी साईदा, बीबरीयां रोड़, लाहौरी गेट, पटियाला। (स्रन्तरक)
- (2) श्री मुखिन्दर जिह पुत श्री निरन्दर सिंह, श्री जंग सिंह पुत श्री श्रात्मा सिंह, श्री इन्दर पाल पुत श्री प्रतापा मल, विपड़ी साईदां, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण]:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसचि

भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल है घीर जो त्रिपड़ी साईदाँ, पटियाला में स्थित है।

जायेवाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5754, फर्रेस्सरी, 1978 में दर्ज है)।

> भ्रार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 भन्तूबर 1979

प्रकः भाई । टी । एम । एस 2----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक स्नायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 अक्तूबर 1979

निदेश सं० श्रमलोह/118/78-79-मतः मुझे, भार० के० मलहोता,

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है भीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बिचा 12 विसवा है सथा जो गांव कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह में स्थित है (ग्रीर इनसे उपावद भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रमलोह में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रबं, उक्तं ग्रधिनियमं की धारा 269-मं के प्रनु-सरण में, मैं, उक्तं ग्रिधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:— (1) श्री दरबारा सिंह पुत्र श्री जगराम सिंह गांव कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियासा।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री हुकम जन्द, दिवान चन्द पुत्र श्री श्रोम प्रकाश, नन्द कुमार, प्रेम कुमार पुत्र श्री बाबू राम, रिवन्दर नाथ, धाजिन्दर नाथ, धुभाष चन्दर पुत्र श्री रामशी दास, मारफत मैसर्ज जय इंडस्ट्रीज, जी टी रोड़, मण्डी गोबिन्दगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे। प

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगर, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसकी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 विघा 12 विसवा है छौर जो गांव कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील ध्रमलोह में स्थित हैं।

(जामेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता धाधकारी, ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1846, फरवरी, 1979 में वर्ज है)।

भ्रार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रोंज, लुधियाना

तारीख: 15 मन्यूनर 1979

प्ररूप माई० टी० एम० एस०----

श्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के प्रधीन

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रजैन रॅज, लुधियाना

नुधियाना, विनांक 15 प्रक्तूबर 1979

निदेश सं ० भ्रमलोह/123/78-79 — भ्रतः मुझे, भ्रार० के० मलहोत्रा,

स्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिक रिक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

भौरजिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 18 विसवा है तथा जो जसड़ा, मण्डी गोबिन्द गढ़, सब-तहसील भ्रमलोह में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौरपूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भ्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मध्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भीधक ह भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर श्रीधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भीधनियम या धनकर भीध-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन उक्त मधिनियम की धारा 269ग के मनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की घारा 269 म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात्:—

- (1) सर्वश्री जसदेव सिंह, मगवन्त सिंह, बलवन्त सिंह (पुत्र), हरबन्स कौर (पुत्री) व श्रीमति बसंत कौर (विधवा) स्व० श्री विश्वनसिंह, गांव जसड़ो, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील श्रमलोह। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सूरया नरायन पुत्र श्री रामरत्न लाल, वासी मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला।

(श्रन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की झबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झबिध जो भी झबिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाणन की तारीखसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्ग्ब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पत्नों का जो उमत श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

भूमि जिसका क्षेत्रफल 18विसवा है घौर जो गांव जसड़ा, मण्डी गोबिन्दगढ़ में स्थित है)।

(जामेदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता छिछकारी, धमलोह के कार्यालय के जिलेख संख्या 1862, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> म्रार० के० मसहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, नुधियाना

तारीय : 15 मन्त्वर 1979

प्ररूप भाई० टी० एम० एस० ----

भायकर भिधिनियम् 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैनरेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मक्तूबर 1979

निदेशसं० धमलोह/124/78-79--- ग्रतः मुझे, ग्रार०के० मलहोत्रा,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रुपये से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 18 विसवा है तथा जो जसड़ी, मण्डी गोबिन्द गढ़, सब-तहसील श्रमलोह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम ,1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि निथम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए शीर/या
- ख) ऐसी किसी आय या ितनी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मबः उन्त भधिनियम की धारा 269ग के मनुसरण में मैं- उन्त प्रधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के मधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात्:—

- -(1) सर्वश्री जसदेव सिंह, भगवन्त सिंह, बलबन्त सिंह (पुत्र), हरबन्स कौर (पुत्री) व श्रीमित बसंत कौर (विधवा) स्व० श्री विधानसिंह, गांव जसड़ां, भण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील ग्रमलोह। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सूरया नरायन पुत्र श्री रामरत्न लाल, मनोज कुमार पुत्र सूरया नरायन, वासी मण्डी, गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के ए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किये जा सकेंगे।

स्यःटी करण्: → - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के शब्याय 20क में परिभाषित हैं वही शर्थे होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

भूमि जिसका क्षेत्रफल 18 विसवा है धौर जो गांव जसड़ां, मण्डी गोबिन्वगढ़ में स्थित है)।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के निलेख संख्या 1863, फरवरी, 1979 में वर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीच ार्15 भक्तूबर 1979

मोहरः

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०⊶ ----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 15 प्रक्तूबर 1979

मायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/-रुपण् से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 विघा 12 विसवा है सथा जो गांव कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील श्रमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त प्रधिनियम की धारा 269य के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात्:—— 3—326 GI/79 (1) श्री दरबारा सिंह ॣॕयुत्र श्री जगराम सिंह ॣ्रगांव कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हुकम चन्द दिवान चन्द पुत श्री ग्रोम प्रकाश, नन्द कुमार, प्रेम कुमार पुत्न श्री बाबू राम, रिवन्दर नाथ, धाजिन्दर नाथ, सुभाष चन्दर पुत रामजी दास, मारफत मैसर्ज जय इंडस्ट्रीज, जी० टी० रोड़, मण्डी गोविन्दगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) स सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वही श्रर्थं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 विधा 12 विसवा है श्रौर जो गांव कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़ सब-तहसील श्रमलोह में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1905, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> म्रार० के० मलहोत्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षा म्रजैन रेंज, लुधियान

तारीख: 15 प्रक्तृबर 1979।

प्ररूप प्रार्थे० टी० एन० एस०----

आयकर श्रधिनियम 1961 (1961 का ५३) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय- सहासक क्रायकर ऋष्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, ल्धियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रवतूबर 1979

निदेश सं० श्रमलोह्/32/79–80–-प्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्ना,

न्नाय तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिल इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीत सक्षम प्रात्ति कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रशति जिल्ला उचित बाजार मृल्य 25 000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिलका क्षेत्रफल 7 विधा 12 विसवा है तथा जो कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील श्रमलोह में स्थित है (श्रीर इसपे उपाबढ़ श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, तारीख मई, 1979 को

पूर्वोकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोकन पन्नति का उचित बाजार सूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफन के एंचे दृश्यमान प्रतिफन का पन्त्रह प्रतिशत के अधिव हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त ग्रधि नियम की धारा 269म के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधि नियम की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीन:—— (1) श्री दरवारा सिंह पुत्र श्री जगराम सिंह, वासी कुकड़, माजरा, सब-तहसील, श्रमलोह।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री हुकम चन्द, दिवान चन्द, पुत्न श्री घ्रोम प्रकाण, नन्द कुमार, प्रेम कुमार पुत्न बाबूराम, राविन्दर नाथ, धाजिन्दर नाथ, सुभाष चन्दर पुत्न श्री रामजी दास, वासी मण्डी, गोबिन्दगढ़ मारफत मैसर्ज जय इंडस्ट्रीज, जी०टी०रोड, मण्डी, गोबिन्दगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त पर्सात्त के अर्जन के सरबन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीच ने 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इ.स. पूजना के राज्यत्व में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भागर उनन स्थापर प्रशास में हिन्तबद्ध किसी ग्रहा वाकित द्वारा अधीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त भव्दों और पदों का, जं उक्त श्रिशि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 विधा 12 विसवा है घौर जो गांव कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील श्रमलोह में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 298, मई, 1979 में दर्ज हैं)।

> श्चार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 श्रक्तूबर 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकरश्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 अन्तूबर, 1979

निदेश सं० सरहिन्द/200/78-79:---यतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्ना

म्राय हर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के म्रिजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/ रुपये से म्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 3 मरले है तथा जो बाहमन माजरा, रेलवे रोड, सरहिन्द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वाणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, फरवरी,

पूर्वोकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्णमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यवापूर्वोकत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कि वीव ऐस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नृलिखित उद्देश्य में उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवित रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधि नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी बन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भा रतीय ग्राय कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार 269ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री श्रोम प्रकाण पुत्र श्री हरी चन्द, गांव आहमन माजरा, मारफत श्रनन्त इंजीनियरिंग वर्क्स, बस्सी रोड, सरहिन्द।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री बंसी लाल पुत्र श्री हरनाम दास, श्री वेवीन्दरं कुमार, श्री ग्रनील कुमार पुत्र श्री बंसी लाल, श्री गिरधारी लाल पुत्र श्री हरनाम दास, श्री विजय कुमार पुत्र श्री गिरधारी लाल श्री मेला राम पुत्र श्री देवी दयाल, श्री किशोरी लाल पुत्र श्री गन्गा राम, सारे पार्टनरज मैसर्स देवी दयाल वर्मा. रेलवे रोड़, सरहिन्द मण्डी, जिला पटियाला। (श्रन्सरिती)
- (3) मैसर्स देवी दयाल वर्मा, राईस व काटन मिल्ज, रेलवे रोड, सरहिन्द मण्डी। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूजना जारी करके पूर्वीका समात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सन्यात के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबिधिया नित्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवांधाना भी अविधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत भूता के राजात में प्रत्या हो । रीखो 45 दिन के भीतर उपत स्थावर नमात्ते में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टी हरण :-- -इतमें प्रपृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20 ह में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 3 मरले है श्रीर जो ब्राहमन माजरा, रेलवे रोड, तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, सरिहन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 3440, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 अन्तूबर, 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनोक 15 ग्रन्तूबर, 1978

निदेश सं० लुधियाना/223/78--79:---यतः मुझे, श्रार० के० मलझेला.

आयंकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रुपण, से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1557 वर्ग गज है तथा जो सलेम टावरी, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीककर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी, 1808 (1908 का 16) के ग्रिधीन, फरवरी, 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-निथम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः स्रवं, उक्त यधिनियम की धारा 269ग के स्रनुसरण में, में, उक्त स्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के स्रधीन; निम्निलिखित व्यक्तियों श्रभीत्:— (1) श्री बावा सिंह पुत्र मंगल सिंह द्वारा श्री जगतार सिंह पुत्र श्री बाबा सिंह वासी सलेम टावरी, लुधियाना।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री बख्शीश सिंह पुत्र उधम सिंह, जलालाबाद (श्रमृतसर)।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तम्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: चिन्हसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया र।

अनुसूची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 1557 वर्ग गज है श्रौर सलेम टावरी, लुधियाना में स्थित है।

(जायेवाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय, के विलेख संख्या 4214, फरवरी, 1979 में वर्ज है) ।

श्चार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-10-79

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भायकरभ्रधिनियम 1961 (1961का 43) की धारा 269ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 भ्रक्तूगर, 1979

निवेश सं० लुधियाना/245/78-79:---यतः मुझे, म्नार० के० मसहोस्ना,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ म्पण से श्रधिक है

भौर जिसकी मं० मकान नं० बीं—221 (पुराना) बीं—10-74 I (नया), है तथा जो भौर नीमवाला, लुधियाना में स्थित है (शौर इससे उपाबद अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है शौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमें वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्मतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः भव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269ग के भनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियां श्रथीत्:—

- (1) श्रीमती पुष्पा देवो पत्नी श्री श्रमोलक राज भाई, बी-10-74-I, चौक नीमवाला, लुधियाना । (श्रन्तरक)
- (2) श्री दलीप चन्द पुत्र श्री गोपाल दास, मकान नं० बी-9-1-49, चौक नीमवाला, लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचेना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ ित्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टी हरण: --इसमें प्रयुक्त णब्दों और पढ़ों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भाग आयेदाव नं० बी-221 (पुराना) बी-10-74-I, (नया), चौक नीमवाला, लुधियाना।

(जायेवाद जैसा कि रजिस्ट्रांकर्ता प्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4312, फरवरी, 1979 में दर्ज है।

> श्चार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्णन रेंज, लुधियाना,

तारीख: 15-10-1979।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस0----

ष्मायकर अधिनियस 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 अक्तूबर 1979

निदेश सं० लुधियाना/247/78~79—श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसेका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 170-1, करतार सिंह सराभा नगर है तथा जो लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 की

पूर्वोकत सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि -नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों श्रयीत्:— (1) श्री जोगिन्दर सिंह ढिल्लों पुत्र श्री भगत सिंह ढिल्लों वासी ढिलवां (कपूरथला)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति जोगिन्दर कौर पत्नां श्री करतार सिंह, 170-1, करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध; जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--- इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का जो उक्त श्रिधि-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग जायेदाद नं० 170-1, करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता ग्राधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4317, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> भार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः: 15 मक्तूबर 1979

प्रह्म ग्राई० टी० एन० एस०----

न्नायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1979

निदेश मं० ल्धियाना/246/78-79--म्प्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोत्रा, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), धारा की 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक हैं श्रीर जिसकी संव मकान नंव बी-10-74/1 है तथा जो चौक नोमवाला, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च) में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्येलिय सुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मृत्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किमी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनहर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्री श्रमोलक राज पुत्र श्री जमना दाम भाई मिकान नं०-IX 221, बी-10-74/1 (नया), चौक नीमवाला, लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कौणत्या देवी पत्नी श्री दलीप चन्द, मकान नं व बी-9-149, चौक नोमवाला, लुधियाना । (मन्तरिती)

को यर् सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरण: →-रिपमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टगाय में दिया गया है।

अनुसूची

हिमा मकान नं० बी०-10-74/1, चौक नोमवाला, लुधियाना।
(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 4313, फरवरी, 1979 में दर्ज है।)

> न्नार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारंखः 15 **त्रक्तूब**र, 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायितिय, महायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1979

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रुपल से अधिक है और जिसकी सं 170-1, करतार सिंह सराभा नगर, है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किमी आय या किसीधन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्रा जोगिन्दर सिंह ढिल्लों पुत्त श्रा भगत सिंह ढिल्लों, वामा ढिल्खां (कपूरथला) द्वारा श्रो रस्न सिंह पुत श्रा भगत सिंह, जो० ए० ढिल्खां (कपूरथला)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रां करतार सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री चन्दा सिंह, 170-1, करतार सिंह सराभा नगर, लुधि-याना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्टी करण :-- - उसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग जायेदाद नं० 170-।, करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4730, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

> भार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारो, सहायक द्यायकर घायुक्त (निरीक्षण), प्रर्णन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 **ग्रक्तूब**र, 1979।

प्रकृप श्राई० टी० एन० एम०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1061 का 43 की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लेघियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1979

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्माम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फैक्टरी बिलॉडंग य भूमि जिसका क्षेत्र फल 1 कनाल 3 मरले हैं तथा जो घगा रोड़, समाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, समाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूक्वीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्माम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उसके दृश्यमान प्रतिफल के। विश्व दृश्यमान प्रतिफल के। क्षेत्र दृश्यमान प्रतिफल के। इसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए त्या पाया गया प्रतिद्धल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के श्रतन्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

म्रतः म्रब, उन्त मधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में, मैं, उन्त मधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थातु:— (1) श्री राज कुमार पुत श्री सरूप चन्द, श्रीमित पुष्पा देवी पत्नी श्री विजय कुमार, श्रीमित कास्ता देवी पत्नी श्री सोहन लाल, श्रीमित चमबेली देवी विश्ववा श्री सरूप चन्द सारे वासी ममाना।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री रघू नाथ पुत्र श्री बालूराम, ग्रमृप्त लाल, प्रेम सागर, रोशनलाल, पटेल चन्द पुत्र श्री फकीर चन्द नासी घंगा रोड़, समाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त उम्पक्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बवध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रव्याय 20 के में परिभाषि हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया र।

अनुवृत्ती

फैस्टरी बिल्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल 3 मरले है ग्रीर जो घगा रोड़, समाना में स्थित हैं:

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी समाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1315, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 ग्रक्तूबर 1979।

সহ্ব সাহতিতীত চ্নত চ্নত----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1979

ि निदेश सं० : जगराम्रों/135/78-79--मतः मुझे, मार० के० मलहोत्रा,

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रधिनियम', गहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है।

भौर जिसकी सं० बिलर्डिंग है तथा जो जगराओं में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगराश्रों में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई और मुझे यह विश्रमास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य,

उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से भ्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिति (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत, उक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी ॄंकरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी अ।य या किसी धन या भ्रन्य आतियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः— (1) श्रीमती रीचल गैलानी तथा सर्वश्री बिजमन गैलानी व ग्रलैकसिस गैलानी के लिए वासी 25, दी माल, शिमला।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री वाहेगुरु बकस, सतनाम श्रीर इन्दरजीत पुत्रश्री राम लाल, मारफत मैसर्ज राम लाल सत नरायन गालीब वाले, कमीशन एजैंट ग्रेन मारिकट, जगराश्रों।

(ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उद्भत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनाके राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के प्रांस. लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इनमें प्रमुक्त मन्दों स्रौर पदों का, जो 'उक्त स्रधितियम, के अध्याय 20-क; परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

बिलिंडिंग जो जगराश्रों में स्थित है। (जापैदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जगराश्रों के कार्यालय के विलेख संख्या 4866, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> भार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, महायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 15 धन्तूबर 1979

मोहर;

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकम्रधिनियम, 1961 (1061 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, आयंकर वयन, लुंबियांना

लुंधियाना, दिनांक 15 ग्रक्तूबर, 1979

निवेश सं०: जगराश्रों/3/79-80:—श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्रा,

म्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है ।

भौर जिसकी सं० खाली प्लाट है तथा जो जगराधों में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जगराधों में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के भातरक दायिप्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:— (1) श्रीमिति रीचल गैलानी (स्वयं) तथा सर्वश्री बिंजमन गैलानी व श्रलैकसिस गैलानी के लिए, वासी 25, दी माल, शिमला।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री बहेगुर बकस, सतनाम भौर इन्दरजीत पुत्र श्री राम लाल, भारफत मैंसर्ज राम लाल सतनरायन गलीब वाले, कमीगान एजेंट, ग्रेन मारकिट, जगराभ्रो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में
 हितबद्ध किसी अवय व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त णब्दों अोर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खाली पलाट जो जगराग्रों में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जगराम्रों के कार्यालय के विलेख संख्या 355, ग्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> म्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजॅन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 घक्तूबर, 1979।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रारकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1979

निवेश सं० : जगराश्रों/138/78-79:--श्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोक्षा,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें; इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ६० से ग्रिधिक है।

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 3 मरले हैं तथा जो गांव भामीपुरा, तहसील जगराओं में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगराश्रों में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं श्रीर मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक हैं श्री श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरित ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्मविक रूप से कथित नहीं किया गया :——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिरियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिनव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रज, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—

- (1) श्री पाखार सिंह पुत्र श्री नरायन सिंह, वासी गांव भामीपुरा भ्रव गांव हथूर, तहसील जगराधों। (भ्रन्सरक)
- (2) सर्वश्री बलवन्त सिंह, भाग सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह, गांव भामीपुरा, तहसील जगराश्री।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कायट्टवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारमील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 3 मरले है ग्रीर जो गांव भामीपुरा, तहसील जगराश्रों में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जगराश्रों के कार्यालय के विलेख संख्या 4945, फरवरी, 1979 में दर्ज हैं)।

> श्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राविकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 15 ग्रक्तूबर, 1979।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वघ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, आवकर भवन ैलुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 प्रस्तूबर 1979

निदेश मं० खरड़/10/78-79:---म्रतः मुझे, म्रार० के० मलहोता,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्क अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीत सज्ञत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है।

मीर जिसकी मं० इंडस्ट्रीअल पलाट जिसका क्षेत्रफल 1250 वर्ग गज है तथा जो डी-20, इंडस्ट्रीयल फोकल पोम्नाईट, एस० ए० एस० नगर, मोहाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ धिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्य माम प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल के ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से झाधक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और प्रन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किपी श्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दार्यिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य 1922 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्ः— (1) सर्जिश्री कृष्ण कुमार चोपड़ा पुत्र श्री हिलया राम, उच्चा खेड़ा, रोपड़ द्वारा जी० ए० श्री हरमोहिन्दर सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, वासी 1590, सैक्टर 7-सी, घन्डीगढ़।

(मन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर सिंह पुरी पुत्र श्री मलीक सिंह, श्री सुरजीत सिंह पुरी पुत्र श्री मलीक सिंह, बलाक नं० ७, फिरोजपुर, कैन्ट।

(भन्तरिती)

गो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कायट्टवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बद्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रजोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---द्वसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

इंडस्ट्रीअल पलाट जिसका क्षेत्रफल 1250 वर्ग गज है ग्रीर जो डो-20, इंडस्ट्रीअल फोकल पाश्चइंट, एस० ए० एस० नगर, मोहाली में स्थित है।

(जापेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 4244, फरवरी, 1979 में वर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 म्रन्सूबर, 1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 धन्तुबर 1979

निदेश सं० पटियाला/253/78-79--श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्रा,

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से म्रिधिक है।

श्रीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1 विघा 2 विजवा है तथा जो चन्दा सिंह रोड़, पटियाला में स्थित हैं (श्रीर इसन उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रधियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) बरगेडियर फतेह सिंह पुत्र श्री चन्दा सिंह वासी चन्दा सिंह रोड़, पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्ज नीका राम एण्ड कम्पनी, चन्दा सिंह रोड़, नजदीक ए० सी० थेटर, पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री घोम प्रकाश, टी० स्टाल, श्री घमरजीत , साईकल रिपेग्रर शाप, श्री मोहन दास, पान शाप, श्री निहाल सिंह, टी स्टाल, श्री ग्रशोककुमार, करयाना शाप, श्री जगत सिंह, साईकल रिपेग्रयर शाप, श्री सुख राम, पान शाप, सारे वासी चन्दा सिंह रोड़, नजदीक ए० सी० थेटर, पटियाला।

> (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग मे सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाजन की तारीखासे 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीस्स्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदौं का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 1 विद्या 2 विसवा है श्रीर जो चन्दा सिंह रोड़, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, पटियाला कार्यालय के विलेख संख्या 5590, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

म्नार० के० मलहोक्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्नायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 ग्रम्तूबर 1979

प्ररूप भाई 02 टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1979

निदेश मं० : मलेरकोटला/40/78-79:--- ग्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोत्रा,

न्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम वरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रौर जिनकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 विघा 3 विसवा है तथा जो गांव हथन, तहसील मलेरकोटला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप भे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधि हारी के हायात्रिय, मलेर होटला में, रजिस्झी हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, नारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्बन्ति के उचित बाजार मूल्य भे कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त आधि-निथम, के आधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्राधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 26घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथिन्:— (1) श्री इन्दर सिंह पुत्र श्री नन्द सिंह पुत्र मताश्व, वासी हथन, तहसील मलेरकोटला ।

(म्रन्तरक)

(2) सर्वश्री जोरा सिंह, भेला सिंह पुत्र श्री करनैल सिंह, श्री तारा सिंह पुत्र इन्दर सिंह पुत्र नन्द सिंह वासी गांव हथन तहसील मलेरकोटला।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

म्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 विघा 3 विसवा है भीर जो गांव हथन तहसील मलेरकोटला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, मलेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 408, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> भ्रार**ः के**० मलहोस्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 भ्रम्तूबर, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्राय हर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भुवनेश्वर भुवनेश्वर, दिनांक 16 म्रक्तूबर 1979

े निदेश सं० 82/79—80/माई० ए० सी० (ए०/मार०) बी० बी० एस० आर०, मतः मुझे, बी० मिश्रा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपण से प्रधिक हैं और जिसकी सं० 3171 है जो बेरहामपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रतुस्त्री में ग्रीरपूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बेरहामपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय, बेरहामपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 23 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त भाषा-नियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी भाय या किसीधन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भिधनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्री सुरेण कुमार मोहन्ती ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कोशल्या देवी चौधरी ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के पक्ष में प्रकाणन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त भाध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक नया मकान 3171 नम्बर प्लाट पर बेरहामपुर मौजा में है। मह मकान बेरहामपुर सब रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय में 23-2-1979 तारीख में रिजस्ट्री किया गया है। इसका डाक्समेंट नम्बर 513 है।

> बी० मिश्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक त्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज, भुवनेश्वर ।

तारीख: 16-10-79

प्ररूप माई० टी० एन०एस०~

भायकर प्रधिनियम, 1961 १(1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना ┃

भारत सरकार

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) 👍 मर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 ध्रगस्त 1979

निर्देण सं० सी ग्रार 62/23199/79-80/एममू/बी०:---बतः मुझे, बि० रंगानाथन,

प्रायकर श्रिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया हैं) की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से श्रिक हैं

भौर जिसकी सं० 11/12 है तथा जो गुनडूपत स्ट्रीट, बेंगलूर में स्थित है (भौर इस से उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बेंगलूर में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रभीन, तारीख 14-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ह और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्षा निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (बा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या श्रन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उनत श्रधिनिय०, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत् :—

(1) श्री जयासिम्हा राव कावाले उर्फ सी० जयासिम्हा राव सपुश्च लेट डाक्टर सी० राजा रामा राव, सं० 7, पुटुक्ता रोड़, बसावनगुड़ी, बेंगलूर-4।

(मन्तरक)

(2) मैसर्स सपतागिरी कामपलेक्स, रेप्रसंट कर रहे हैं पार्टनर्स:—(1) श्रीमती एल० ए० पुष्पामाला पत्नी एल० एस० भ्रवंता पदमानाभा सं० 100 बानी विलास रोइ, बेंगलूर (2) श्री जी० ए० रामालिंगय्या सपुत्र श्रष्ठापा पेट्टी, सं० 194, 9वां क्रास II, ब्लाक जयानगर, बेंगलूर (3) श्री एस० एन० क्रिष्णामूर्ति सं० 294, रामाभ्रायंगार रोइ, वी० पी० पुरम, बंगलूर (4) श्रीमती बी० बी० जलांजाकशी, सं. 35, एम० जी० रोइ, होस्सूर (टी० एन०)। (ग्रन्तरिती)

(3) श्री वी० गोविंदाराजू नायकर भूपाती नायडू। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भविधि, जो थी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 पितन के भीतर उक्त स्थावर सपंत्त में हित-बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त मध्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रीधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज 3806/78-79, ता० 14-2-1979)

घर सम्पत्ति सं० 82 श्रीर 83 पुराना श्रीर नया सं० 11-12 तथा जो गुनडूपंत स्ट्रीट, बेंगलूर-2, डी० 18, में हैं (11-12 सं० सम्पत्ति जो बीच का पोरषण है उसका साइट ऐरिया 130-8.10 फिट है।

चक्खंवी:---

७० : गुनड्रुपंत स्ट्रीट

द०: सेतूराव कास

पू०: एन० एस० म्रार० कावासे की सम्पत्ति

का भाग

प० : डाक्टर एन० ग्रार० कावाले की सम्पत्ति काभाग।

> पी० रंगानाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

सारी**व** : 22-8-1979 ।

मोइर :

प्ररूप माई० टी० एन० ए भ०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूर्चना भारत सरकार

> सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 ग्रगस्त 1979

निदेश सं ० सी० ग्रार० 62/23200/79-80/एवयू०/बी०---यतः मुझे, पी० रंगानाथन,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति जित्रका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 11 श्रौर 12 का भाग है तथा जो गुबबूपंत स्ट्रीट, बेंगलूर डी० 18 में स्थित हैं (श्रौर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधी-नगर, बेंगलूर दस्तावेज सं० 3805/78-79 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-2-1979

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रबं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत :---

> श्री डाक्टर एन० भ्रार० काबाले, उर्फ डाक्टर सी० नरींसम्हाराव सपुत्र स्व० डाक्टर सी० राजा राम राव राजाराम फारमेसी, पुलिस रोड़, सिटी मारकेट बेंगलूर ।

> > (भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स सपतागिरी कामपलेक्स, रेप्रसंट कर रहे हैं पारटनरस (1) श्रीमती एल० ए० पुष्पामाला पत्नी एल० एस० अनंतापदमानाभा सं० 100, बानी निलास रोइ, बेंगलूर, (2) श्री जी० ए० रामालिगय्या सपुत्त श्रडापा शेट्टी सं० 194, 9वां क्रास, II ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर, (3) श्री एस० एन० कृष्णामूर्ति, सं० 294, रामा श्राइंगार रोड़, नी० त्री० पूरम बेंगलूर (4) श्रीमती नी० बी० जालाजाकशी, सं० 35, एम० जी० रोड़, होस्सर (टी० एन०) ।

(ग्रन्तरिती)

 (1) श्री वी० गोविदाराजू नायकर, (2) भूपाती नायडू (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारी ख में 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साब्दी करण : → - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर प्रधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं 3805/78-79 ता० 14-2-79)

घर संम्पत्ति सं० 82 श्रौर 83 पुराना श्रौर नया सं० 11 श्रौर 12 तथा जो गुनडूपंत स्ट्रीट, बेंगलूर-2, डी 18 में हैं $\left(11 \times 12\right)$ सं० सम्पत्ति का पश्चिम भाग साइट एरीया है । 130×8.10 फिट]।

चकबंदी

उ० : गुनडूपंत स्ट्रीट । द० : सेतू राव कास

पू०: जै० भ्रार० कावाले की सम्पत्ति का भाग

प०: स्ब्बैया मेट्टी की सम्पत्ति ।

पी० रंगानाथनं, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलर

बेंगलूर, दिनांक 22 श्रगस्त 1979

निदेश सं० सी० भ्रार० 23201/79-80/एक्यू०/बी०---यसः, मुझे, पी० रंगानाथन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 11 श्रौर 12 है, तथा जो गुनड्र्पंत स्ट्रीट, बेंगलूर डी०18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बेंगलर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 14~2-1979, (दस्तावेज सं०: 3802/78-79)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:~—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिब नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269~ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

(1) श्री एन० एस० श्रार० काबले उर्फ सी० नारायनास्वामी राव सपुत्र स्व० डाक्टर सी० राजारामा राव रिटायर्ड एक्सीक्यूटिव इंजीनियर, सं० 33/17, काबाकापुरा रोड, बसावनगुडी, बेंगलूर-4।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स सप्तागिरी कापमपलेक्स, रेप्रसेन्ट कर रहे हैं, पार्टनर्स : (1) श्रीमती एल० ए० पुष्पामाला पत्नी एल० एस० ग्रमंतापदमानाभा सं०,100, वासी-विलास रोड़, बेंगलूर, (2) श्री जी० ए० रामालिंगय्या सपुत्र ग्रसपाणेट्टी, सं० 19, 9वां क्रास II ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर (3) श्री एस० एन० कृष्णामूर्ति सं० 294, रामान्नाइंगार रोड़, वी० वी० पुरम, बेंगलूर (4) श्रीमती वी० बी० जालाजाकणी सं० 35, एम० जी० रोड, होस्सूर (टी० एन०)।

(भ्रन्तरिती)

(3) 1. बी॰ गोविदाराजू नायकेर, 2. भूपाती नायडू । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिक्षित्यम के ऋध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ऋर्य होगा, जो उस ऋध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 3802/78-79 ता० 14-2-79) घर सम्पत्ति सं० 82 ग्रांर 83 पुराना ग्रार० 11 ग्रीर 12

नया तथा जो गुनडूपंत स्ट्रीट, बेंगलूर (डी० सं० 18) (सम्पत्ति सं० 11 और 12 का पूर्व का भाग 130 < 8.10 फीट)। चकबंदी:--

उ० : गुनशूपंत स्ट्रीट

द०: सेतूराव कास

पू० : टी० भ्रनंतारामा शेट्टी की सम्पत्ति । प० : जयासिम्हा राव कावाल की सम्पत्ति

काभागं।

पी० रंगानाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख: 22 ग्रगस्त 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रामुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० सी०भ्रार० 62/23789/79-80/एक्यू०/बी:----बतः मुझे, पी० रंगानाथन,

धायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के धान्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० भे मिधिक है

भौर जिसकी सं ० 10 है तथा जो गुनडूपंत स्ट्रीट, बेंगलूर-2 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर बेंगलूर, (दस्तावेज सं ० 3858) में रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, तारीख 17-2-1979,

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं भीर मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से भिधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिब फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
 - (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बागत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे गचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
 - (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भाषीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधीत्:—

- श्री टी० मनंतारामा ग्रेष्टी, सुपुत्र स्व० धोनटी तिपय्या ग्रेष्टी भ्रमबीका हाल, टुमकूर। (अन्तरक)
- श्रीमती एल० ए० पुष्पामाला परनी भ्रनंतापदमा-नाभा सं० 100, वानी, विलास रोड़, बेंगलूर, (2) श्री जी० ए० रामालिंगथ्या सुपुत्र भ्रडापा मेट्टी सं० 194, 9वां कास, II ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर,

(3) श्री एस० एन० कृष्णामूर्ति सं 294, रामाआइंगार रोड, बी० वी० पूरम बेंगलूर, (4) श्रीमती बी० बी० जालाजाकक्षी सं० 35, एम० जी० रोड, होस्बर, (टी० एन०) ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री नोबिन्दाराज नायकर । (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रीधभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सठपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाणित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस सध्याय में विया गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 3858/78-79 ता० 17-2-79) षर सम्पत्ति सं० 10 तथा जो गुनडूपंत स्ट्रीट बेंगलूर में है।

चक्रबंदी :

उ• : गुनकुपंत स्ट्रीट द० : सेतू राव स्ट्रीट

पू०: हनुमन्तय्या की सम्पत्ति

प०: नारायनास्वामी कावाले की सम्पत्ति ।

पी० रंगानाथन, सक्षम मधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जग रेंज, बेंगलूर

विमांक: 22 मगस्त 1979

मोंहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जनरेज, बगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 श्रगस्त 1979

निदेश सं० सी श्रार-62/22979/79-80/एक्यू०/बी ---बतः, मुझे, वी० रंगानाथन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ब के भाषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भिष्ठ है

श्रीर जिसकी मं० 17→5-191 सर्वे सं० श्रार० एस० 3→5-ए 1 टी० एस० 729-ए 1 ए० है, तथा जो 17वां फलनीर वारड धप्पीनामुगार विलेज बेंगलूर-575002 में स्थित हैं (श्रीर इस से उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मेंगलूर दस्तावेज सं० 1005/ 78-79)में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 22-2-1979

को पूर्जीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रौर/वा
- (क) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः श्रव, उनत प्रधितियम, की धारा 269--ग के धमुसरण में, मैं, उनत प्रधितियम की धारा 269--घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :--- (1) रेन० फादर भ्रटोनी जान डी'सोजा, रेन० फादर डोमीनिक डेनिड, विनसंट डी'सोजा पिता का नाम संवसटीयन डी'सोजा, पता है नालेनसीया, मेंगलूर--- 575002.

(भन्तरक)

(2) श्री पी० झबबास सुपुत्र इवीनववा हाजी c/o मैसर्स पि० झबबास श्रौर कम्पनी बनदर, केंगलूर-575001. (श्रन्तरिती)

को बह्र सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जनत श्रीक्षितियम के श्रध्याय 20--क में परिभाषित हैं, कही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्वाव में दिवा गया है।

मनुसूची

(बस्ताकेज मं० 1005/78-79 सा० 22-2-79] बर सम्पत्ति सं० 17-5-191 सरवे सं० धार० एस० 3-5-ए 1 एटी० एस० सं० 729/1 ए 1, 17वां फलनीर बारङ धप्पीनाम् गारू विलेज, मेंगलूर-575002।

च कवंदी :

उ०: सरवेसं० 3-5-ए 1 एकी बचत जगह

द०: पब्लिक रोड

पू०: सर्वे सं०3⊶5 ए 1 एकी बचत जगह

भौर एस डी लाइन

प∙ः एस०डी०लाइन।

पी० रंगानाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 29 मगस्त 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 29 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० सी भ्रार 62/23203/79→80/एक्यू०/बी:—— यतः मुझे, पी० रंगानाथनः

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है', की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० 13 नथा श्रीर 11 पुराना है, तथा जो I मेन रोड़, जयामहरू एक्स्टेंशन बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रृनुची में श्रीरपूर्ण का से विशित्त है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षितारी के कार्यालय, गांधीतगर, वेंगलूर दस्तावेज सं ० : 3817/78-79 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ता ० 15 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रीमती सुमाति हसूभाय पाटेल म० 11/13, I मेन रोड, जयामहल एक्स्टेंशन, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. मिसेज फातिमा हालीम परनी श्री एस० ए० हालीम नं०, 2, हासपिटल रोड़, भटकल 2. मिसेज नसीमा कावूम परनी श्री एस० ए० कायूम संडलकड एस्टेट, मरकारा 3. मिसेज ग्रारीफा गवास परनी एस० रायासउद्दीन संडलकड एस्टेट मरकारा 4. मिसेज साफूरा परनी एस० ए० राषीद सं० 13/463, भटकल लेन नागसम ग्रमेसम ग्रीर देसम बड़ा बाजार कलीकट, केराला, 5 मिसेज बीबी ग्रमीना परनी के० नाजीर श्रहमद सं० 4, हासपेटल रोड़, ग्ररार भटकल 6 मिसेज श्रेबुनानसा सिद्दीका परनी एस० श्रब्दुल रेहमान नावायत कालूनी शमसुद्दीन रोड़ भकटल सब को रिप्रेसन्ट कर रहे हैं श्री एस० ऐ० कायूम संडलकड एस्टेट मरकारा।
- (3) 1. में प्रस् गनगावती शूगर लिमिटेड । (वह व्यक्ति, जिनके मधिभीग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्र**र्जन **के** लिए कार्यवाहियां श्रृष्ठ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ण्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पतों का, जो श्रायकर श्रिधितियम 1961(1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 3817/78-79, ता० 15-2-79) घर सम्मत्ति सं० 13 (नमा) और 11 पुराना तथा जो **I** मेन रोड़, जयामहल एकस्टेन्शन में है श्रीर चकवंदी यह है।

> उ० : I मेन रोड, जयामहल। द० : जगह सं० : 11/15 पू० : जगह सं० 12/3

प०: सं० 13 की बचत जगह।

पी० रंगाना**थन,** सक्षम प्राधिकारी, सहाय हु प्राथ हर प्रायुक्त ॄं(निरीक्षण), प्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 29 ग्रगस्त, 1979।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निवेश मं ० सी म्नार 62/22896/79-80/एक्यू (बी):---- यतः, मुझे, पी० रंगानाथन,

आय तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत नजन अधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

भीर जिसकी मं० 14, हाईस्ट्रीट, कुत टाउन है तथा जो, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इस में उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सं विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, णिवाजिनगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 13 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल भे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिष्क्ष का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का मन्तर सं कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में मुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ब) ऐनो किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत अब, उमत प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात ——

- (1) श्रीमती रोशन एन० पुंडोले पत्नी नोशिए एन. पुंडोले, नं० 20, नापीन सी० बंबई भीर rep. by her duty concitutes Power of Attorney Holder नैपलै डि० सिल्बा, No. 37, कब्बन रोड, बंगलूर। (श्रन्तरक)
- (2) Dr (Mrs.) एम० एम० मेमर्कनेस w/o ए० आर० एफ० येसर्कनेस, No.14, हाई स्ट्रीट, कुक टाऊन, बेंगलूर। (अन्तरिती)
- (3) बटाचार्या ।

(वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिमां गुरू करता है।

उक्त नः। (तं के ग्रर्जन के मन्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन की श्रविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध , जो भी श्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्जीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टी तरण --इनमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

[दस्तावेज नं० 3268/78-79 ता० 13/2/79] नं० 14 हाई स्ट्रीट, कुक टाऊन, बॅंगलूर। मकबंदी:

. उ०: नं० 4, मिलटन स्ट्रीट ।

.द० ः हाई स्ट्रीट ।

पू० : नं० 15, श्रौर हाई स्ट्रीट और

५० : न० 13 हाई स्ट्रीट।

पी० रंगानाथन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, बेंगलुर ।

तारीख: 6 सितम्बर 1979

प्ररूप माई० दी० एन० एस०--

भाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, क्षेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निदेश सं० सी म्रार 62/23155/79-80/एक्बू (की):— मत: मुझे, पी० रंगानाथन,

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 में मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में मिधिक ह

श्रीर जितकी मं० खालो जगह का नं० 24/1, II कात रोड, है तथा जो नया कलसी शलयम में स्थित है (श्रीर इस के उपाबद श्रापुत्रों तें श्रीर पूर्ग रूप सर्वींगत है), रोजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बयवनगुडि, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14 फरवरी,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे बह बिश्या करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रीक है और प्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य भे उचन श्रन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथिन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की नामत उक्त भ्रक्षि -नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (बा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों शर्कात् —

- सर्बंशी (1) सी० वेंकटस्वामि राजु सपुत लेट चिन्नया राजु (2) सी० वी० मुकुंद राजु सपुत्र सि० वकटासामि राजु (3) सी० वी० नटराजा सपुत्र सि वेंकटमामि राजु (Minor) Rep. by Natural Father and Guardian श्री सी० वेंकटसामि राजू सब का निवास स्थान: पुराना नं० 13 श्रीर नया नं० 86, रत्नविलास रोड, बसवनगुडि, बेंगलूर-4 । (श्रन्तरक)
- 2. सर्बंश्री (1) बलदेव किशनदास, (2) विष्णु किशनदास सपुत श्री किशनदास नाराचंद। नं० 161/162 कब्बनपेट मेन रोड, बेंगलूर-2।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई अक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी क ते 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी के पास शिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्मध्योकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

[दस्तावेज सं० 3727/78-79 ता० 14/2/79] खाली जगह का नं० 24/1, II कास रोड, नया कलासी पालयम ले औट, बेंगलुर ।

चक्बंदी:

पू०: खाली जगह का पुराना नं० 40,

प**ः 45'रोड**,

उ०: घर का नं० 24 (नया) ग्रलाटेक टुदि शेयर ऑफ एन० सि० सुब्बाराज् श्रीर

द०: सिद्धलिंगपा का गोडाउन।

पी० रंगानाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

ता**रीख**ः 6 सितम्बर 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

म्रायहर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर्] 1979

निर्देश सं० सी घार 62/23351/79-80/एक्यू (बी):--यतः मुझे,पी० रंगानाथन,

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० सौप ईस्टर्न पोर्शन श्राफ दिखाली जगह का नं० 277/27, प्रेजेंट नं० 277/27-0, (100 फीट रोड़) है तथा जो आशोका पिल्लर रोड, II ब्लाक,

जयनगर, बेंगलूर-II में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ता॰ 14-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत्:--6—326GI/79 (1) श्री एच० ग्रार० गुटुवा रेड्डी, S/O स्व० रामा रेड्डी, हुडी, गांव, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० एन० पार्थसारिय सपुत्र श्रीरामा नरसप्पा सेट्टी, नं० 174, भार० बी० रोड, वि० वि० पुरम, बेंगलूर-4।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

धनुसूची

(दस्तावेज सं० 3410/78-79 ता० 14/2/79) सौथ ईस्टर्न पोर्शन घाफ दि खालि जगह का नं० 277/27, प्रेजेंट नं० 277/27-0, प्रशोका पिल्लर रोड़, (100 फीट रोड) II ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर-II

चकवंदी:

पू०: ग्रशोका पिल्लर रोड,

प॰: खालि जगह का नं॰ 277/27/03, उ॰: खालि जगह का नं॰ 277/27/1 मीर

द०: खाली जगह का नं० 278।

पी० रंगानाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख । 6 सितम्बर, 1979 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1979

निर्देश सं ० सी ० मार ० 62/23262/79-80/एक्य्/डी---यतः मुझे पी० रंगानाथन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पप्रचात् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

धौर जिसकी सं नया 54 है, तथा जो इंडस्ट्रियल नारथ सुबरब, यसवन्तपुर बेंगलूर-560022 में स्थित है (भीर इससे उपाबब म्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय राजाजी नगर बेंगलूर-560022 दस्तावेज सं० 4912/78-79 में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन तारीख 17-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यम। न प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच एसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के मधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों मर्थात् :---

- 1. डाक्टर एस० बालासुबरामनयम पुत्र लेट एस० सरीनवासा श्रय्यर सं० 108ए, राजामहल एक्सटेंशन बेंगलूर-6। (भ्रन्सरक)
- 2. मैसर्स महेश धरेड कम्पनी "म्रशीशावंग" सं० 72, पोकानवाला रोड वरली, बाम्बे-400018 िरोजेन्ट कर रहे हैं पारटनर नारेश एन० माधवानी पार्टनर्स :-- (1) श्री नारेश एन० माधवानी
- (2) मिसेन रावितरी एन० माधवानी पता .- - सं० 27/54 इंडस्ट्रीयल नारथ सुबरब यसवन्तपुर बेंगलूर-22 (भ्रन्तरिती)
 - (3) (1) दरशन पलास्टिक और इंडस्ट्रीज
 - (2) प्रादीप टूल्स और इंडस्ट्रीज (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में

सम्पत्ति है)।

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्चन के लिए कार्यवाहियां भुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में रो किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में केति बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी ह पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राध्टी हरण :- - इतमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर म्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही म्रर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 4912/78-79 ता० 17-2-79) घर सम्पत्ति सं० 54 भ्रार साइट सं० 27 तथा जो नारथ इंडस्ट्रीयल सुबरब यसवंतापुर बेंगलूर।

चकबंदी:---

पू० : रोड़

प०: साइट सं० 27 का भाग

उ० : साइट सं० 27 ए०,

द० : परीइवेट रोड़ ।

पी० रंगानाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 3 सितम्बर, 1979।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> ग्रजंन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० सी मार 62/23235/79-80/एक्यू०/बी:— यतः मुझे, पी० रंगानाथन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 180 ग्रीर 181 है तथा जो श्रीनिवासामंदीरम रोड़, बलेपेट, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बेंगलूर में दस्तावेज सं० 3958/78-79 में रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त मपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रयीत्ः—

(1) श्री (1) ये० जनारधन्ना कारूत, (2) ए० कृष्णमूर्ति कारूत, (3) ये० गणपय्या कारूत, लेट ऐ० सदाशीवा कारूत के बच्चे (I पारटी)।, (4) श्रीमती पारवत्तम्मा पत्नी स्त्र० ऐ० सुत्रराया कारूत, (5) ऐ० नारासिम्हा कारूत, (6) श्रीमती ऐ० गिरीजा कारूत, (7) ऐ० कलयाना कारूत, (8) ऐ० वासुदेवा कारूत स्व० श्री ऐ० सुबराया कारूत के बच्चे (II पार्टी) माइनरस उनकी मां गारिडियन हैं श्रीमती वारवत्तम्मा ग्रौर उनके जी० पी० होलंडर है श्री ए नरिसम्हा कारूत पताः नं० 91, ग्रार्थों ब्लाक, राजाजीनगर बेंगलूर -10।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री (1) वी० नागाराज सपुत्र वी० ए० वेंकटाचलपती सेट्टी, वी० के० चूडानाता शेट्टी सपुत्र स्व० धी० कृष्णय्या सेट्टी, पता सं० 177, श्रीनिवासमंदीरम रोड़, बेलपेट, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) (1) श्री डी॰ के॰ पुत्दूराव, (2) श्री डी॰ के॰ रामाचंद्रा राव, (3) मैं॰ होटेल इंडस्ट्रीयलिस्ट को॰ ग्राप॰ बैंक।

> (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पक्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सेकिसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो झायकर श्रीधनियम 1961 (1961 का 43) के झध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 3958/78~79, ता० 23-2-79)। घर सम्पत्ति सं० 180 और 181, श्रीनिवासामंबीरम रोड़, बलेपेट, बेंगलूर-53।

> पी० रंगानाथन, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

सारीख: 7 सितम्बर, 1979]।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश सं०: सी०पी० 62/23348/79-80/एक्यू (बी):---यत: मुझे, पी० रंगानाथन्,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रिधिक है

धौर जिसकी सं० 30/1, है तथा जो तंजन्या रोड़, (बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 17 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-च के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :— (1) श्री नंदलाल निचानि, सपुत्र स्वर्गीय नारायन सिंह, निचानि, नं० 30/6, तंजप्पा रोड़, बेंगल्र ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० इंदिरा गोपालकृष्णन् पत्नी मि० के० गोपाल-कृष्णन् Vef. by her duly Constituted attorney Mr J. लुसी जाकोम, नं० 13, कारमबेल, रोड़, बेंगलूर। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के भर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्ताबेज सं ा. 3476/78-79 ता ा 17-2-79) रेसिडंनिसयल बिल्डिंग बेरिंग नं 30/1, तंजप्या रोड़, बेंगसूर (Document No 62)। चकवंदी:

उ०: कुष्णप्पाले- धौर

द०: नं० 30/1-बी०, नंजप्या रोङ्

पू०: प्राइवेट प्रापर्टी ग्रौर

प०: प्रापर्टी भ्राफ डा० हरी राख।

पी० रंगनाथन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 13-9-1979।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंब्रलूर, विनांक 14 सितम्बर 1979

निषेश सं० सी० ग्रार० 62/23179/79-80/एक्यू/बी:---बतः मुझे, पी० रंगनाथन्,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुएए से श्रिधिक है

घोर जिसकी सं० 3, बि० पि० वाडिया रोड है तथा जो बसवनगुडि, बेंगलूर 4 में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध प्रमुख्नी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण, ग्रीधनियम 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारीख 1-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय और प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पाया गया वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रान्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ना के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रामीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रामीत :--- (1) श्री सि० एम० रामकुमार, सपुत्र स्वर्गीय सि० एम० गरुडाचार नं० 3 वि० पि० वाडिया रोड, बसवनगुडि, बेंगलूर-4।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम॰ आर॰ संकर राव (2) एम॰ आर॰ गंगाधर, (3) एम॰ धार॰ मल्लिकार्जुन, (4) एम॰ धार॰ खंडणा (Hinor) सब के रहने का by father gaurdian mathrubai Rama Rao स्थान : नं॰ 5, बोगंमुद्रे—लेन, मल्लिकार्जुन टेंपल, स्ट्रीट, बि॰ पि॰ कं॰ धायंगार रोड-कास, बेंगलूर-53। (ग्रन्तरिती)

(3) (1) श्री के० रामिलगम, पार्टनर मैसर्स रेखा टैकस्टा-मिल्स नं० 3, बी पी० वाडिया रोड, वसवनगुडि, बेंगलूर-4। (2) गोपालकृष्णपा, नं० 3, बि० पि० वाडिया रोड, वसवनगुडि, बेंगलूर-4।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनु सूची

(दस्तावेज सं० 3534/78-79 ता० 1-2-79) । नं० 3, बि० पि० वाडिया रोड, बसवनगुडि, बेंगलूर-4 । चकर्बवी :

जैसा दस्तावेज में लिखा गया है वैसा।

पी० रंगनाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 14 सितम्बर, 1979।

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूजना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 14 सितम्बर 1979

निदेश सं० सी० धार० 62/23260/79-80/एक्यू०/बी०-यतः मुझे, पी० रंगानाथन,

बत. नुम, नार रनासायन, आयकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० 913/15, है तथा जो II स्टेज "डी" ब्लाक, III मेन, राजाजीनगर बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर में (वस्ताजि सं० 5021/78-79) रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 9-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुंई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्ह भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीत:---

- 1. (1) श्रीमती लकशम्मा पत्नी आर० सिद्दाराम्या
 - (2) ग्रार० सिद्दारामय्या सुपुत्र रामय्या, (3)
 - एन० नेन्गोगल मपुत्र श्रार० मिहारामय्या, (4)
 - एस० भीवोत्रसाद सपुत्र भार० सिद्दारामय्या, (5) एस० पुष्पालाता, माइनर, गारडियन हैं पता:— 913/15, 3रड मेन, रोड़, "डी" ब्लाक, राजाजीनगर, खेंगलूर।

(प्रतरक)

- 2. (1) श्रीमती एम० एम० निसार श्रहमध, (2) सरदार पता मं० 21, II मेन राजाजीनगर, बेंगलूर। (श्रन्तरिती)
- 3. (1) एम० जे० शामील बाशा (2) वी० एन०कामत (वह व्यक्ति, जियके अधिभोग में सम्मित्त हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति बारा श्रशीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 5021/78-79 ता० 9-2-79) घर सम्यत्ति सं० 913/15, तथा जो II स्टेज III मेन, ''डी'' बलाक राजाजीनगर, बॅंगलूर-10 स्थित हैं।

> पी० रंगानाथन, मक्षम ग्रामिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रातन रेंज, बेंगलूर ।

तारीखः: 14 सितम्बर, 1979।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 सितम्बर, 1979

निदेण सं० : सी भ्रार 62/23343/79-80/ए०सी० क्यू० (बी):—यतः मुझे, पी० रंगानाथन,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस परचात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है')की धारा 269—ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु० से भ्रधिक है

स्रौर जिसकी संज्ञाली जगह का नंज्रहै तथा जो 9/2 (पुराना नंज् 9), लुइस रोड़, कुक-दैन, बेंगलूर (Dri No 49) में स्थित हैं (ग्रौर इस से उपावद्ध प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, णिवाजी नगर, बेंगनूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन ताल 16/2/1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है थ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है थ्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भ्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उक्त श्रिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त श्रधिनियमः, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीतः :--- (1) श्रीमती लीना इलिस जॉन, सपुत्री डा० कि० टि० जॉन नं० 8, डिसौजा रोड, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स तंगा पोलटरिज, ए० पार्टनर शिप फर्म कंप्राइजिंग दि फालौइंग पार्टनर्स : (1) मि० एम० जे० थामस, (2) श्रीमती इलिजबैंथ थामस (3) मि० जॉन थामस (4) मि० एम० जे० कोशि (5) श्रीगति मेरी कोशि (6) मि० जॉन कोशि श्रौर (7) मि० मैथ्यू कोणि, श्रौर rep. by their Managing Partner श्री एम० जे० कोशि, नं० 81, डाकोस्टा स्केवयर, सेंट थामस टौन, बेंग तूर।

(प्रवितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधी हस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्धाय 20-क में परिमापित है, वही श्रर्थ होगा जो उन सद्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज मं० 3336/78-79 ता० 16-2-79) खाली जगह का नं० 9/2 (पुराना नं० 9), लुइम पोड़, कुक टौन, बेंगलूर (Division No. 49)

चकवंदी:

- उ० कंटिन्यूएशन ग्राफ लुइम रोड़,
- द० थामसन्स प्रापर्टी,
- पू० नाइडुज प्रापर्टी बरिंग नं० 17, लुइस रोड, श्रौर
- प॰ प्रापर्टी बिल्डिंग दु मैथ्यूज, बेरिंग फार्मर नं॰ 17, लुइस रीड़।

धी० रंगान।थन, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 15 मितम्बर, 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कर्यालय, सहायक थ्रायकर थ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्यिन-16

कोण्चिन-16, दिनांक 23 जून, 1979

निदेश सं० एल० सी० 304/79—यतः मुझे, के० नारायणा मेनोन,

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रमुसूची के श्रमुसार है, जो कालिकड़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कालिकड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तकों) और यह कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित रूप में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रर्थात्:— (1) श्रीसी० वी० कुन्जुभरक्कार

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती सफीया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो
 भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

1/5th right over the property as per schedule attached to doc. No. 116/79 dated 9-2-1979.

के० नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

तारीख: 236-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज, एरणाकुलम कोच्चन-16
कोच्चन-16, दिमांक 7 भ्रगस्त, 1979

निदेश सं० एल० सी० 317/79-80---यतः मुझे के० नारायण मेनोन

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से म्रधिक है।

घोर जिसकी सं । धनुसूची के प्रनुसार है, जो मनवलडोरी में स्थित है (घोर इससे उपावक धनुसूची में घोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इरिन्जालकुड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 20-2-1979

को पूबेक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के वुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूबेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे डृश्यमान प्रतिफल के बजह प्रतिशत अधिक है घीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ए से प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बवने में मुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने स्विधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, ज्क्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:——
7—326GI/79

(1) श्रीमशी लिल्ली

(मन्तरक)

(2) श्री के० के० राघवागेनोन (ऐ० मी० मेनोन केलिए)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

त्रमुस्ची

2.64 acres of land in Manavalassery village as per schedule attached to doc. No. 324/79 of SRO, Irrinjalakuda.

के० नारायण मेनोन, सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक श्रीयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 7-8-1979

मोहर:

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम्

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायक ग्रधिगियम, 1961 (1061 का 43) की धारा 269 (1) के भ्रधीग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 7 अगस्त 1979

निदेश सं० एल० सी० 318/79-80---यतः मुझे के० नारायण मेनोन

म्नायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त स्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से स्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो मनवलशेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय इरिन्जालकुड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मारीख 17-4-1979

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह कि अन्तरिःती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित गहीं किया गया है:——

(क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त

ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिगियम, 1922 (1922) का 11) या जकत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः भ्रम, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन-निम्गलिखित व्यक्तियों, भ्रथीःत्:— (1) (1) श्रीमती लिली (2) जोजो (3) तन्कंम्मा
 (4) रेस्सी (5) मात्यू (6) जूनो (7) टामियन (8)
 मटोन्ना (लिली के द्वारा)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० के० राधवामेनीन (ऐ० से०) मेनीन के द्वारा) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचगा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाज की तारीख से
 45 दिड ेकी ग्रविध या ृतित्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिग की ग्रविध, जो
 भी ग्रविध बाद में समाप्त हो ी हो, भीरत पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशग की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पति में
 हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोह्स्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

3 acres of land with buildings in Manavalassery village as per schedule attached to the doc. No. 647/79 of SRO, Irrinialakuda.

कैं० नारायण मेनोन सक्षम श्रधिकारी सहामक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 7-8-1979

9091

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16
कोच्चिन-16, विनांक 7 नवस्वर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 323/79-80--- यतः मुझे के० नारायण मेनोन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम, जहा गया है), की धारा 269ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रिधिक है।

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो ट्रिच्चूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ट्रिच्चूर में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 17-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित वाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह है कि अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्स ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथितु:—

(1) श्रीमती डेयूसी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामाचन्द्रम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसूची

दो सेक्टर भूमि संलग्न अनुसूची के डाक्सेन्ट सं ० 962/79 के अनुसार

> (कें० नारायण मेनोन) सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ॄं श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 7-9-1979

प्ररूप भाई टी एमं० एस०-----

म्राथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निवेश सं० एला० सी० \324/79-80-यतः मुझे के० नारायण मेनोन मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये ₹ ग्रधिक और जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, जो ट्रिय्यूर में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय द्रिय्यूर में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 17-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितफल, निम्नलिखित उद्देश्य न उका अन्तरण (लेखिन में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-गरण में, से, उक्त श्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातृ:—— (1) श्रीकुचिला

(अन्तरक)

(2) श्री रामाचन्द्रन

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संधी व्यक्तियों पर सूचना की तार्म ल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भ तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्क किसी प्रत्य व्यक्ति बारा, प्रधोहस्ताक्षर के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी हरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्राध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

भनुसूची

2 Cents of land as per schedule attached to doc. No. 956/79.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

नारीख: 7-9-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस2----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, एरणाकुलम ओच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

नारायण मेनोन म्रायरुर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269बंघ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से ऋधिक है बाजार मृल्य श्रीर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, जो द्रिच्यूर में स्थित है (भीर इससे उपाधक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ट्रिय्यूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 17-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ये, ऐसे इयबनान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधिब नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती मरियम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामाचन्द्रन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के फ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख में 45 हिन की श्रवधिया तत्सधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ िसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण: → -इपमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

2 Cents of land as per schedule attached to doc No. 961/79.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

नारीख: 10-9-79

यर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 326/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

न्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए में प्रधिक है मल्य भ्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो ट्रिचूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ट्रिचूर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 17-2-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य मे कम के दम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि प्रस्तरह (श्रन्तरहों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तेम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-मरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--- (1) श्रीमती एलीसा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामाचन्द्रन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

2 Cents of land as per schedule attached to doc. No. $960/79. \ \,$

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन---16

तारीखा: 10-9-79

नहीं किया गया है:---

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा ग 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निदेश मं० एल० सी० 327/79-80-पतः मुझे के० नारायण मेनोन म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-क्पय क्ष श्राधिक **और** जनकी सं० **ग्रनुसू**ची के **ग्र**नुसार है, जो त्निच्चूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचे। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय विच्चूर में भारतीय रजिस्द्रीन करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान 17-2-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल क्षे, ऐस दुरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण निश्चिन में वास्तविक रूप से कथित

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री भानुवल

(अन्तरक)

(2) श्री रामाचन्द्रन

(म्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्थब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रक्षि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

6 Cents of land per scheduled attached to doc. No. 959/79.

के० नारायण मेनोन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रारकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ता**रीख** : 10-9-79

मर्जन रेंज, एरणाकु*लम*

पहल प्राई॰ डी॰ एन॰ एस०-----

आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायुक्त (मिरीकण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

निवेश सं० एल० सी० 328/79-80-(यतः मुझे के० नारायण मेनोन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख

के अधीन सज़म पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर पर्शात, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-चप्ए से श्रीक है

श्रीर जिसकी सं श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो द्रिच्चूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय द्रिच्चूर सें रिजस्ट्रीकरण अधिनाम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित को गई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिशत से श्रीकर है भीर धन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया यिकर निम्नितियांत उद्देश्य से उक्त धन्तरण विश्वास तय पाया गया योकर निम्नितियांत उद्देश्य से उक्त धन्तरण विश्वास तय पाया गया योकर निम्नितियांत उद्देश्य से उक्त धन्तरण विश्वासत में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रिकियम के भ्रिमीन कर देने के भ्रम्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्। भौर/या
- (ख) ऐसी किसो पाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

चतः मन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुपरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निकासिक व्यक्तियों, प्रचीत्ः— (1) श्री पैलोत एफ० सी०

(अन्तरक)

(2) 1. पी० एन० शंकरानारायणन् 2. रामाचन्द्रन्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की धवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, थो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्थ स्थित द्वारा, ग्रिशोइस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो जनत अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची

6 Cents of land as per scheduled attached to doc. No 958/79.

के० नारायण मेनोम सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकूलम

विनोक: 7 सितम्बर 1979

प्रकृप भाई• टी• एन• एस•---

आयकर अखिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (।) क राधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 329/79-80: यत: मुझे के० नारायण मेनोन

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो द्रिच्चूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय द्रिच्चूर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रक्तरकों) घीन अन्तरिती (प्रक्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त घन्तरण निखित में बाक्तविक का से कवित नहीं किया गया है ।——

- (कः) अश्वरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त पश्चित्तियम के भ्रधीन कर देने के अम्परक के दायिल्य में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के निए; भीराधाः
- (मा) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घम्य घास्तियों की जिन्हें भाय-कर घिष्टिनयम, 1922 (1922 को 11) या उनत घिष्टिनयम, या धन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श धन्तरितो द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया बाना थादिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

जतः घण, उक्त घर्षिनियम की झारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त धर्षिनियम की झारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 8—326GI/79 (1) श्री एफ०सी० ग्रौसेफ

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पो० एन० शंकरानारायणन्

(अन्तरिती)

को यह भूवना जारों करके पूर्वोक्त सम्पति के सर्जन के निए कार्यवाहिया करता है।

उन्त मन्पत्ति के प्रजैन के मन्यन्थ में कोई भो **प्राक्षेप** :---

- (क) इन सूचता के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच से 45 दित की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजेपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी घरेग व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्वध्वीकरणः ---इसमें अपृक्त जक्षों और पदों हा, जो उक्त अधि-तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया हैं।

७नुस्षी

6 Conts of land as per schedule attached to doc No. 957/79.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीच : 10-9-1979

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की घारा

269 व (I) के प्रधीन सूचना

कायालिय , सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोण्चिन-16

कोज्यिन-16, दिनांक 10 सितम्बर 1979 निदेश सं० एख० सी० 330/79-80---यतः मुझे, के० नारामणा मेनोन

स्नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम', कहा गया है। की धारा 269ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25000/- २० से सिधक है सीर जिसकी सं०

धनुसूचों के धनुसार है, जो द्रिष्क्र में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूचों में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिंधनारी कार्यालय द्रिष्क्र में रिजस्ट्री-करण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धांधीन, 17-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, भायकर भिक्षि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रवीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269म के श्रनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीब :---

(1) श्रं एफ० सं:० जोर्ज

(अन्तरक)

(2) श्रा पाँ० एत० शंकरानारायणन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीर से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4! दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसं श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित वं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ हो। जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रवृूची

6 Cents of land as per schedule attached to doc. No. 955/79,

कें नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोण्डिम-16

तारीख: 10-9-1979

प्राह्मप अ.ई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

कोचिचन-16, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी॰ 334/79-80-यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में राजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 9-2-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः भन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भन्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयति:— (1) भी नारायणन कुटिंट मेनोन

(भ्रग्तरक)

(2) भी पी० सी० मात्यु

(घग्तरिती)

ं को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिह कार्य वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिव-नियम, के भ्रश्याय 20क में परिमाणित हैं, बही भ्रय होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

6.1 Cents of land as per schedule attached to doc No. 484/79.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीच: 10-9-79

प्रसप भाई० टी० एन० एस०--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्छिन-16 कोच्चिन-16, दिनांक 19 सितम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 338/79-80----यतः मुझे के० नारायण मेनोन,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुप्प से श्रधिक है

भीर जिसकी सं० धनुसूची के धनुमार है, जो ट्रिच्चूर में स्थित है (धौर इससे उपावद धनुसुची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ट्रिच्चूर में भारतीय रजिस्ट्री,-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-2-1979 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसे किसी माय या किसी धन या मन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के ब्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथति:— (1) श्री सी० एस० मेनोन

(भ्रन्तरक)

(2) 1. टो॰ भानुमति श्रम्मा, 2. कमलाउण्णि 3. रमादेवी 4. श्रीकुमारा मेनोन 5. बालकृष्णन 6. रवीन्द्रन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथे होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

½ right over land and building as per schedule attached to doc. No. 1080.

कें० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

तारीज़ :19-9-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०--

भ्रायकर भ्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 19 सितम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 339/79-80--- यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रनुसूची के अनुसार है, जो ट्रिच्चूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिच्चूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-2-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है श्रीर अन्तर्क (प्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात् :--- (1) श्रीमती श्रमीला मेनोन

(ग्रन्तरक)

(2) 1. टी॰ भानुमित ग्रम्मा 2. कमला उण्णि 3. रमा देवी 4. श्रीकुमार मेनोन 5. बालकृष्णन 6. रवीन्द्रन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्बोक्त सम्पत्ति के ऋर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रश्न शिका द्वारा प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण VI:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ख्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

½ right over land and building as per schedule attached to doc. No. 1984.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

तारीखः: 19-9-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 19 सितम्बर 1979

निदेण सं० एल० सी० 340/79-80--पतः मुझे के० नारायणा मेनीन,

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० अनुसुकी के भनुसार है, जो विजयपुरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय कोट्टयम (ग्रिडिशपाल) रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत ऐसे, से दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि पन्द्रह फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरत से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या धन-कर ग्रीधनियम, या धन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भ्रम, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--

- (1) 1. अलन्सन्दर सेजासिटन 2. अय्याममा सेवास्टिन । (अन्तरक)
- (2) श्रो चेरियान पी॰ बरूगीस ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्ति पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 acre 95 cents of land with buildings as per schedule attached to doc. No. 628/79.

के० नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 19-9-79

प्रक्प भाई० टी॰ एन० एस॰---

धायकर घांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के घांत्रील मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाक्लम

एरणाकुलम, दिनांक 19 ग्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० एल० सी०/342/79-80—यतः मुझे, के० नारायणा मेनोन,

धायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनयम' कहा गया है),की घरा 269-ख के छबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो तिरुवनतपुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, श्रधिकारी के कार्यालय, चालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बिशत बाजार मूहम से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से प्रक्षिक है और धन्तरक (धन्तरकों) घोर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निजिति उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रशिनियम के अधीन कर देने के अध्वरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के किए; और/या
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या श्रम्य भास्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त भिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तिरती हारा भक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः सब, तक्त अधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपसारा (1) के अधीन, निम्निवित व्यक्तियों, धर्मात्:— 1. विजया नंषियार

(भ्रन्तरक)

2. (1) जोर्ज (2) आनि जोर्ज

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी कर ह पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्मति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त भिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

10 Cants of land with building as per schedule attached to doc. No. 435/79.

के० नारायण मेनोन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ्रणाकुलम

तारीख: 19-10-1979

प्रकृप भाई • टी • एत • एस •---

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के बिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोष्टिन कोष्टिन-16, दिनांक 21सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 343/79-80—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन

भावकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-७० में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है, जो परुंबायूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय परुंबायूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 28-2-79 को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्छ प्रतिशत से पश्चिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिता (भन्तरितायों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्राल, निम्नलिखित छहेग्य से उन्त मन्तरण लिखित में बास्यिक रूप से कवित महीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त क्रिक्कि (नयम के प्रधीन कर देने के यन्तरक के दायिस्व में क्रमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भागतीय पायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, डिपाने में मुविश्वा के लिए;

श्राः प्रवं, उत्ततं ग्रधिनियमं की धारा 269ना के बन्-सरण में में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269ना की उपशारा (1) के अधीन निक्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीतः (1) श्रीमती साराम्मा

(अन्तरक)

(2) श्री सेपमत्ताय

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबिक्ष, जो भी शबिक्ष बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इत सूचना के राजपत में श्रकाणन की तारी अ से 45 विन के भीतर उम्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, सन्नीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

न्यक्टीकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष क्षोपा को कस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

15 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 947/79

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीच : 21-9-79

मोहरः

प्रकप भाई । टी । एतं । एस ---

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म(1) के घंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्क)

श्रर्जनरेज, एरणाकुलम कोच्चिन

कोच्चिन-16, दिनांक 21 सिम्बर, 1979

निवेश सं० एल० सी० 344/79-80---यतः मुझे, के० नारायणा मेनोन

पायकर धिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- क्पेंगे से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो परूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नोर्त परूर में रिजस्ट्रीकर्रा श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 15-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्य से कम के बृष्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विष्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत से अधिक है भौर यह कि भग्तरक (भग्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के किए तम पना पना प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ भग्तरण लिखिन में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कि बाबत जक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अयोजनार्य अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग ने अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ नो उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यन्तियों अर्थात :-- (1) श्री के ० पी० वरीद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मरियाम्मा जोण

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उस्त सम्मत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप---

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में दितक किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वाधीकर्रेचः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्वो का, जो जनस अधिनियम के घंग्याय 20-क में पंरिमाणित हैं वही धर्य होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

18 Cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 628/79

कि० नारायणा मेनोन [सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रजन रेंज, एरणाक्रलम

सीरीक : 21-9-1979

प्रकर प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर प्रधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2694(1) के प्रधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यांश्वय, सद्दायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन कोच्चिन-16,दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 345/79-80—-यतः मुझे, के० भारायणा मेनोन

बायकर बर्जिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा थया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्थानर मस्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- के से अधिक है

भीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो परूर में स्थित है (भीर इससे उपायक अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नीतं परूर में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नीतं परूर में रिजस्ट्रीकरण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1979 को पूर्वोक्त नम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्मिका उचित बाजार मूल्य असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल सा पण्डा प्रतिकत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्य पाया बया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए क्य पाया बया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए क्य पाया बया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए क्य पाया बया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए क्य पाया बया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए क्य पाया बया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए क्य पाया बया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए क्या प्रसार से वस्त स्था से स्था स्था से स्था से स्था से स्था से स्था से स्था से स्था स्था से से स्था से से स्था स्था से स्था स्था से स्था से स्था स्था स्था से स्था स्था से स्था स्था स्था से स्था स्था स्था स्था से स्था स्था स्था से स्था स्था से स्था स्था स्था स्था से स्था स्था स्था स्था स्था स्था से स्था स्था से स्था स्था स्था से स्था स्था स्था स्था स्था स्था से स्था स्था से स्था स्था से स्था स्था स्था

- (क) अन्तरण से हुई किती बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के ब्रधीन कर देने के ब्रन्तरफ के दायित्व में कमी करने या **उससे बचने में सुविधा** के लिए, खीए/या
- (ख) ऐसी किसी आज या किसी अन वा मन्य खास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर घिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिवित्यम, वा धन-कर घिवित्यम, वा धन-कर घिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना चाहिए वा, जिपाने में सुविधा के लिए।

बता धव, उनत विविधितम की बारा 26 कन के बनुवरण में, में, उनत विविधितमम की वारा 26 9-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) श्री के व्यीव वरीद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ई०एम० जोण

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारीब से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सच्चेंगे।

स्वव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शढ़ों और पर्वो का, को उक्त बाधिनियम के भक्ष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता को उस भक्ष्याय में दिना गना है।

अनुसूची

14 Cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 629/79.

के० नारायण भेनोन सक्तम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 21-9-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक म्रारकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 29 सितम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 320/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', गृहा गया है), की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है।

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो विश्वर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विश्वर में रिजस्ट्रीकरण श्रिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए श्रन्तरिंत की गई हैं श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक ह श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त घितियम के धिधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ो में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के मधीन निम्निखित व्यक्तियों, भर्यातु:—

- (1) श्री पीट्टर सपुत्र घौसप्प एषुवन्तीनकल त्रिच्र (धन्तरक)
- (2) श्री पाल सपुत्र भानट्टाणे काट्टूर (अन्तरिती)
- (3) मैसर्स वेलमेर भेरम किवक्केकोट्टा, तिजूर-5 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकान की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10 (Ten) Cents of land and 4 share in building bearing Door No. VIII-150 of Trichur Municipality, in S. No. 7442 of Trichur Village as per Schedule attached to Doc. No. 1137/1/79

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, एरणाकुलम ।

सारीख: 29-9-79

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन 16

कोच्चिन-16, विनांक 29 सितम्बर, 1979

निवेश सं० एल० सी० 321/79-80---यतः मुझे के० नारायण मेनोन,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से म्रधिक हैं।

ग्नीर जिसकी सं श्रमुम् की के भ्रमुसार है, जो व्रिच्चूर में स्थित है (ग्नीर इससे उपावज श्रमुम् में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय व्रिच्चूर में भारतीय रिजस्ट्रीक्करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाका चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रधियिम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रथीत्:— (1) श्रीमतीशोसी सपुदी श्रोसेप्प, श्रष्ट्यापिका, मणविव्रिनकल विच्चूर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मेस समुद्र ग्रानंहणी ग्रलाप्पाट्ट पलिविनकल, काटूर

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स पलमेर भटट किषहट, त्रिचूर-5

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिक्यिम', के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

10 (Ten) Cents of land and 4 share in buildings' bearing Door No. VIII-150 of Trichur Municipality, in S. No. 7442 of Trichur Village as per Schedule attached to Doc. No. 1138/1/79.

के० नारायण मेनोन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 29-9-79

प्रक्ष भाई • टी • एन • एत •----

आयच्चर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 296-थ (1) के प्रधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 29 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 322/79-80—यतः मुझे, के० नारायणन मेनोन

आयक्द प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (क्सि इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है, जो लायनकारा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रील्लूकारा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूश्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह्व प्रतिकत से प्रविक है भीर प्रम्तरक (प्रम्तरकों) और प्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरक के लिए त्य पाया व्या प्रतिकल; निश्निलिखत उद्देश्य से उच्त प्रस्तरक विकित में वास्तिक कप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत 'उक्त प्रधितियम' के प्रधीन कर देने के अन्धरक के दायित्व में कमी करने या उसके वचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी बन या धन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए वा, छिपाने में प्रविद्या के बिए।

बक: धव, इक्त प्रक्रितियम की बारा 269-व के बबुद्धरच में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व ची उप-धारा (1) के प्रधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, वर्षात् :---- (1) श्री कल्लेब कृष्णन एषुत्तररण बेल्लानिककश विल्लेन मन्नती, तिष्र्र

(श्रन्तरक)

(2) मुसलियाम वीतिल श्रब्दुलरहमान सपुत्र कुनहाहमु हाजि, नाहिक तिचूर, श्रीर श्रन्थ

(भन्तरिती)

को यह सुक्ता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धनिध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्वीहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्तरधीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस घम्याम में दिया गया है।

यपुष्यो

3 (Three) Acres of land in S. No. 67 of Vellanikkara Village as per Schedule attached to Doc. No. 1155/79.

के० नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, एरणाकुलम

तारीज : 29-9-1979

प्रकृष ग्राई॰ टी॰ एत॰ एत॰-----ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 29 नवम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 323/79-80—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन,

भायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अभीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बत्ति, जियका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-बपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो वेल्लानिकश में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रील्लूकारा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 22-3-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिषक्त के लिए धन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रक्षिक है घोर यन्तरक (अन्तरकों) घोर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिषक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से दूई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रक्रितियम के प्रधीन कर देने के श्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाब था किसी छन या प्रत्य प्रास्तिकों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त ग्रीप्रिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षीत् :--- (1) कलाडा कृष्णकुट्टे एषुथाश वेलानिकारा विलेज मसुति विचूर।

(भ्रन्तरक)

(2) मुसलिम वीटिल श्रबदुलरहमान सपुत्र कुन्हा-हामू, नाहका त्रिचूर व ग्रन्थ

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की घरिष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घरिष्ठ, जो भी घरिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितकड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्राब्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिवियम के ग्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही भर्य होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

3 (Three) acres 11½ cents of land in S. No. 67, 68 and 127 of Vellani Kara Village as per Schedule attached to Doc. No. 1344/79.

के० नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

तारीख: 29-9-1979

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

आयक्तर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1979

निदेश सं० एल० सी० 348/79-80---यतः मझे, नारायणा मेनोन, मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पइचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सख्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- द० से घछिक है ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, जो एरणाकूलम में है (ग्रीर इससे उपाबद्ध**ंशनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित** है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 1.6) के ग्रधीन 18-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृज्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्प्रह प्रतिकात से अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों)भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के भीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रान्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:---

- (भ) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धर्षि-नियम के धधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए। खौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुनिधा के सिए;

कता सन्। उक्त प्रधिनियम की वारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री टी० एन० स्वामिनाथन ग्रीर ग्रन्य

(भन्तरक)

(2) श्री एम० पी० जेकब ग्रीर ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप.:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किभी भ्रम्य व्यक्ति बारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 Cents of land with Buildings as per Schedule to document No. 579/79 dated 18-2-1979 of SRO. Ernakulam.

के० नारायणा मेनोन, ृसक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 18-10-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-16 एरणाकुलम, विनांक 18 फरवरी 1979

निदेश सं० एल० सी० 349/79-80—यतः, मुझे, के० नारायणा मेनोन

ष्ट्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- चपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में '''रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-2-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राधि-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- (1) श्री टी० एन० सुत्रामण्या आयर ग्रीर ग्रन्य। । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० पी० जैकब ग्रीर ग्रन्य

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणित की तारीख से
 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप स में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पत्तों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

28 Cents of land with Buildings as per Schedule to Doct. No. 578/79 dated 18-2-1979 of SRO. Ernakulam.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8-10-79

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16 एरणाक्लम, दिनांक 8 भ्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 350/79-80—यतः मुझे के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- व॰ से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय.... में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारच है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर धन्तरिक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निवित्त में वास्तिक अप से कवित नहीं किया प्रया है ।---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की शवत, उक्त ध्रितियम के घ्रधीत कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमं करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; धौर/शा
- (ख) ऐसी किसी याय या किसी घन या धन्य धारितयों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिंचियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिंचियम, या धन-कर धिंचियम, या धन-कर धिंचियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविधा के लिए.

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 10—32701/79

- (1) श्रीमतीसी०एस० ग्रनन्तलम ग्रम्मा। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम०पी० जेकब ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त संरक्षि के धर्मन के संबंध में कोई भी भाषीय :--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन के मीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी चरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त स्रवि-नियम, के झक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उप प्रध्याय में विवा गया है।

प्र**नुसूची**

Life Interest in 52 Cents of land and Buildings as per Schedule to document No. 580/79 dated 18-2-1979 of SRO. Ernakulam.

कें० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, एरणाकुलम

सारीख: 8-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-16
कोच्चिन-16, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० एल० सी० 351/79-80--- यतः, मुझे, के० नारायणा मेनोन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त द्राधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित मुल्य 25,000/-रुपये से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो मुब्बाहुपूषा में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ' ' ' में रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 9-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए, तय वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य धे उ**क्त भ**न्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उबत, ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों, भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृतिघा के लिए;

धतः, मज, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अमु-सरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,निम्नलिखित न्यक्तियों, भ्रथातः --- (1) श्रीएम० कृष्णन नायर भ्रौर भ्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० एम० मोहाम्मद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिन में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सारकीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्वियम, के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

2.16 acres of land with Buildings as per Schedule attached to Document No. 519/79 of SRO, Muvatupuzha.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-10-79 मोहर: प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जनरेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-16 एरणाकुलम,दिनांक 8 श्रक्तुबर 1979

निदेश सं० एल० सी० 352/79/80---यतः मुझे नारायणः भेनोन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मधिनियम' कहा इसके पश्चात् 'उक्त की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पति, जिसका धियत बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से ग्रधिक है, भौर जिसकी सं० भ्रनुसूची के भ्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित 🤰 (ग्रौर इससे उपायद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय '''में रजिस्दीकरण म्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, 28-2-79 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्यस कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुक्षे यह विश्वास कप्ने का कारण है कि ययापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मुख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिशत भ्रधिक है भौर भन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) भ्रत्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तर्क के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी बन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिविनयम, या धन कर घिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के जिये;

चतः सब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ख के धनुषरण में, में, उक्त बिधिनियम की बारा 269-च की उपधारा, (1) के अधीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री ए० यू० तोमस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीपी० टी० सेवियर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्य से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्झी करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो छक्त श्रीधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10.5 cents with Bldg, as per Schedule to Doct. No. 694/79 dated 28-2-1979 of SRO, Ernakulam.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8-10-79

प्रकप बाई • टी • एन • एस •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रज, एरणाकुलम कोण्विन-16,

एरणाकुलम दिनांक १ प्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 353/79-80-यत:, मुझे, के० मारायण मेनोन मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- पपये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो पोहम्मेल में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चेवायूर में रजिस्ट्री-करण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-8-79 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिगत से प्रधिक है प्रौर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) पीर प्रस्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसो ग्राय को वावत, उक्त ग्राधिनियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुधिधा के लिए; भौर/या
- (चा) ऐसी किसी आय या किसो धन या अन्य प्रास्तियों, को जिन्हें सारलीय घायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आमा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

थतः अब, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त मंधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :—— (1) श्री चोलपुरथु सस्स्वती कोषिक्कोट

(भन्तरक)

(2) श्री एन० टी० सत्यवित कोषिकोट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धार्खेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भिशोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरवः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, वो उक्त धिक्ष-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बद्दी अर्थ होगा, जा उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

74 Cents of land and 21 shop rooms bearing Door No. 28/130, 142 in S. No. 199/1A2, 194/1C and 193/10, RS No. 89/8, 94/1 and 94/2 of Nelukkodu Desom, Kozikodo as per Schedule attached to Doc. No. 588/79 of SRO, Chevayoon.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 9-10-1979

प्रकप आर्ध• टी• एन• एस•-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तमर

ग्रम्तसर, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निदेश सं० जे० बी० एल०/79-80/176—यतः मुझे एम०एल० महाजन

भागकर भिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-क्पए से अधिक है

भीर जिसकी हैंसं० भूमि जो में झबाल कलां स्थित है (भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय झबाल कलां में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख फरवरी 1979 को क्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिष्ठितियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसा भाष पा किसी धन या भ्रस्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम पा धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

धरः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण के, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यब्दियों, अर्थात्:--

- 1. श्री करम सिंह पुत्र निधान सिंह निवासी झंबाल कलां (अन्तरक)
- 2. श्री गुर दयाल सिंह, हरमाल सिंह, मनजीत सिंह पुत्र सरदूल सिंह निवासी झवाला कलां

(भ्रन्तरिती)

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जैसा कि संवतं ० 2 कारश्रौर कोई किराएदार यदि कोई श्रौरव्यक्ति किराएदार रुचि रखता है।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुवना जारी चरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रज़ेंन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी
 भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि 35 कें० 18 एम० नहरी जो कि गाँव पंजवर में जैसा कि डीड नं० 1035 दिनांक 8 फरवरी 79 रजिस्ट्री कार्यालय सेल झबाल कलां में है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 18-19-79

प्ररूप भाई • टी • एत • एस • ---

मायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रम्तसर,दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निदेश नं० जे० बी० एल०/79-80/177—यतः मुझे, एम०एल० महाजन,

प्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि झवाल कलां में है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उथाबढ़ श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय झावल कला में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, सारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिस्त से प्रधिक है भौर प्रण्तरक (भ्रष्तरकों) भौर अग्तरिती (अग्तरितियों), के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित किया गया है :——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रक्षि-नियम, के धांधीन कर देने के ध्रन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्रिप; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्त श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः प्रव, उश्त भ्रह्मिनियम की घारा 269-म के भनु-सरण में, मैं, एक्त भ्रह्मिनियम की घारा 269-म की उपभार। (1) के अधीन निम्नानिश्चत व्यक्तियों, अर्थात्ः

- श्रीकरम सिंहपुत्र निधासिंह पुत्र झबाल कलां (ग्रन्तरक)
- 2. श्री क्रुपा सिंह मोहिन्दर सिंह पुत्र कर्म सिंह गांव व डाकघर झबाल (अन्तरिती)
 - 3. जैसा कि सं० 2 पर श्रौरकोई किराएदार (बहुव्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4 यदि श्रीर कोई व्यक्ति रुचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिल्लके बारे में श्रश्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घिष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी घर्ष होगा जो उस धक्ष्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जो 45 क० 19 1/2एम० झाबल कलां में जैसा कि डीड नं० 1086, दिनांक 26-2-79 कार्यालय झाबल कला में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख : 18-9-1979

प्र**क्षप धाई० टी० एत० एस० −**−

प्रायकर घ्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घ्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज भ्रम्तसर

श्रम्तसर,दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/79-80/178─यत: मुझे, एम० एल० महाजन

यायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त घितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० एक प्लाट रजिन्स नगर ध्रमृतसर है तथा जो में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबच ध्रनुसूची में घ्रीरपूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से घिक है धौर धन्तरिक (धन्तरिक) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण किखत में वास्तविक अप से किलत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उनत भ्रष्ठि-नियम के भ्रष्ठीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिछ; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या मन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर मित्रिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मित्रिनयम, या धन-कर भित्रिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध ः, प्रव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, वें, उक प्रविनियम की बादा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, चिण्णविक्ति स्पक्तियों, प्रवित् :--- श्री छजूराम पुत्रवौलत राम निवासी कहलवा तहसील बटाला गुरदासपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती इन्दरावती पत्नी केवल किशन निवासी कवाटरनं 1 गुरु तेग बहावुर हस्थताल, ग्रमृतसर (श्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपरसं० 2 श्रीर कोई किराएदारहो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

 यदि भ्रोर कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्नियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि राजिन्द्र नगर अमृतसर में जैसा कि डीड नं०, 4300/1 दिनांक 23-2-79 में रजिस्ट्रिंग श्रथार्टी में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, श्रमुतसर

तारीख: 23-2-79

मोहरः

प्रकप भाई०टी० एन• एस•---

मासभर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निदेश सं० टी० टी०/79-80/179—-यतः मुझे, एम० एल० मबाजन

धायकर घिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषितियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के घिषित सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ४० से घिषक है

न्नोर जिसकी सं० इपि भूमि पंजवर त० तरनतारन जिला अमृतगर है तथा जो में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तरनतारन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तह् प्रतिगत से धिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें धारतीय धायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत धिधिनयम या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्चे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा, डिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, भव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुत्तरण में, में, उन्त प्रधिनियम की वारा 269-म ही बरुधारा (1) के अधीन निम्नजिबित व्यक्तियों,प्रयादा--- 1. श्री गोम सिंह् पुत्र ऊधम सिंह गांव पंजवर

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुलखन सिंह पुत्र सोहन सिंह पंजवर

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपरसं० 2 भ्रौरकोई किराएदारहो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि भौरकोई व्यक्ति रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में फ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह पूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति ने धर्जन ने सम्बन्ध म कोई भी भान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्वक्रतीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्वो का, जो उक्त ग्रिवित्यम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 26 क० 5 एम० जो गांव पंजवर तहसील तरनतारन में जैसा कि डीड नं० 6324 दिनांक 27-2-79 ऑफ रजिस्ट्रिंग ग्रथार्टी तरन तारन में दर्ज है।

> एम०एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, ग्रमृतसर।

ता**रीख**: 27-2-79

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर,दिनांक 20 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए एस ग्रार/79-80/180--यतः मुझे एम०एन० महाजन

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रधिक है

घौर जिसकी सं० एक मकान गुरु बाजार ग्रम्तसर है तथा जो में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिगत से घ्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम, की घारा 269-ग के भ्रनुसरण मैं, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रयात :--11—326GI/79

श्री पन्नालाल पुत्र राम लुभाया निवासी मकान नं०
 1269 खूह बस्वीवाली, श्रमुक्तसर।

(भ्रन्तरकः)

- 2. श्री जवाहर लाल पुत्र राम प्रकाण निवासी मकान नं० 5088/9 गली बुगु चौधरी, कटरा खजाना, ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि ऊपरसं० 2 भ्रीरकोई किराएदार हो।
 - 4. यदि कोई ब्यक्ति इसमें रुचि रखताहो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील के 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर श्रिधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

1/2 हिस्मा की दुकान नं० 151 गुरू बाजार जैसा कि सेल डीड नं० 4115/11 दिनांक 7-2-79 क्रमांक रजिस्ट्रिंग अथारिटी अस्तमरमें दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 20-9-1979

बक्प धाई• टी० एन• एस•-----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269न (1) के ममीन जूनना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भ्रायकर भ्रापुन्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/79-80/181--यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- र॰ से भिष्कि है

भीर जिसकी सं० गृह बाजार है तथा जो अपूतनर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979को

पूर्वोत्त संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उज्जित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रवह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, बक्त धिव-नियम, के सधीन कर हेने के भस्तरक के दाविस्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किनी घन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्राविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मविनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

मृत: मृत्र, उत्तर मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तर मधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रभीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री हीरा लाल ग्रानन्द पुत्र राम लुबाया निवासी सकान नं । 1269 खूबम्बे वाला ग्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जवाहर लाल पुत्र राम प्रकाण निवासी मकान नं० 5088/9 गली बागू घौधरी कटरा खजान श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि ऊपरसं० 2 और कोई किराएदारहो।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि कोई व्यक्ति इस में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता
 है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह भूजना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। जक्त संपत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी आखेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद किसी ग्रन्थ स्थक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रक्टीकरणा :---इसमें प्रयुक्त झक्दों भीर पदों का, जो उक्त भधिनियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा दुहान नं० 15 जो कि गुरु बाजार में जैसा कि सेल डीड नं० 4116/1 दिनांक 7-2-79 कमांक रजिस्ट्रिंग अथार्टी अभूतमर में दर्ज़ है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेंज, अमृतसर ।

तारीख : 21-9-1979

त्रहा प्राई० टी० एन० एस०---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, श्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निवेश तं० ए. ए.स. ऋ।र/७१-४०/१४२--पतः. मुझे, एम० एल० महाजन

अवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट क्वीन रोड अमृतसर तथा जो में स्थित है (श्रौर इसन उनाबत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रीध कारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्री करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से धिषक है धीर धण्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धण्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिखित में वास्तविक कप से किश्त महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से तुई किसी भ्राय की बाबत, उनत भ्राधि-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या घन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धतः प्रव, उन्त धिविनयम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उन्त धिविनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निविकत व्यक्तियों, अर्थातः -- 1. श्री मनिद्र पाल सिंह (म) पुत्र श्रवतार सिंह निवासी 20-ए दयानन्द नगर श्रम्तसर

(भ्रन्तरक)

 श्री स्रोम प्रकाण पुत्र श्री मदन लाल निवासी कटरा सुफैंद गली मोचीस्रा स्रमृतसर

(प्रस्ति)

- 3. जैसा कि सं० नं० 2 ऊपर ग्रीर कोई किराएदार हो।
- यदि ग्रीरकोई व्यक्ति रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के मजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की प्रविध्या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वष्टी करण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जकत प्रिवियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया हुआ है।

अमुसुची

एक भूमि का दुकड़ा 210 स्कवेयर मीटर क्वीन रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 4365/1 दिनांक 28-2-79 क्रमांक रिजस्ट्रिंग ग्रथारीटी ग्रमृतसर में दर्ज हैं।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रोज, श्रम्तसर

तारीख: 21-9-79

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के मग्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, ग्रम्तसर

ध्रमृतसर, दिनांक 21 नवम्बर, 1979

निवेश सं० ए एस ग्रार/79-80/183—यतः मुझे एम० एस० महाजन ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्त, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-

रुपए से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० एक मकान कटरा कर्म सिंह भ्रमृतसर है तथा जो में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमृत्वी में भीर पूर्ग रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रातर ें रिजस्ट्री करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख फरवरी 1979 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफिल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण ले हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को निन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रज्ञ, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

 श्री राम नाथ भाटिया पुत्र श्री ईशार राम निवासी कटरा कर्मिस्ह श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री रतन सिंह पुत्र श्री कर्म चन्द्र श्रीर जीवन भाई पुत्री खम चन्द्र निवासी कटरा कर्म सिंह श्रमृतसर ।
 - (म्रन्त(रती)
 - 3. जैसा कि सं० 2 ऊपर भीर कोई किराएदारहो।
 - 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो।

को पर्युवना जारी करके पूर्वोक्त सम्मर्त्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भुक्ष करता हूं।

उनत समात्ति के प्रजैन के तस्वत्य में कोई मो आक्षोरः⊸न

- (त) इन तूत्रा के राजनत ने प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कितो अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रवीहरताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कटरा कर्म सिंह (क्षेत्रद्धल 201 स्क्वेर मीटर) जैमा कि सेल डीड नं० 4081/I दिनांक 5-2-79 क्रमांक रजिस्ट्रिंग ग्रथारिटी भ्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, ग्रमुतसर

तारीख: 21-9-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज श्रमृतसर

श्रमृतसर,दिनांक 28 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए एस ऋ(र/79-80/184---यतः मुझे एम०एल० महाजन

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

ग्रीर जिनको सं जान बजार गन्द्रा वाला ग्रमृतसर है तथा जो ग्रमृत नर में स्थित हैं (ग्रीर इसन उपाबद्ध ग्रमुस्नी में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्री इती ग्राधिकारी के कार्यालय ग्रमृत तर में रजिस्क्री करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राथीन, तरीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— श्री चुन्नोलाल पुत्र सोहन सिह 58, कनेड़ी एबन्यू, श्रमुन गर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राम किशन श्रीर श्रमर नाथ पुत्र नरायणदास निकासी प्लाटनं ।। चीरसी श्रदारी,श्रमृतसर । (श्रन्तरिती)

, ...

- 3. जैशा हिनं० 2 में है, यदि कोई किराएदारहोतो
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजात्र में प्रकाशित को तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भोगर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाणत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मस्ति मंहितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रतोहशाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रगुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो उना ग्रिधि-नियम के ग्रन्थाय 20-क में परिसापित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो उन ग्रन्थाय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

एक मकान तीन मंजिला 66-9 स्क्वायर बाजार गन्दबाल आतृतास्य जैताकि रजिस्ट्रीकृत नं० 4460/1 दिनांक 9-379 रजिस्ट्री अविकारी अमृतपर गहर में है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैंन रेंज-III, म्रम्तसर

तारीखा : 28-9-1979

प्रकप साई० टी० एन० एस०--

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1979

निदेण नं० ए एस ग्रार/79-80/185----यतः मुझे एम० एल० महाजन ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इनमें इसके परणात् 'उन्त धिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-छ के मधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-

र• से प्रधिष्ठ **है** और जिसकी

सं० एक घर बाजार तेलीआ चौक फवारा श्रमृतसर है तथा जो में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्री किश्रिधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्री करण श्रिधितथम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979

के प्रधीन, तारीख फरवरी 1979
की पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफक्ष से ऐसे दृश्यमान प्रतिफक्ष का पन्द्रह्र
प्रतिशत से प्रधिक हैं और मन्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरितं।
(धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण किखित में
गास्तिक से लग से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई कियो प्राय को बाबत चवत अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों भी, जिन्हें घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अघोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अंतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम को धारा 269-व की सपवारा (1) अधीन, विश्वनिश्वित व्यक्तियों, अविश् !--- श्री श्रिपिन्द्र शर्मा पुत्र गजा नन्द निवासी चौक फवारा हाल में चक्रपानी भवन, कुरुक्षेत्र

(भ्रन्तरक)

- 2. श्रीमती श्रीतीराम प्यारी परती भोहत लाल निवासी 2436/11-34 ब्रांच तेलीब्रा चौक फवारा, श्रमृतसर ।
 - 3. जैसा कि सं० 2 पर भ्रौर कोई किराएदार हो।
 - 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति रुचि रखता हो।

को मह सूचना जारा करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के निए कार्मवाहियां करता हु।

जनत सम्रति के अर्बन के संबंध में काई भी प्राक्षीर:---

- (क) इत सूचना के राजनत में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन की घनिध या तरसम्बन्धो क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घनिध, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के कीतर पूर्वोक्त
 क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (अ) अस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसम प्रमुक्त शम्बों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस धम्याब में दिया गया है।

ध्रमुसुची

ए । महान नं ० 2436/11/34नं ० 2711/2 जो कि बाजार तेलग्रा चौक फवारा श्रमृतसर जैसा कि डीड नं ० 171/1 दिनांक 4-2-79, रजिस्ट्रिग श्रथारिटी श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 6-10-1979

प्रकार प्रार्हित होत ११० तस्त • ------

आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) ही दारा 339व (1) के अधीन सुबन्ध

भारा सरकार

कार्यालय, तक्षातक पातकर प्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1979

निदेश मं० एएसश्रार /79-80/186---यतः मुझे एम०एल० महाजन,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उन्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जगह मदन मोहन मालवीय रोड श्रमृतसर है तथा जो श्रमृतमर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनृसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्विक्त संपति के उचित बाजार मृस्य से कम के वृष्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रनारकों) भीर मन्तरिती (प्रस्तरिनियोः के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निविधित उद्देश्य से अन्त जन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबन उक्त धिशियम, के भ्रधीन कर देन के भ्रम्तरक के ायक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी पाय मा किसी धार मा अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, याधन-करू अधितियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया या विधा जाना काहिए था, स्थिपने में सुविधा के निए;

अतः सब, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के धनुकरण भे. में, उक्त सिबिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के विधीन निम्नाजिखित क्यक्तियों, सर्वात्ः--- श्री मदन चन्द पुत्र श्री किशन चन्द ग्रमृतसर ग्रीर
 मूकर एवन्यू कलकत्ता श्रू राधाबल्भ जी० ए०।

(भ्रन्तरक)

 श्री चेतन सिंह पुत्र पाम सिंह निवासी पादयानन्द नगर श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रिच रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह पूत्रना बारो करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविध, जो भी भविध बाद में उमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपिनियां में में किसी अपिकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावह संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकेंगे।

क्पब्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिक्षित्यम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान श्रीर एरिया 635-5 स्क्वायर मदन मोह्न मालवीय रोड श्रमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 4148 दिनांक 8-2-79 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर शहर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीखाः 28-9-79

प्रकप माई• टी• एन• एस•---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

निदेश नं० ए० एस० भ्रार०/77-80/187—यतः मुझे, एस० एस० म**क्षा**जन

बायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्बल, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक मकान कृष्ण नगर श्रमृतसर में है तथा जो श्रमृतसर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनृस्वी में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 की 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से अम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए घम्लेरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का सम्बद्ध प्रतिज्ञत प्रक्षिक है भीर पन्तरक (धम्लरकों) और प्रन्तरिती (धम्लरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निनिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक कप से किंबत ने गें किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ठीत कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी पार पा किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय पाय-कर मिवितयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिवितयम, या पत-कर मिवितयम, या पत-कर मिवितयम, या पत-कर मिवितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में धक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः— श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्रानन्द कुमार सिंह निवासी नं 110 ग्रीन एवन्यू, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती मुरेन्द्र कौर पत्नी मुख्जीत सिंह निवासी कृष्णा नगर, ग्रमृतसर।

(म्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं 2 में है। यदि कोई किराएदार होतो । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में क्चि रखता हो तो ।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता

है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह भूवता जारो सरके रूपोंका सध्यति के अर्धन के चिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त प्रमाति के अनंत के सम्बन्ध में कोई भी भाकी। :--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा मधोहरताकारी के पास निश्चित में किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्तों घोर पढ़ों का, जो 'सकत अश्विनियम', के घध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस घध्याय में विमा गया है।

बन्स्ची

1/2 भाग कोठी नं० 376 कृष्णानगर, लारेन्सरो**ड ग्रमृतसर** रकबा 1121/2 मीटर रजिस्ट्रीकृत नं० 4100/1 दिनोक 2-3-79 रजिस्ट्री ग्रधिकारी श्रमृतसर णहर में है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीनरेंज, ग्रमृतसर

तारीख : 11-10-1979

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

्मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

पर्जन रंज, प्रमृतसर

धमृतसर, दिनांक 11 धक्तूबर 1979

निदेश नं० ए० एस० धार०/79-80/188—यतः मुझे एम० एस० महाजन

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

भौर जिसकीं सं० एक जमीन कृष्ण नगर भ्रमृतसर में है तथा जो ध्रमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबक ध्रमुस्ची में भौर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरत (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तथ गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निष्तत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रम्तरण से तुई किसी ध्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के ध्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के वायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या भन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या भन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः घव, उक्त प्रशितियम की घारा 289-म के अनुसरण में, में, उक्त घितियम की धारा 289-म की उपधारा(1) अधीन निक्तलिखित व्यक्तियों अर्थात् :----12—326GI/79 श्रीमित दलजीत कौर पत्नी म्रानन्द कुमार सिंह निवासी नं 110 श्रवादी ग्रीन एवेन्यू श्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह पुत्र सोहन सिंह निवासी 376 कुष्ण-नगर प्रमृतसर नं० 62 लारेन्स रोड श्रमृतसर

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (यह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- यदिकोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता होतो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों ना, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूचो

1/2 भाग कोठी नं० 376 कृष्ण नगर भ्रमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 4144/1 विनांक 9-2-79 एरिया 112 1/2 स्क्वायर गज रजिस्ट्री ग्रधिकारी श्रमृतसर शहर में है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 11-10-1979

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-

म्समकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, प्रमृतसर

ग्रमृतसर, विनांक 11 अक्तूबर 1979

निवेश नं० ए० एस० श्रार०/79-80/189—यतः मुझे एम० एल० महाजन

नायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- वंश्मे प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक मकान जोरा पीपल ग्रमृतसर है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्ठिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रान्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उपत प्रसितियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायिरव में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के किए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिमाने में सुविधा के लिए।

धतः। सबः, उन्त अधिनियम की शारा 269-ग के धनुसरण में, में उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की स्पन्नारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्योंतु :--- मर्वश्री कुलजीत सिंह, जरनैल सिंह पुत्रगण भगवान सिंह श्रीमती गुरिन्दर कौर पुत्री भगवान सिंह गुरुवरन सिंह ग्रौर हरबंसिसह पुत्र उजागर सिंह, श्रीमती हार कौर विधवा भगवान सिंह कटरा गभी श्रमृतसर

(भन्तरक)

 श्रीमती कुलदीप कौर पत्नी श्याम सिंह निवासी मकान नं० 774/7 श्रीर 322/2 जोरा पीपल श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

 जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएवार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनर सम्पति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी क से 45 विन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों घोर पवों का, जो 'खबत धांध-नियम', के धश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस घट्याय में विया गया है

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं० 774/7 भीर 322/2 कटरा गर्भा भ्रमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 4189/1 दिनांक 15-2-79 रजिस्ट्री भ्रधिकारी भ्रमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, स्रमृतसर

तारीख : 11-10-1979

मोहरः

प्ररूप बाई ० टी • एत • एस • ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म (1) के भन्नीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर पायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, ममृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/79-80/190—यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नध्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- च० से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि गांव खोखर त० बटाला है तथा जो बटाला स्थित है (भौर इससे उपायद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बटाला में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरकों और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई जिसी भाय की बाबत, उबत प्रधिनियम के धंत्रीन कर देने के घन्तरक के बायरब में क्सी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए; धौर/या
- (अ) ऐसी किसी याय या किसी धन या भन्य भारितयों को जिन्हें गरिनीय शायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, गधन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, शिवाने में सुविधा के लिए;

ज्ञतः प्रव, उनत प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रजीन निम्नतिक्ति स्पक्तियों, प्रचीत्:— श्रीमती सुविन्दर कौर पत्नी गुरदयाल सिंह गांव कादिया त० बटाला

(भ्रन्तरक)

2. सर्वेश्री कुलदीप सिंह, बलदेव सिंह पुत्रगण मंगल सिंह 3/4 भाग, श्रीमती गुरमीत कौर पत्नी राम सिंह 1/4 भाग, गांव खोखर त० बटाला।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं ० 2 में यदि कोई किराएवार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यवि कोई इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्सक है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेंन के संबंध म कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना भी तामील से 30 दिन की भ्रविष्ठ, जो भी भाविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति, द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जनत भिन्नियम, के मध्याय 20-क में परिचाबित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

ग्रमुसूची

कृषि भूमि 58 कनाल 1 मरला 1/3 भाग 174-3 मरला गांव खोखर रजिस्ट्रीकृत नं० 6727 दिनांक 17-2-79 जैसा कि रजिस्ट्री प्रधिकारी बटाला शहर में र।

> एम० एस० महाजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 12-10-1979

प्रकप धाई • टी०एन • एस •----

आयश्चर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2'69-च (1) के घंघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1979

निदेश नं० ए० एस० भ्रार०/79-80/191---यतः मुझे एम० एल० महाजन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 श्रा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० एक कोठी वजार जन्डा सिंह ध्रमृतसर है तथा जो अपृतसर में स्थित है (और इससे जपायद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अपृतसर में रजिस्ड्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्योत के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिमत से प्रधिक है भौर चन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरक निखित में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उनत अधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में क्यी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी बन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर समित्रमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

यतः धव, उक्त धिविनयम की भारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिविनयम की भारा 269-घ की क्वांचा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- सर्वंश्री सन्तोष सिंह, रधुबीर सिंह पुत्रगण सुरजन सिंह मार्फत सूरज दी हट्टी नमक मन्डी श्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

 श्री कल्याण सिंह मोहन लाल बाग जन्डा सिंह ग्रमृत-सर

(भन्तरिती)

 जैसा किनं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोतृस्ताक्षरी के पास किस्तित में किए जा सकोंगे।

क्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रव्याय में दिया गया है।

धनुत्रुची

एक कोठी दो मंजिला रकबा 54.5 गज रजिस्ट्रीकृत नं० 4096 दिनांक 6-2-79 रजिस्ट्रीकृत श्रधिकारी श्रमृतसर शहुर में है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, प्रमृतसर

तारीख: 15-10-79

मोह्नर:

द्रक्य आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1979

निवेश नं० ए० एस० भार०/79-80/192---यतः मुझे एम०एल० महाजन

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त प्रविनियम' कहा नया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पवे से घविक है भौर जिसकी सं ० जमीन का टुकड़ा है तथा जो भ्रमतसर में स्थित है (ब्रौर इससे उपावब ब्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप में वर्षित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रमुतसर में रजिस्द्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख फरवरी 1979 को पूर्वीयत सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृहय से कम के ब्रथमान प्रतिकास के सिए घन्तरित की नई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों)भीर मन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फब निम्मसिबित उद्देश्य से उक्त बन्तरय बिबित में अस्तिवक रूप से श्रीवत नहीं किया गया है।----

- (क) अग्यरण से हुई किसी धाम की बावत, वयत बिंध-नियम, के घष्टीन कर देने के धम्तरक के दायिक में कमी करने या उससे वथने में पुविका के निए; खोर/वा
- (ख) ऐसी जिसी बाव या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तिकों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनयम, या धनकर खिन् नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या वा या किया बाना चाहिए वा, क्रियाने में सुविधा के सिए;

मतः अव, उनतं यविनियमं की बारा 269न्य के प्रमुखरण में; में, उनतं अधिनियमं की धारा 269न्य की उपवारा (1) के प्रजीन, निम्नविद्यां व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री राय सिंह कनोरिया पुत्र लाधू राम निवासी कंदूर त॰ नूरपुर जिला कांगड़ा नया 229 शास्त्रीनगर अमृतसर (प्रन्तरक)
- 2. श्री जानकीदास श्ररुणा श्रीर श्ररुण कुमार श्ररुणा पुत्र किशन चन्द निवासी 79 वसन्त एवन्यू धमृतसर (धन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (यह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्तबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्थन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रंग्रोइस्ताक्षरी के पास सिबित में किये का सकेंगे ।

स्वव्यक्तिस्यः — इसमें प्रमुक्त सन्तों घौर पतों का, जो उक्त घर्षिः नियम के घड़्याय 20-क में यका परिभाषित हैं; बही सर्वे होवा को उस धड़्याय में दिया क्या है।

पनुसूची

एक जमीन णास्त्री नगर कोठी नं० 229 श्रौर रकवा 422-5 गज रिजस्ट्रीकृत नं० 4289/1 दिनांक 22-2-79 रिजस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर शहुर में है।

एम० एल० महाजन) सक्षम प्राघिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 15-10-1979

प्रकृप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

ध्यायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायह बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमुतसर, दिनांक 16 श्रक्तूबर, 1979

निदेश नं० ए० एस० श्रार०/79-80/193—यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- श्वये से अधिक है

भौर जिसकी सं भूमि का टुकड़ा सोहिआं कलां है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर भुन्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत उत्तत प्रक्रिनियम के द्यक्षीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (च) ऐसी किसी आय या जिसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घितियम, या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के घनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के बाबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती अतर कौर विश्ववा लाल सिंह गांव सोहीआं कलां तहसील व जिला अमृतसर

(भ्रन्तरक)

 सर्वेश्री बलबीर सिंह, लखबीर सिंह पुत्न कुलबन्त सिंह गांव सोहिम्ना कला ध्रमृतसर

(भ्रन्तिरती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है धौर कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही भर्य होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि 38के-13 एम गांव सौहीम्रां तहसील और जिला अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री डीड 6151 दिनांक 26-2-79 रजिस्ट्री म्रधिकारी में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीखा: 16-10-1979

प्ररूप भाई० ही० एन० एस०-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन नुवना

भारत गरकार

कार्यानय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 म्रगस्त 1979

निदेश सं० ए० भ्रार०-I/4135-25/फे० 79—-श्रतः मुझे, वो० एस० शेषाद्वी

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-क के घंधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृस्य 25,000/~ रु० से घंधिक हैं,

ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1043 है तथा जो भुलेक्वर पांजरा स्ट्रीट में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 13-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्य मान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धीर बन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निश्नितियों उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण जिल्लित में बास्तविक कप से कवित नहीं स्थित गया है।—~

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त आधि-नियम के भंधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचमे में सुविज्ञा के सिए; भौर/या
- (ख)) ऐसी किसी भाग ना किसी भन या भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धन-कर भिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भागा चाहिए था, श्रियाने में सुविधा के जिए;

त्रता सक, उन्त प्रविनियम की धारा 269-म के धमुखरव में, में, उन्त प्रविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बजीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---- 1. (1) डा० इब्राहीम मुहम्मदभाय रनजी (2) मुहम्मदभाय ध्रली भाय भानजी (3) घ्रहमद मुहम्मदभाय रनजी।

(भ्रन्तरक)

2. खतीजा म्रबदुल इम्राहीम मनसूरी

(भ्रन्तरिती)

3. टेर्नेंट मैसर्स रामचन्द्र लालजी (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पक्ति है)

को यह सूचना जारो करके प्वॉक्त सम्पत्ति के सर्जन के **विए** कार्सवाहियां करता हूं।

उरल प्रमति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई श्री आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति झारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रस्म व्यक्ति द्वारा, मधोद्दस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रवं होणा को उस मध्याय में दिया गया है।

वपुसूची

ध्रनुसूची जैसा कि विलेख-नं० बं० 25-63/78 बम्बाई उपरजिस्ट्रार घ्रधिकारी द्वारा दिनांक 13-2-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० गेषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 31-8-1979

प्रकृष धाई० टो॰ एत॰ एत॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निदेश सं० घ० ६० 2/2754-7/फरवरी 79—श्रतः मुझे पी० एल० रूंगटा

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि श्वावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- व॰ से ध्रिकि है

स्रौर जिसकी सं० रू नं० 133, एच नं० 1 (अंण),138(अंश) सी टो नं 72 (अंश) है तथा जो भागभाने वोरीवरूली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण घिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, तारीख 7-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का प्रश्रह प्रतिकत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया क्या है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत; उसत प्रक्षि-मियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; पीर/पा
- (ब) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य धारिलयों को, जिन्हें भारतीय घायकर घघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर घघिनियम, या धन-कर घघिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्दरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, जिपाने में सुविधा के निए;

धतः धव, उनत पश्चिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, में, उनत प्रश्चिनियम, की धारा 269-व की वपवारा (1) के प्रश्नीन निम्नविवित व्यक्तियों, धर्यात्।— 1. श्री रेशम टेक्सटाइल मिल्स प्रा० लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

2. श्री खेमचन्द नारायणवास सजनानी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति से धजन के संबंध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी घविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिबों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस पूजना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोद्दस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सर्वेषे।

स्पथ्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20-क, में परिचाचित हैं, वहीं धर्च होगा, जो उस ध्रध्याय में विका नया है।

धनुत्रुची

भनुसूची जैसा कि विलेख नं 0 एस॰ 4149/74 उपरजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 7-2-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० रूंगटा सक्तम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज-II, बस्बई

बारीख: 1-9-1979

ोहर:

प्रकृप प्रार्•टी•एन•एस•-----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) ने मधीत पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 1, वस्बई

बम्बई, विनांक 7 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० म्रार० माई०/4136-8-79-मत: बी० एस० शेषादी

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्में इस्ते पश्वात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाणिहारी हो, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर भम्यति, जिमका उजित बाजार पुरुष 25,000/-ष्पए से मधिक है

भौर जिसकी मं० सी० एस० नं० 177 है तथा जो लोग्नरपरेल जिक्ही जन करी रोड में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यातय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 13-2-1979 को

पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यभान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पनद्रह् प्रतिभात भिधक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अस्तरिती (ग्रम्नरितियों) के की व ऐने ग्रम्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में अन्त अस्तरण लिखित में बास्तविक ऋष से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण में हुई जिसी भाग की बाबत, उपन भवि-नियम के बाबीन कर देने के बान्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; भीर/या
- (अ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिल्हें भारतीय द्याय-अपर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रक्रिनियम, अ धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चा**हिए चा, छिपा**ने में नविधा के लिए ;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की आरत 269-म की उपमारा (1) के अधीन, निम्ललिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:---

13-326GI/79

1. श्री जमशेद जे० ग्रमरोलीवाला

(भ्रन्तरक)

2. श्री भूलचन्द जठेहरचन्द जैन (2) अचलचन्द ग्यचन्द जैन (3) नेजराज बाब मल जैन पार्टर आफ मैसर्स जठेहरचन्ध क्रमाजी एंड कं

(भ्रन्तरिती)

- 1. एम के शेट्टी
- 2. एन० एस० पटेल
- 3. आर० जे० दौरूबाला
- 4. मिस जे० सी० बाराय
- 5. पी० सी० अमरोलीवाला
- एफ० डी० पेमास्टर
- 7. के० एम० इलव्हय
- बी० ए० चक्चलायक्र

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उषम सम्यत्ति से अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इन सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की भविष, जो भी घवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोद्वस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस प्रष्याय में विया गया है।

धनुसूचा

भ्रान्सूची जैसा कि विलेख मं० वं०/692/77/बम्बर्ड उप रजिस्ट्रार प्रधिकारी दारा दिनांक 13-2-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी० एस० शेषाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-[, बम्बई

सारीख: 7-9-79

प्रकृप धाईं ही एन एस---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० घार० - | 4137-9| फरवरी 79-- घतः
मुझे बी० एस० शेषाद्री
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले
इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ख के घंडीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवन बाजार मूह्य 25,000/व्यये से घंधिक है

मौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 177 है तथा जो लोमर परेल डिवीजन करी रोड में स्थित है (भीर इससे उपावस मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 13-2-79

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रस्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विधित में वास्त-चिक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धिन नियम के घडीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अभ्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या घनकर ग्रीविनयम, या घनकर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चत: पन, उनत ग्रंधिनियम की बारा 269•ग के अनुसरक में, में, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269•व की उपधारा (1) अधीन निक्निधित न्यक्तियों, ग्रंधीत >--- (1) श्री सम फारामरोझ ग्रमरोलीवाला

(ग्रन्सरक)

- (2) श्री फूलचन्द जब्हेरचन्द जैन 2. ग्रलचन्द रूपचन्द जैन 3. तेजराज बाधुतमल जैन पार्टनर ग्राफ मैसर्स जब्हेरचन्द कमाजी एण्ड कं० (ग्रन्तरिती)
 - 1. श्री एस० के गेट्टी
 - 2. श्री एन० एस० पटेल
 - 3. श्री पी० जे० दास्थाला
 - 4. मिस एफ०सी० बारीया
 - 5. श्री पी० सी० श्रमरोलीवाला
 - 6. मिसेस एफ० डी० पेंमास्टर
 - 7. श्री सी० एफ० श्रमरोलीवाला
 - 8. श्री के० एम० इलव्हीया
 - 9. श्री बी० इ० चवचुलायदर

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचता के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपन्नीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिवित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं धर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बं० 692/77/बम्बई उप-रजिस्ट्रार ग्रधिकारी द्वारा दिनांक 13-2-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० शेषात्री, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-,**! वस्बई**

तारीख: 7-9-79

प्रकष भाई•टी•एन•एस•----

भामकर मंत्रितियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायन आयकर मायुन्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 सितम्बर, 1979

/2748-1/फरवरी 79---निदेश सं० ए० श्रार० म्रतः मुझे पी० एल० रूंगटा ध्रायक्तर धर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वा के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृल्य 25,000/- **४०** से प्रक्षिक है भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 36 हिस्सा नं० 5 3अ० हिस्सा नं० । सर्वे नं ० 73, 74, 78 अें 0 है तथा जो जूह में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीका 2-2-79 विलेख नं 0 एस 0 2022/78 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमः। न प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण मिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिकियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. मैसर्स जमना लाल संस लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० के० चावला, और श्री एस० एल० महाजन (ग्रन्तरिती)

भी पह सूचता जारी करते पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की घर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि; जो भी घर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, शश्रीहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकता।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्क प्रिक्षित्रम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भ्रमुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 2022/78/बम्बई उपरजिस्ट्रार ग्रधिकारी द्वारा विनांक 2-2-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० रूंगटा सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज-II, बम्बाई

तारीख: 25-9-79

मोह्नर:

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ---

धायकर प्रक्रितिसम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के प्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भाय्क्त (निरीक्षण)

भार्जन रेंज, पटना . हिनांक २९ धगस्त १९

पटना, दिनांक 29 भ्रगस्त 1979

निर्देण सं० III-341/मर्जन/79-80—-यतः, मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ निरीक्षी सहायक म्रायकर म्रायुक्त मर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिन्ने सक्षम प्राधिकारी को, यह भिन्नास करने का कारण है कि क्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्म 25,000/-चप्ए से प्राधिक है

श्रीर जिसकी मं० हो० नं० 23, सर्वे प्लाट नं० 429 है, तथा जो थाना 406 सरेया गंज मुजफ्तरपुर, जिला मुजफ्तरपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 23-2-1979

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरवमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से बाजिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-शिबात उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक कप से क्षित तहीं किया गरा है :--

- (क) भ्रम्तरण सं हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के कशारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (क) ऐसी किया धाम या किसी धन या धम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाम-कर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत श्रिधितयम, या धन-कर धितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ चन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उरा भागितियम की धारा 269ना के भगुसरण में; में, चक्त मधितियम, की घारा 269-च की उपधारा (1) के सधीत निम्तिनिधित स्थितियों अनीत्।— श्री पर्यामानन्व जालान पिता श्री ईश्वर दास जालान 47 जकारिया स्ट्रीट कलकत्ता

(श्रन्तरक)

- 2. श्रीमती गायत्री देवी ढनढरीया पति श्री विनोद कुमार ढनढरीया स्थाई द्वारा 40 णकमवारी टी कम्पनी सरैया गंज जिला मुजफ्फरपुर अस्थाई पता:—90 ए ण्यामबाजार स्ट्रीट, कलकत्ता
- 3. (1) नौर्थं ईस्टर्न रोडवेज मुजफ्फरपूर
 - (2) जे०वी० एण्ड कं० मुजफ्फरपुर
 - (3) सिस्को ट्रेडर्म मुजफ्फरपुर (वह व्यक्ति,जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना अाग करके ।श्रीका नम्माल के अर्जन के लिए कॉर्यवाहियां करना है।

उक्त पर्वाल के प्रकृत के सम्बन्ध में कोई भी पार्जेय: 🛶

- (क) इस मूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रथिष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की सबिष, को भी प्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति बारा;
- (च) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रस्थ क्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करनः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जा उक्त ग्रीवित्यम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही ग्रामं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है

पनुसूची

पकता व बना गोवाम जिसका भ्राध हिस्सा जो 4 कट्टा 10 धुर रबे के साथ हो० नं० 23, सर्वे प्लाट नं० 429, थाना 406 सरैया गंज जिला मृजफ्फरपुर राज्य बिहार में स्थित है। जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या I-10/33 दिनांक 23-2-79 में विणित है तथा रजिस्ट्रार भ्राफ एश्योरेन्स कलकत्ता के बारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन परिक्षेत्र, पटना

ता**रीख**ः 29-8-1979

प्राइप ग्राई• टो• एन• एस•----

क्षामकर ग्रीव्यनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रीशन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 29 भ्रगस्त 1979

निर्देश सं० III-340/अर्जन/79-80—-यतः, मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ, निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, पटना

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० हो० नं० 23, सर्वे प्लाट नं० 429 है, तथा जो थाना—→406 सरैया गंज मुजफ्फरपुर, जिला—मुजफ्फरपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 23-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की यह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) कौर धन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (ह) बन्तरण से हुई किसी साथ की वावत उनत मिन्नि-नियम के सभीन कर देने के धन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे वचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
 - (का) ऐसी किसी माय या किसी बन या मध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या भन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अराः सन, उनतं धिधनियम की बारा 269म के अनुसरण में, में, उनतं धिधनियम की बारा 269भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—— श्रीमती बनारसी देवी जालान पति श्री ईश्वर दास जालान, 47 जनरीया स्ट्रीट, कलकत्ता

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री आत्मा राम बनबरीया पिता श्री जयदेव बनबरीया म्थाई पता :---णकमवारी टी० कम्पनी, सरैया गंज जिला मुजक्करपुर श्रस्थाई पता :--90 ए, श्याम बाजार स्ट्रीट कलकत्ता (श्रन्तरिती)
- (1) नौर्थ ईस्टर्न रोडवेज मुजल्फरपुर
 - (2) जे० सी० एण्ड कं० मुजपफरपुर
 - (3) सिम्को द्रेडर्स मुजफ्फरपुर

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह भूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्माति के धर्मन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त मंपत्तिके अर्जन के संकंब में कोई मा प्राक्षेप :---

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वश्वीकरण: -- इतमें प्रयुक्त शन्वों और पर्श का, जो उकत अधिनियम के प्रव्याय 20-क में परि-माषित हैं, वही धर्य होगा, को उस प्रक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पक्का वा बना गोवाम जिसका प्राधा हिस्सा जो 4 कट्टा 10 धुर रक्के के साथ हो० नं० 23, सर्वे प्लाट नं० 429 थाना 406 सरैया गंज जिला मुजफ्फरपुर राज्य बिहार में स्थित हैं। जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या I-1034 दिनांक 23-2-1979 में विणित हैं तथा रिजस्ट्रार भाफ एक्योरेन्स कलकसा के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रजैन परिक्षेत्र, पटना

तारीख: 29-8-1979

मोहर ।

प्रकप भाई• टी• एन'• एस∙----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269व(1) के घ्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश मं० III/343/म्रर्जन/79-80--यतः, मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त अर्जनरेंज परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयं कर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/-४० से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० मु० हो० नं० 577 (पु०)/1161 (नया), प्लाट नं० 2303 है, तथा जो सरकुलर रोड़, रांची में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप ने विणित है), प्रजिन्द्रीकर्गा स्रोधकारी के कार्यालय, रांची में रिजस्ट्रीकरण प्रतिनिम्म, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 16-2-1979

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त संपत्ति का विश्वत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिगत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) मीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया पित्कन, निभ्नलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण सिकिस में बाह्तिक हूथ से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रक्षिक नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के किए। भौर/या
- (ख) ऐसी किनी जाए या किनी धन या प्रत्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या धन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाचे भृत्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जावा चाहिए वा, छिमाने में सुविधा के लिए:

मतः अव, उन्त मधिनियम की धारः 269-ग के प्रमु-सरण में, में, उन्त मधिनियम की बारा 269 व की उनकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षाव्य--

- श्री शेखरेन्दु मोहन गोस्वामी, वल्द स्व० शुभरेन्दु मोहन गोस्वामी, सा०---77 मनुहारपुकुर रोड़, कलकत्ता-29 (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रमरेश्वर सहाय, ज्योति कुमार, प्रवीत कुमार, प्रभात कुमार एवं राकेश कुमार वल्द श्री डी० पी० मेहता, सा० थारपखाना रांची

(म्रन्सरिती)

3. मैसर्स कलकता केमिकल्स सरकुलर रोड़, रांची (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूबता बादो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उन्त संपत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी पाछोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में श्रकाशन को तारीना से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, मघोद्वस्ताकारी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वव्योक्टरण:----इसमें प्रयुक्त तक्यों भीर पक्षों का, जो उक्त श्रिष्ठियम के घड़्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस सहसाय में विया क्या है।

अनुसूची

जमीन का रक्या 19 कट्टा मय मकान, जिसका होल्डिंग नं॰ 577 (पुराना), 1161 (नया) जो सरकुलर रोड़, रांची, थाना—लालपुर , जिला रांची में स्थित है । जो पूर्णतया वस्तावेज संख्या 1543 दिनांक 16-2-1979 में विणित है, इसका पंजीवन जिला प्रवर निबंधक रांची में हुमा है ।

> ज्योतिन्त्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर त्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन परिक्षेत्र, पटना

तारीख': 18-9-1979

प्ररूप भाई • टी • एत • एस •----

भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, पटना पटना, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देण सं० III 342/अर्जन/79-80---यतः, मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ, निरीक्षी सहायक श्रायकर शायुक्त, श्रर्ज परिक्षेत्र, बिहार. पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण १ कि स्यावर सम्मति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-द० से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० हो० नं० 13 सर्किल नं० 7, वार्ड नं० 4/13 है, तथा जो मोहल्ला खलीफा बाग, थाना कोतवाली, जिला भागलपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्री हर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन, तारीख 16-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण, लिखित में वास्त्रिक कप से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) सन्तरण से हुई किसी साम की बायत, उक्त प्रवि-नियम के स्थीन कर देने के सन्तरक के दायिस्य में क्यी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; सीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी अन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भाय-कर भ्रष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा में लिए;

भतः भव, उक्त भिक्षितयम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं उक्त प्रधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भवीन निम्मनिखित व्यक्तियों, भवीत:--- श्री भगवत शरण पिता स्वर्गीय बनारसी प्रसाद, शुजा गंज, भागलपूर

(भ्रन्तरक)

 श्री माली राम सराफ पिता स्थर्गीय बनारसी लाल सराफ ग्रानन्द चिकित्सालय रोड, भागलपुर (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भो भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अधिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धिः नियम, को ध्रव्याय 20% में परिभावित है, वही ध्रवं होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन का रक्त 4 कट्टा 9 धूर मय मकान जो मोहल्ला खलीका बाग चिकित्सालय रोड़ भागलपुर में स्थित है जो दस्तावेज मंख्या 1681 दिनांक 16-2-1979 में पूर्ण रूप से विणित हैं। इसका पंजीयन जिला प्रवर निबंधक भागलपुर में हुमा है।

> ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिनारी सङ्घायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत, पटना

ता**रीख** : 18-9-1979

प्रश्रा बाई • टी • एत • एस • -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 289थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० III-344/ग्रर्जन/79-80—यतः, मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सजन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूह्य 25,000/- इपये से अधिक है

धौर जिसकी मं० एम० एस० नम्बर 655 धौर 666 है, तथा जो सिकल नं० 20, होल्डिंग नम्बर 117 तौजी नम्बर 438 धाता नं० 98 रोड नं० 1, राजेन्द्र नगर पानी की टंकी जगत नारायण रोड पटना में स्थित है (और इससे उपाबन्न ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण ध्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख 17-2-1979

की पूर्वोक्त परंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत धिक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भीर भग्तिरतों (भन्तिरितियों) के बीज ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त भन्तरण निक्कित में अस्तिक क्य में किया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घोधिनयम के घोधीन कर देने के घग्तरक के धायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के किए: भीग/या
- (ब) ऐशा दिया तथ वा किया थन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपान भें सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिलियम, को बारा 269-य की जनकारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अभीत् :--

- श्री सुबोध चन्द्र मेहता उर्फ हनुमान दास मेंहता पृत्र श्री मंगल दास मेहता निवासी—रौड नम्बर 1 राजेन्द्र नगर (पानी टंकी के समीप) थाना कदमकुग्रां पटना-3
 - (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कुंसुम गुप्ता जीजे श्री विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता नाला रोड़ पटना वर्तमान रोड़ नम्बर-1 राजेन्द्र नगर पटना (पानी टंकी के समीप)

(श्रन्तरिती)

3. पी० एल० चोपरा (वह व्यक्ति, जिसके ध्रिधभोग में सम्पत्ति है)

की यह सुकता जारी करके पूर्वोक्त समाति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उम्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की शब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो मी शब्धि बाद में समाप्त होती हो, के शोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त न्यायर सम्पत्ति में हिन्तक कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों भीर पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं प्रथं होगा, जो उस धव्याय में विशा वया है।

अनुसूची

जमीन का रक्बा 1 कट्टा 13 1/2 धूर दो मंजिला मकान सहित जिसका म्यूनिसिपल सर्वे प्लाट नम्बर 665 भीर 666 सर्किल नम्बर 20 होल्डिंग नम्बर 117 में तौजी नम्बर 438 खाता नम्बर 98 भीर जो रोड़ नम्बर 1 राजेन्द्र नगर पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 893 दिनांक 17-2-1979 में वर्णित है भीर जो जिला भ्रवर निबंधन पदा-धिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र पटना,

तारीख : 24-9-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनाक 24 सितम्बर 1979

निर्देण सं० III-345/ग्रर्जन/79-80——यतः, मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुवत श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'छन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- करए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं वाजी नम्बर 438 खाता नम्बर 98, एम० एस० प्लाट नम्बर 665 ग्रीर 666, सर्किल नम्बर 20, वार्ड नम्बर 11 है, तथा जो पटना म्य्निसिपल कारपोरेणन राजेन्द्र नगर पटना-16 में स्थित है (ग्रीर असमे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजेस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पटना में रिजेस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) श्रीन नारीख 12-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार भूस्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की नई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को जिनत खाजार मून्य, जसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह् प्रतिकत भिष्ठिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया धतिकस, निम्ननिज्ञित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विश्वित सें जाक्तविक क्य से कवित नहीं किया गया है:——

- (म) प्रस्तरण से हुई किसी पाय की बाबन, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिश्व में क्सी भरने या उससे बचने में सृष्टिश्वा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घर या अन्य प्रास्तियों की जिस्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया काया किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रम, उक्त ग्रमिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं उक्त ग्रमिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रमिन निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात्: ----14—326 GI/79 1' श्री सुभाष चन्द्र मेहता उर्फ हनमान दास मेहता पुत्र श्री मंगल दास मेहता निवासी रोड़ नम्बर-1, राजेन्द्र नगर (पानी टंकी के समीप) थाना कदमकुश्रा पटना-3

(अन्तरक)

 श्रीमती निर्मेला देवी जौजे श्री राम नन्द, प्रसाद लंगर टोली पटना

वर्तमान मारफत संतोष ग्रापटीकल्स, नाला रोड़ (भ्रन्तरिती)

को यह त्रा बारो ऋरके पूर्वीश्त सम्पत्ति के मजंग के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त अन्यति के अन्त के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचका के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, ओ भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों सें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवश किसी पन्य व्यक्ति श्वारा, धवोड्स्ताक्षरी के पांच लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शक्यां भीर पदों का, जो उत्तत प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी बर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन का रकबा 1 कट्टा 11 घूर 12 घुरकी दो मंजिला मकान सहित जिसका म्युनिसिपल सर्वे प्लाट नंबर 665 श्रौर 666, सिंकल नम्बर 20, वार्ड नम्बर 11, तौजी नम्बर 438, खाता नम्बर 98 श्रौर जो रोड़ नम्बर 1 राजेन्द्र नगर पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 760 निंक 12-2-79 में विणत है श्रौर जो जिला श्रवर निबंधन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिकेद्र, पटना

तारीख : 24-9-1979

प्रकप बाई • टो • एन • एस • ---

आवकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, पटना पटना, दिनांक 5 श्रक्तूबर 979

निर्देश सं० III-349/म्रर्जन/79-80—यतः, मुझे ज्नोतिन्द्र नाथ, निरीक्षी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व्य के भाषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्मति, जिनका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 2, होल्डिंग नं० 48 है, तथा जो गया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गया में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है घीर धन्तरक (धन्तरकों) घीर धन्तरित (धन्तरकों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—~

- (क) जन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत सकत अधिनियम, के प्रधीन कर देने के धरूतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भीर/या
- (क) ऐसी किलो आय या किसी छन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भवः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, म, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयाँत:—

 श्रीमती मोसमात शकुन्तला देवी पति श्री द्वारिका े प्रसाद टेकारी रोड गया

(ग्रन्तरक)

 श्री सोहन लाल चड्ढा पुत्र श्री बन्धराज चड्ढा गहीद रोड गया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के भर्मन के संबंध में कोई भी पानेर :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा।
- (ख) इस पूचना के राजात में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्यश्रीचरक: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत भिक्षितम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभावित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टगाय में विशा क्या है।

अनुसुची

1/3 हिस्सा एक किता मकान का जो शहीद रोड़ थाना कोतवाली जिला गया तथा वार्ड नं० 2 होल्डिंग नम्बर 48 में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 2994 दिनांक फरवरी 1979 में वॉणत है और जो जिला श्रवर निबन्धन पदाधिकारी गया के द्वारा पंजीकृत है ।

> ज्योतिन्द्र नाभ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

त1रीख: 5-10-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस • - - - - भायकर मिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-थ(1) के मिनि सूचना; भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 5 ग्रक्तुबर 1979

निर्देश सं० 111-347/भ्रर्जन/79-80—यतः, मुझे, ज्योतीन्त्र नाथ,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० होल्डिंग नं० 21 (पुराना) 45 (नया) है, तथा जो बार्ड नम्बर 9-ए महल्ला टिल्हा जिला गया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गया में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन, तारीख 19-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिजत से अधिक है घीर प्रस्तरक (अन्तरकों) घीर प्रस्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कचित नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रश्वरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किनी ग्राय या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिएचा, छिपानें में मुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269का के घमुक संदण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269का की चपकारा (1) के बधीन निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् !--- 1. श्रीमती वेला चक्रवर्ती पत्नी डा० सचिन्द्र नाथ चक्रवर्ती महल्ला विशर टैंक रोड (टिल्हा) थाना सिविल लाइन, जिला गया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री आलोक कुमार नाबालिंग पुत्त श्री डा० राजेन्द्र प्रसाद पुत्र खेमाजी सिंह, सहायक प्रोफेसर "श्रारकेलोऔजी" मगध मेडिकल कालेज जिला गया निवास, तूफान गंज थाना रहुई, जिला नालन्दा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घजन के निए कार्यशाहियां करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई ी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सवधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अबंहोगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

मवाजी 4 कट्ठा 16 1/2 धूर दो मंजिला मकान के साथ जो महल्ला टिल्हा थाना सिविल लाइन, गया में स्थित होल्डिंग नम्बर 21 (पुराना) 45 (नया) वार्ड नम्बर 9 पर है। यह पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 3141 दिनांक 19-2-1979 में वर्णित है और जो जिला ध्रवर निबंधन पदाधिकारी गया के द्वारा पंजीकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

तारीख : 5-10-1979

प्रकप भाई० डी•एन० एस०---

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सचना

मारव सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 5 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० III-48/म्रर्जन/79-80----यतः, मुझे, ज्योतिन्त्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- क्पए से प्रसिक है

भोर जिसकी सं० वार्ड नं० 2 होत्डिंग नम्बर 48 है, तथा जो गया में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गया में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) अधीन, तारीख 15-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्प से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिगत से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (अन्तरकों) प्रौरः प्रन्तरिती (धम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्निचित स्ट्रेंब्य से स्वत धन्दरण लिखित में वाहतवित कर में कवित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उभत अधिनियम के बभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें म सुविधा के लिए;

शतः प्रय, उनतं प्रिवित्तयमं की घारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, सक्त प्रिवित्यमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, सर्वात् :--- मोतमात णकुरतला देवी पत्नी श्री द्वारिका प्रसाद टेशिरी रोड्गाया

(ग्रन्तरक)

 श्रो दौतत राम चङ्ढा पुत्र श्री लाला बन्ध राज चङ्ढा शहीद रोड़ गया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना आरी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकासन की सारीख से 45 दिन की घविछ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविछ, जो भी घविछ बाव में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यवितयों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य क्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास जिख्य में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी करण रू—इसमें प्रयुक्त करदों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के भव्याय 20-क में परिभावित हैं, वहां अर्थ होना, जो उस भव्याय में दिया गया है ।

घनुसू वी

1/3 हिस्सा एक किला महान का जो शहीद रोड़ थाना, कोनवाली जिला गया तथा वार्ड नम्बर 2 हो ल्डिंग नम्बर 48 में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 2993 दिनांक 15-2-1979 में विणित हैं और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी गया, के द्वारा पंजीकृत हैं।

> ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज परिक्षेत्र, पटना

तारीख : 5-10-1979

प्रकार पाई • टी • एन • एस • -----

भागकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 26 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० III-362/म्रर्जन/79-80--यतः, मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ,

क्रायकर मिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उस्त मिनियम' हुए गया है), की भारा 269-म्ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति जिनका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रू से अधिक है

श्रौर जिपकी संव सिंकन नंव 24 होल्डिंग नंव 3 वार्डनंव 9, सीट नम्बर 67 प्लाट नम्बर 112 है, तथा जो श्रगोक राज पथ पटना में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 27-2-1979

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कन के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धवापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत सिक्ष सिक है और सन्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निकित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) पन्तरण में तुई किसो भाय की बाबत, उन्न आखि-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविद्या के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी अप पा किसी अन मा अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव उक्त घिशिनयमं की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त घिषिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के सम्रोत, निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षात्:——

- (1) श्रो राम नारायण माह पिता का नाम श्री लक्ष्मण साह
 - (2) श्रो ध्रुव कुनार उर्फ गैलेन्द्र कुमार पिता का नाम श्री रामधनी शाह ग्राम—मलकी कचहरी थाना मास सलामी, पटना

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रदीप कुमार यादव पिता का नाम श्री राम बाबू यादव साकिन—मारूफगंज थाना मालसलामी किला, पटना

(अन्तरिती)

3. मैसर्म जनरल पेपर ट्रेडिंग हाउस, पटना (वह व्यक्ति, जितके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

बन्द सम्बत्ति के पर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इम पूत्रता के राजात में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधानयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान का 5 आता 4 पैसा हिस्सा जो आयोक राज पथ पटना में स्थित है और पूर्ण रूप सं दस्तावेज संख्या 1129 दिनांक 27-2-1979 में विणित है और जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा एंजी कृत है।

> ज्योतिन्द्र नाश्र संक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज परिक्षेत्र, पटना

तारीख: 26-10-1979

प्रकप आई॰ टी॰ एन० एस०---

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 239-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु-1/एस० ग्रार०- /फरवरी17/1055/78-79---पतः, मुझे, कु० ग्रंजनी श्रोजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इमर्मे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मुख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० I है, तथा जो कौशल्या पार्क हौस खास नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22ब2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथानूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत प्रधिक है और धन्तरक (प्रक्तरकों) और धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है। ---

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ब्राधिनियम के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौद/मा
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) य उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के लिए;

अतः धन, उनत अधिनियम की धारा 269-म के धन्सरण में, में, उनत प्रश्विनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— श्री म्रार० पी० कपूर (रिटाईर) पुत्र स्वर्गीय श्री राम प्रताप कपूर निवासी नं० I कौशल्या पार्क होज खास नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

- 2. मैंसर्स सूर्या इंटरप्राईजस प्राईवेट लिमिटेड एल०-34 कीर्ति नगर नई दिल्ली उनके मनेजिंग डायरेक्टर द्वारा श्री एन० के० विन्द्रा (भ्रन्तरिती)
- मैं सर्स विजय बैंक लिमिटेड (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्त्रात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझैप:--

- (क) इस सूचना के राजनक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी न्य क्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में विया मया है।

अनुसूची

मकान नं०-1 कौशल्या पार्क होज खास नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 930 वर्ग गज हैं।

> कु० ग्रंजनी ग्रोजा सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनां क 23 ग्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी० एकपु-1/एस० ब्रार०-3/फरवरी-45/1038/78-79---पतः, मुझे, कु० ब्रंजनी श्रोजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जितकी सं० 92 ह, तथा जो नेशनल पार्क लाजपत नगर-IV नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरितों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भिन्नियम के भन्नीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रत्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिर्धित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित क्यक्तियों, प्रयोत्:—

- राजेश्वर कपूर 35-ए निजामुद्दीन ईस्ट नई दिल्ली-13 (श्रन्तरक)
- 2. श्री नरेन्द्र सिंह बी-13 प्रमपोण इनकलेष नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ध्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य अयक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

्रह्म जायदाद का नं० 92 है जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज नेगनल पार्क, लाजपत नगर-IV नई दिल्ली ।

> कु० अंजनी श्रोजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज---1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नारीख: 23-10-1979

प्रकृष बाई • टी • एम • एस • ---

आयक प्रिवियम, 1981 (1981 के 43) की घारा 269-घ (1) के ध्रिवीन सृचना भारत सरकार

कार्गातर, सहायक आयक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1/2 दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० अहि० ए० सी०/एवनु-1/एम० आर०-III/30/1023/78-79→-पनः, मुझे, कु० श्रंजनी श्रोजा, आयकर मिलियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त मिलियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मिलिय सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, अनिका उचित आजार मूह्य 25,000/- ठ से मिलिक है

श्रीर जिनकी मं० ए-1 है, तथा जो कैन ग कालोनी नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इवन उपाबद अनुसूची में ऑर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्ति श्रीध कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री करण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 9-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार भूटम से कर के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्प्रति का उचित बाबार मूटक इसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐने दृश्यमान प्रतिकल का पत्त्र इतिश्वत से मधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) मौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रविकल, निम्निसित उद्देश्य से बक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथा नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किनां आप की बायत उक्त अधि-निक्ष्म के धर्मान कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे खबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धर या प्रस्य धास्तिमों को जिन्हें भारतीय धायकर ग्रीधितयम, 1922 (1922का 11) या उक्त ग्रीधितयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चादिए था, छिपान में मुविधा के सिबे;

ग्रतः, ग्रन, जनत ग्रधिनियम की धारा 269-न के अनुवरण में, में, हक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अभीन निम्नतिखित व्यक्तियों, ग्रवीव:--- श्रीमती नारायण देवी पत्नी स्व० एस० निहास सिंह एन-52 गंचशील पार्क, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्म कोहली इम्पोरटम भ्रौर एक्स० पोरटस प्राईवेट लिमिटेड 6346 नया बांस दिल्ली श्री भ्रमर जीत सिंह कोहली डायरेक्टर द्वारा

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीका सम्प्रति के अर्जन के लिए नार्वारिहा करता है।

उन्त पराति के अर्जन के सरवश्व में कोई भी माक्षेत्र :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की घर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वाध, जो भी घर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, सभी इस्ताक्षरी के पाथ विश्वित में किए का सकेंगे।

स्वष्टीकरण :--इसर्वे प्रयुक्त शब्दों खीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही धर्व होना, जो उस धक्याय में विना गया है।

घन्सूची

एह मंजिल महान नं० ए-1 जिसका भूमि का क्षेत्रफल 1001.70 वर्गगज कैलाश कालोनी नई दिल्ली में है।

> श्रंजनी श्रोजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1-2, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 23-10-1979

प्रकृप भाई • टी • एन • एस •---

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज---- 1/2, दिल्ती-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 अक्तूबर 1979

निर्देश मं० आई० ए मी० /ए०यु-1/एस० आर०-III/फरवरी/ 48/78-79/1089—-यतः, मृझे कु० ग्रंजनी ग्रोजा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रंपीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है

श्रीर जिसकी पं० गी-I[है, तथा जो बेटर कराश: निर्दे दिल्ती में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, तारीख 28-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रधीन, कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (बा) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रव्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे के सुविधा के लिए;

भतः भन्न, उन्त भिविनियम की बारा 26 ह-ग के भनुसरण में, में, उन्त भविनियम की बारा 26 ह-ग की उपवादा (1) के अधीन कि जिल्ला कि किया कि अधीन कि अधी

 श्री एम० एन० मासूद सपुत्र श्री मिरजा दाऊद निवासी मकान नं० 32 मान नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सन्त कौर कोह्ली पत्नी श्री श्रवतार सिंह कोहली और श्रीमती गुरतेज कोहली पन्नी श्रीश्रवन जीत सिंह कोहली निवासी श्रार-73 ग्रेटर कैलाण पार्ट-1, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

 श्री एन० एन० जावेरी (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भि-नियम, के भध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं भर्ष होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक मकान नंश्बी-II ग्रेटर कैलाण नई दिल्ली में है जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्गगज जिसकी हद निम्न लिखित

पूर्व : रोड़ पश्चिम : रीड

उत्तर : प्लाट नं० बी-9 दक्षिण : प्लाष्ट नं० बी-13

> कु० श्रंजनी श्रोजा सक्षम श्रधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज---1/2, दिन्ली, नई दिल्ली-1

नारीख : 23-10-1979

प्रकप शाईं । टी । एन । एस ----

धायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ(1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज—1/2,दिल्ली, न $\frac{1}{2}$ दिल्ली-1 न $\frac{1}{2}$ दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1979

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/ 1/एस० श्रार० III/ 45/ 1086/78-80--यतः, मुझे, मिस श्रंजनी श्रोजा,

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत भिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के भवीत सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्यति, जिसका उचित वाभार मूख्य 25,000/- व्यप् से भिक्ष है

और जिसकी सं0 खेती वाड़ी भृमि 24 बिधा है, तथा जो गांव सतवारी तहमील महरोली नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में; श्रौर पूर्ण रूप से वर्जित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्री करण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 21-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृध्यमान प्रतिषक के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृध्यमान प्रतिषक से, ऐसे वृध्यमान प्रतिषक के तन्द्र तिग्रत से प्रधिक है भौर प्रन्तर (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिषक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण, निक्षित म गास्तिक है में क्रियत नहीं किया गया है:---

- (क) बस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त भविनियम के घंधीन कर देने के घंग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विद्या के लिए ; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या ग्रन्थ ग्रास्तियो, को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रीवित्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीवित्यम या श्रन-कर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तिरित द्वारा श्रकट नहीं किया गया या वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उनत प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में; में, उनत प्रधिनियम, की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:--

- 1. श्री राम प्रसाद निवासी जे-14 होस खास नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री जय सिंह श्रीर श्रीमती उरमीक कौर निवासी बी-42 ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी घासेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसका किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोद्दन्ताकारी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

श्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त जन्दों घीर पर्दो का, जो उक्त घितियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

धनुसूची

खेती बाड़ी भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 बीघा जिसके साथ खमरा नम्बर 401, 504, 410 श्रीर 416 गांव सतवाही तहसील महरौली नई दिल्ली में ।

> श्रंजनी श्रोजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज — 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23-10-1979

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर माय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-I

नई दिल्ली, दिनांक 23 प्रवत्बर 1979

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एसयु०/I/एस० आर.-III/
17/78-79/1010---यतः, मुझे, मिस अंजनी झोजा,
पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें ५सके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्ष म प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित वासार

पृत्य 25,000/- रु० ये यिक है श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है, तथा जो गांव भाटी तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 3-2-1979

16) के अधान, ताराख 3-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मूल्य से
उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्
प्रतिशत से मिषक है, घीर यह लि घन्तरक (अन्तरकों) भीर
प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मित्र-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी भाय था किसी धन या भारत श्रीस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बया वा किया वाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

बतः, भव उक्त शिक्षितियम की बारा 269ग के बनुसरण में मैं; उक्त बिबिनियम की बारा 269-च की उपबारा (1) के बिधीन निम्नबिखित व्यक्तियों, बर्बात्।—

- (1) डाक्टर श्रीमती जीवन सहगल पत्नी श्री सोम नाथ सहगल
 - (2) श्री निशीथ महगल
- `(3) कानव महगल (Both miner sons) &
 - श्री सोमनाथ सह्गल under the natural guardianship of their. (ग्रन्तरक)
- 2. पिता श्री सोम नाथ महगल I पार्क लेन नई दिल्ली-1 (भ्रन्तरिती)

को यह मूनना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत पराति के प्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की घविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीया से 45 दिन के मीतर उक्त.स्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मझोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

क्पक्टीकरक :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ध्वितियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही शब्देशिया जो उस शब्दाय में दिया गवा है।

धनुसूची

कृषि भूमि जमीन जो 9 बीघा 12 विश्वा खसरा नम्बर 115 मीन $\left(6-16\right)$, 117 मीन $\left(2-0\right)$ 120 मीन $\left(0-16\right)$ गांव भाटी तहमील महरौली नई दिल्ली।

श्रंजनी भोजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23-10-1979

प्ररूप प्रार्क टो • एन • एस • --

आयक्तर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यानय, पहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 अन्तुबर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०-II/एम० श्रार०-III/ (36)/029/28-79--यत:, म्झे, मिम ग्रंजनी श्रोजा, अं(रकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ८ न के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख मं प्रधीत सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25000/- दपए है, तथा जो गांव नेब सराय तहसील थोर जिसकी सं० महरौली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के क र्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 14-2-1979 को पूर्वीक्त सम्रति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृष्यमान प्रति-कत के जिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके इंग्रामान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत याधेक है और मन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (प्रश्तरितिमों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तब पावा नया पतिकन, निस्तनिजित उद्देश्य से उता प्रस्तरण लिखिश में बास्डबिक स्मासे कथि। नहीं किया गा है:--

- क) प्रस्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (सा) ऐसी कियो बाय या कियो धन या प्रस्त पासिनयों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ग्राना चाहिये था, छिपाने में सुवेधा के लिए;

भृतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्धरण में, में, उक्त सधिनियम के धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तिक ध्यक्तियों, सर्घातः ---

- श्री जगन्नाथ गांव नेब सराय तहसील महरौली नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- मैसर्स दुगत इंजीनियरिंग कम्पनी 192 गीत्फ लिंक नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त समाति हे अर्जन के सम्बन्ध में 🐠 🕏 भी प्राप्तेष :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की सबिधि या तक्ष्मक्ष्मभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (श्र) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी श्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितब क किसी भन्य स्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्करी के पास निकात में किए जा सकेंगे ।

स्वध्दोकरण: --इतने प्रयुक्त गण्डां भीर रहीं का, बा उका सक्षि-नियम के प्रध्याय 20 का में परिभाषित हैं बही प्रवेद्वीमा, को उस अध्याय में दिया गया है

ग्रन्मुची

खेती बाड़ी भूमि रेवन्यू ईस्टर्न गांव नेब सराय तहसील महरौलीं नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 29 बीघा 2 विसवा है।

> श्रंजनी श्रोजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली नई दिल्ली 1

नारीख: 24-10-1-979

प्रक्ष ग्राई० टी० एन० एस०--

आस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 25 श्रवतूबर 1979

निर्देश सं ग्राई० ए० सी०/एक्यु०-I/एस० श्रार०-III/फरकरी-I/II/1004/79-79—यतः, मुझे, कु० अजनी श्रोजा, श्रायकर, श्रधिनियम, 1961(1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रधिक है

प्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है, तथा जो गांव सुलतानपुर तहसील महराली नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णच्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 2 फरवरी 1979 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसो श्राय की बात उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रबं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :— श्री रनजीत मिह पुत्र संर गुलाब सिह निवासी जे-5/52-एम राजीरी गार्डन नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

 श्री मुरबीर मिह पुत्र संर हरी मिह निवासी गदये पुर नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह **सु**वना जारा करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **प्रर्जन** के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सुत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दोक्तरण:---इनतें प्रश्नुकत गब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि का एरिया 10 बीधा 10 बिसवा है । जिसका खमरा नं० 42 मीन (2-16) 43 मीन (2-14) 44 (4-15) 56 मीन जनूब 0-4 नलकूष महित है । गांव सुलतान पुर तहसील महरौली में है ।

> कु० भ्रंजनी स्रोजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 25-10-1979

प्रकप साई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आपकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I, दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्राई० आर०-III 2/29/1009—यतः, मुझे कुभारी अंजनी श्रोजा, अत्यक्तर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-का के अधीन मझन प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूक्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० इ.षि भूमि है, तथा जो गांव भाटी तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-2-1979

16) के प्रधीन, तारीख 3-2-1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के जिल्त बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापृथांकत सम्पत्ति का जिलत बाबार
मूक्त, उसके बृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का
पन्नद्र प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक
क्ष से कविल नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रम्नरण से हुई किसी आय की वायत उकत अधिनियन के अधीन कर दैने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के अगर; भीर/या
- (च) ऐ ते कियी पाय या किसी घर या यन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आसकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, प्रधित्यम, प्रधित्यम, प्रधित्यम, प्रकृत प्रधित्यम, प्रकृत (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया भवा या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के पनुसरण में, में उक्त अधिनियम की बारा 269व की प्रपद्मारा (1) के बचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वोतः— अीमती डा० जीवन सहगल पत्नी श्री सोम नाथ सहगल, मिशो सहाय सहगल श्रौर कानव सहगल यह दोनों छोटे लड़के श्री सोम नाथ सहगल के इनके पिता श्री सोम नाथ सहगल के मेहतात निवासी पार्क लेन नं० 1 नई दिल्ली

(म्रन्तरक)

2. श्री संजे लिखा पुत्र श्री डाक्टर एच० एल० लिखा श्रीर डा० हरवंस लाल लीरवा पुत्र स्वर्गीय सलामत राय लीरवा श्रवने लिए, श्रीर ग्रवने छोटे न(बालिक पुत श्रजय लीरवा निवासी डी-62 हौज खास नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूबता जारी करते पूर्वोता सम्मत्ति के सर्वत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के मंबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, को भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में दितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मजोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत भ्रष्टिनियम के अख्याय 20-क में परिकालित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 19 बीघा और 11 विष्या गांव भाटी नई दिल्ली में है । जिसका खसरा नम्बर नल कूप सहित निम्नलिखित है नं० 117 मीन (2-6), 118 (4-6) 119 (3-6), 120 मीन (1-17) 115 मीन (1-16), 2045/123 (3-8), 2044/123(1-6) 124 (0-16) ।

कु० अंजनी स्रोजा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 19-10-1979

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 अक्तूबर 1079

निर्देश सं० I ए०मस०-श्राप्र-III/ 3-79/1140 यतः, मुझे, कुमारी अंजनी श्रोजा,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के पश्चीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिनका उतित बाजार मृख्य 25,000/- रू॰ से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भिम है, तथा जो गांव बिजवाणन दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 15-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलात बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिला बाजार मूल्य, जसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्राप्तिक है, और प्रन्तरक (प्रम्तरकों) भौर प्रनारिती (प्रश्वरितियों) के बीच ऐसे प्रश्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहें क्ये उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रष्टरण में हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिमियम के भ्रधीन कर देने के अन्सरक के दाविस्त्र में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्या जाना चाहिए था; डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उनत अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरक म, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की एपबारा (1) क प्राचीन निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थीत् :--- द्वारका वहामिदीपाती प्रथात्यारथी पुत्र स्वर्गीय श्री द्वारका वहामिदीपाती कृष्णा मूर्त्ती निवासी 164 जोर बाग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

 मैंसर्स हंस एयर प्राईवेट लिमिटेंड हौचईस्ट घर 3/1 आसफग्रली रोड़, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह मुक्ता कारी करके पूर्वीका तमास्ति के सर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूँ।

उत्ता समालि के प्रवेत के सम्बन्द में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मुचना के राजपन में अकाधन को नारी खासे 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी क्यन्तियों पर सुवना की तामीन से 30 दिन की अवधि, नो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त शास्तियों में ने कियो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नुवा। के राजात्र में क्रांतात्र को भारीच से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी धन्य अपित द्वारा, घन्नोहरूलाक्षरी के पास सिमित में किए जा सकेंगे।

स्थादी करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं बही भ्रयें होगा, जो उन भ्रध्याय में विया गया है।

अनुसुधी

कृषि भूमि 20 बीघा 2 विश्वा गांव विजयाशन दिल्ली में है।

> कु० भंजनी स्रोजा सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-10-1979

प्रकृष माई० टी • एन • एस • -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2098 (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संरायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षन)

श्रर्जन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 24 जुलाई 1979

निर्देश सं० 483/एकुरें-3/79-80/कलकत्ता---यत:, मुझे, भास्कर सेन, आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से घष्टिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2-ए है, तथा जो 33 डा० राजेन्द्र रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के ग्रधीन, तारीख 20 फरवरी 1979 को पूर्वोक्द सम्पत्ति के उति । बाबार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से ग्रधिक है और पन्तरेस (अस्तरकां) और पन्तरितं (प्रस्तरित्यों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर प्रन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गरा है ! --

- (क) अन्तरण **से हुई किसी पाय की बावत खवत अधि-**नियम, के प्रधीन कर देने के **धन्तरक के दाबित्व में** कमी करने या उसमें वबने में सुविधा **के लिए: धौर/**या
- (श) ऐसी किनी बाव या किना धन या अन्य प्रास्तियों गी, जिस्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर धिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के निए;

अन् अन् अन्त अधिनियम का पास 26 9-ग के अनुक प्ररूप में, में, उक्त अधिनियम की भारा 26 9-थ की उपद्यारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— मैं० प्रनामिका बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड 20 गणेण चन्द्र एवेन्यू, कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

 श्री जगमोहन सिंह गैवाल 33 डा० राजेन्द्र रोड़ कलकत्ता (श्रन्तरिती)

को **मह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पति के संबंध में कोई भी प्राक्षेत्र :~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी भविष बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास किस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसू ची

सम्चा फ्लैट सं० 2ए, दो तल्या पर जो 33 डी० राजेन्द्र रोड कलकत्ता पर ग्रवस्थित ।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

नारीख: 24-7-1979

प्ररूप भाई। टी० एन। एस।---

ायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) हथधीन स्चना

आहत वरतार

कार्यालय सहायक आगकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० 485/एकुरे-III/79-80/कलकत्ता—यतः, मुझे, भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र रू० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1 है, तथा जो विवेकानंद रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 2-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्प्रति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल है, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत सधिक है और यन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यां) के विच् तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त सन्तरण लिखित में शस्तिक हम में किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त अक्षित्रथम, के ग्रजीन हर देन के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिल ग्रीर/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों का, जिन्हें याय-कर अधिति मन, 19,2 (1923 का 1) या उन्त प्रधितियम, या प्रन्त के प्रधोजनार्थ अन्तरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त बिश्निया की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्न प्रधित्यम की बारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निखित व्यक्तियों. अर्थात :---

- श्रीमती सज्जन दुगार 15 नुर्मल लोहिया लेन, कलकत्ता (ग्रन्तरक)
 - श्रीमती मोहनी देमी सैथिया 1, विवेकानन्द रोड़, कलकत्ता

(म्रन्तरिती)

को यह सूचता जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

. . उक्त सम्यत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा को उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 2 छटाक 2 स्को० फुट जमीन साथ उस पर बनाया मकान का स्रविभक्त 1/10 हिस्सा जो 1, विवेकानन्द रोड़, कलकत्ता पर श्रवस्थित ।

भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III कलकत्ता-16

तारीख: 4-8-1979

प्रकप आई : टी ॰ एन ॰ एम •-----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीत मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज-II कलकत्ता

फलकत्ता-16, दिनांक 16 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं. ए. सी.।रेंज-II/कलकत्ता-9—यसः, मुझे, एस० सी यादव,

आयकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका छित्रत बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 129 है तथा जो ब्लाक "वी", पी० एस० लेक टाऊन कलकत्ता-28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थापाम गया प्रतिकल, निम्तिबिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण, जिल्ला में बास्तिक इप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; भीर/या
- (आ) ऐसी जिला प्राय या किना वर गा प्रस्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्रोबहा के लिए;

अतः स्रवं, उकतः अधितिस्य की धारा 269-म रा सन्-रण में, में, उकतः अितिस्य की श्रारः 269-म की उपधारा (1) के सक्षीय, निस्तलिखित ज्येयित्यों, अर्थात्— 1. श्रीमती रमा बोस

(मन्तरक)

2. श्री भ्राशीस करण भौधुरी

(मन्तरिती)

3. ग्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूबताजाराकारके पूर्वीश्त संपत्ति के प्रजेत के लिए कार्यग्रिया करता हं।

उत्त संरक्षि के शर्मन के संबंध में होई भी बाझेप: ---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर भूजना की नामील में 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अ्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ब्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकींगे।

स्पक्टीकरण: →-इसर्ने प्रयुक्त शक्यों घीर पर्दाका, जा उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिकाणित है कही अर्वहोगा, जो उस सक्ष्याय में विमागया है।

अनुसूची

Premises No. 129, Block 'B' P.S. Laka Town, Cal-28 Area : 4 Katta 2 Sq. ft.

एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, ककुकत्ता 16

तारीख 16-8-1979 मोहर : प्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) नी धारा 269-व (1) के प्रवीत सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकशा-16, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० टी० भार०-515/सी-469/कलकत्ता-1/78-79 यस:, मुझे' एस० के० दास गुप्त,

प्रामकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रिविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी स्० 9 है, तथा जो श्रीयेस्टन स्ट्रीट कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधंकारी के कार्यालय, 5, गवनंमेंट प्रेस वर्षस कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधंनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है श्रीर मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रमह अतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिता (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरम के लिए तय पाय। गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्नरण लिखित में बास्तविक का म किया नहीं किया गया है:---

- (क) पन्तरण से हुई कियो आप को बावण उवन प्रधिनियम के अधीन कर देने के घरतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ब) ऐसी किना प्राराः किसीधन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उन्त, पश्चितियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त प्रधितियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील निम्नलखित ध्यनितयों अर्थातः --

1. श्री प्रलोक कुमार भगारिया

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रतिभा चमारिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरणः --इसमें प्रकृत गाव्दों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्च होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

9. घोयेस्टम स्ट्रीट, कलकत्ता में घवस्यित, लगभग, 30,000 वर्ग फिट, जमीन पर भ्रांशिक पांच तस्ला भौर असिक चार तस्ला मकान का 1/10 हिस्सा जो 1979 साल का 5-2-1979 तारीख में I-549 श्रीड मं॰ भनुसार रजिस्ट्रार घाक एसीरेसीज कल वफ्तर में रजिस्ट्रिष्ट्या।

एस० के० बास गुप्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-I, कलकला 16

तारी**च**: 4-9-1979

प्रका धाईक डोक एतक एसक---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के धर्मीन स्वना

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-IV/कलकत्ता-19—यतः, मुझे, एस० सी० यादव,

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से धिषक है

श्रौर जिसकी सं० 44 बी है, तथा जो कार्ल मारकस सरनी कलकत्ता-23 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि त्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तर्य निश्चित में वास्त्रिक इप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उकत धींवितवम, के प्रधीन कर देने के बण्डाएक के धांबिएव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; और/वा
- (ख) ऐसी कितो प्राय या कियी धन या प्रत्य ग्राहितयों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधितयम, या धन-कर ग्रिधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रंस या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः, यब, उक्त ग्रिधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- 1. श्री सालिम ग्रानोयार होसेन

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुहम्मद कमल

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके में अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना ारी करते मूर्वीकत पम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उद्य सम्पत्ति के अर्थंप से पम्बन्य में कोई भी आक्षेग:--

- (क) इस युक्ता है एक्पन है बक्तका को तारोख में 45 दिन की अवधि भ तत्संबंधी व्यक्तियों पर जूकना की नामीन में 30 दिन की अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किया व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय से

 45 दिन के भीतर उपन स्थापन सम्बंत में

 हिनबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवाहरतालको
 के बाम निवित्त ने किल जा मकेंगे।

न्यव्होकरण:--इसमें त्रयुक्त ग्र∗तें स्वीर पदो का, जो उक्त स्वित्तियत्र के प्रद्यत्य 20क में परिसाधित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्यक्ष में दिया गया ्री

सम्सूची

44-बी, कार्ल मारकस सरनी, कलकत्ता-23 में ग्रवस्थित हादस है जमीन का पिंगान है—4 कट्टा 26 छटांक 30 स्के फुट

> एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 5-9-1979

प्राकृष आई० टी० एन० **एस०----**अप्यकर ग्राजिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर प्रायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज- ${
m I}$, कलकता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एस० एल० 502/टी श्रार०-543/सी-497/ कलकत्ता/78-89---यतः, मुझे, एस० के० दास गुष्न धायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिस्त घितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घिति सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६४ए से घ्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9 श्रीर 9/1 है, तथा जो तानवागान लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर ६मले उपावद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजिन्दी किनी प्रधिकारी के कार्यालय, प्रानिपुर में रिजिन्दी करण प्रधितिस्त, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-2-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूना में कम के कृत्याता प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिगत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त पश्चित्यम के पश्चीत कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिंघितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिंधितयम, या धन-कर धिंधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उपत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनृपरण गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात्:——

- 1. श्रीमती मिनति बनार्जी, सोगा बनार्जी, कानु मुखार्जी (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती शिभा कुन्द्रा पत्नी याशवल कुन्द्रा (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारो करक पूर्वीका सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति दारा;
- (ख) इन पूजना के राजनज में प्रकाशन को तारी ख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-जब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त गर्क्स ग्रीर नदों का, जो उक्त ग्रीधनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मन् सूची

करीब 3 कट्ठा 13 छटाक 41 स्केयर पुट जमीन जो सब-रजिस्ट्रार, आलीपुर द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलित सं० 876/ 1979 का श्रनुसार है।

> एस० के० दास गुप्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 7-9-1979

प्रकृप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

धाथकर प्रधितियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ(1) के घ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 590/एकुरे-III/79-80/कल०---यतः मुझे, भास्कर सेन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्वात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के खबी। सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट जी, वो तल्ला पर है, तथा जो 2
मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
प्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी
के कार्यालय, कलकता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908
(1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16 फरवरी 1979
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रतिफल के लिये घन्तरिस की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्तह
श्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) और धन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण निकात
में वास्त्रिक इप से खित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाषा-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन्यं अत्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के निए।

धतः भ्रम, उसत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत् !—

- 1. श्रीमती निलीमा दास 25 ए, साउथेन्ड पाकै, कलकत्ता। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुलेखा सरकार 22/6 बुधु श्रोस्तागर लेन, कलकत्ता-9।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के <mark>प्रजैन के लिए</mark> कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या क्षरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की ठारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से दितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उसत श्रवि-नियम के शब्दाय 20क में परिभाषित है, वहीं शर्य होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

पपुच्ची

समूचा फ्लैट सं० जी, दो तल्ला पर जो 2, मन्डेमिल गार्डेनस, कलकत्ता पर मर्वस्थित ।

> भास्कर सेम सक्षम प्राधिकारी सिहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-III, सलकत्ता-16

तारीख : 10-9-1979

प्रकृष भाई- टी- एन० एस-----

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ंग्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निवेश मं० 503/टी० श्रार०-518/सी०-476/कलकत्ता-1/78-79--- पतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता आयकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्त श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्प्रसि, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

ष्ठौर जिसकी सं० 69/1 (तीसरा हिस्सा) है तथा जो रतन सरकार गार्डेन स्ट्रीट, कलकत्ता-7 में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्लेस, नार्थ, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भीर मृत्रों यह विश्वास करने का सारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का उग्बह प्रतिवात से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (प्रश्वरितिमों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा गना प्रतिकल, निम्नक्षिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में नास्तिकल रूप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरम सं हुई किसी आय को बाबन उनन अधि-नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वाधिस्व में कभी करने था उसने वचने में सुविधा के निये; शीर/या
- (का) ऐते कियो आम या किया घन या अन्य पास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घधिनियम, 1922 (1922 का 11) भाउनत घधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना आदिए था, खिवाने में मुविधा के निवे;

अतः प्रव, उक्त अधिनिया मा गारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोग :---

- (1) सर्वश्री
 - (1) सनत क्मार वसाक
 - (2) अशोक कुमार वसाक
 - (3) तरित कुमार वसाक
 - (4) अनस्त क्मार वसाक
 - (5) मनोरमा मेन
 - (6) स्नानिमरानी केरा
 - (7) निलिया रानी वसाक
 - (8) पुनिमा रानी क्साक
 - (9) सूपन कुमार क्साक

(प्रन्तरक)

- (2) सर्वश्री
 - (1) राधा कृष्ण केदिया
 - (2) हीरा लाल केविया
 - (3) मोहन लाल के दिया
 - (4) बालकृष्ण के दिया
 - (5) कमल किशोर केदिया

(ग्रन्तरिति)

(3) श्री प्रमोद रंजन वसाक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंस के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख सं 45 दिन की भविष्ठ या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी ग्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिबात में किये जा सकेंगे।

श्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पर्दी का, जो जक्त अधिनियम के घश्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस महयाय में विया गगा है।

अमुसूची

करीब 5 गट्ठा जमीन साथ उस पर बनाया प्रांशिक दोतल्ला ग्रीर तिनतल्ला मकान का ग्रविभक्त 2/3 हिस्सा जी 66/1 रतन सरकार गार्डेन रोड, कलकत्ता-7 पर ग्रवस्थित ग्रीर जो दलील सं० ग्राई०-1038/1979 के ग्रनुसार है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 12-9-1979

- प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

क्षायांत्रव, पद्धानक आयक्तर प्रापृत्त (निरीक्षण)

ग्रजॅन रेंज-II, कलकत्ता

क लक्ष्मा, दिनांक 28 सितम्बर 1979

निवेश सं० ए० सी० 36/रेंज- /कलकत्ता/1979-80----यतः, मन्ने, एस० के० वासगुप्ता

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

म्रोर जिसकी सं० 39, है तथा जो वांगुर एवेन्यु, भाज्य दमदम में स्थित है (भ्रोर इससे उपाधक अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय. सब रजिस्ट्रार, श्रुलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रुधीन, तारीख 14-2-1979

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का प्रमुख प्रतिशत से श्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरक निष्विखन में नास्तरित ह का से कियान नहीं तिथा गया है:---

- (क) ग्रस्तरण से हुई फिमी प्राय की बाबत, उकत ग्रीवित्यम के ग्राचीन कर वेने के श्रम्तरक के शायित्य में कमी करने वा उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (मा) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रायः प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की थपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्री पतित पावन गृह

(अन्तरक)

(2) (1) श्री प्रवेश कुमार दे, तथा (2) श्री सुवीर कुमार दे।

(अन्त रिती)

(3) अन्तरकः। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के ग्रजंन के सिए कार्यवाहियां करता है:

उदत सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त सभ्दों और पर्वो का, जो उन्त प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1/3, ब्लाक "डि", बांगुर, साउथ दमदम म्युनिसिपैलिटी में 5 के— 33 वर्ग फुट जमीन है।

> एस०के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज-II, कलकत्ता-16

ता**रीण** : 26-9-1979

प्रकृप भाई० टी॰ एन० एस०---

भायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यातय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० सी० 62रिंज- V/कलकत्ता/1979-80---- यतः मुझे, एस० के० वासगुप्ता

धायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मूख्य 25,000/-चपए से घिषक है

स्रौर जिसकी सं० 679 है तथा जो सरत चन्द्र चटर्जी रोड, णिवपुड, हाबड़ा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्या-लय हाबड़ा में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 9-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की नई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से भिष्ठ है भीर यह कि घन्तरक (घन्तरकों) और धन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से खक्त बन्तरण निष्तिया में वास्तविक कप से कावित नहीं किया गया है:---

- (ह) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रीवित्यम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायिस्त में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या फिसी धन या प्रम्य भाक्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रवः धव, उक्त धिविनयम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिविनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यांश्:→→
17—326GI/79

(1) श्री गदाधर नाथ

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दीनेश चन्द्र दास

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्राति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्रीप--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी प्रक्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पाम जिखित में किए जा सकेंगे।

सावडी करना: ---इसमें अयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उक्त ध्रीविनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

679 सरत चन्द्र चटर्जी रोड, गिवपुड़, हाबड़ा पर स्थित 3 का०, 16 छ० 39 वर्ग फुट जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलीन सं० 324 में घ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 24-9-1979

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰------

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० ए० सी० 63/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80— यतः मृष्ठो, एस० के० दासगुप्ता, प्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मृस्य 25,000/- रुपये से घिषक है।

ग्नौर जिसकी सं 0 1/61 है तथा जो बांगुर एवेन्यु पी० एस० राजारहाट में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबत श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कन के वृश्यमान प्रतिफल के लिए सम्तरित की गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (प्रम्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निखित में वास्तिक कप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घम्तरक के वायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी सन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रविविषम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविविषम, या सन-कर प्रविविषम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुक्तरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपवादा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थक्तियों, प्रचौत्:--- (1) श्री स्रोमप्रकाश दाकानिया, द्वारिका प्रसाद सःलार-पुनिया

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लछी देवी केसेरा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजॅन के सम्बन्ध में सोई भी प्रास्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की ग्रवधि, या तक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ध्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा जो उस भ्रष्याय में विया पया है।

अनुसूक्षी

1/61, बांगुर एवेन्यु, पी० एस० राजारहाट पर स्थित 5 कट्ठा, 28 वर्ग फुट जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 795 में श्रीर पूर्ण रुप मे वर्णित है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ृष्र्यर्जन रेंज-^IV, कलकत्ता-16

तारीख: 24-9-1979

मोहरः

प्ररूप धाई• टी॰ एत॰ एस॰-----

भागकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के समीन सूचना]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० 64/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80— यतः मुक्षो, एस० के० दासगुप्ता,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घिना सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ४० से घिक है

स्रोर जिसकी प्लाट सं० 308 है तथा जो मैजा बराकर जिला बर्धमान में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के यूक्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्तरित की गई है मौर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है मौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित प्रन्तरण निखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सक्त धिष्टिनियन के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अग्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः धव, उक्त अधिनियम, की खारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त धिधनियम की खारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निकासियित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री नाथमल श्रागरवाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्याम सुन्दर ग्रागरवाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी भाकीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की भविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की भविधि, जो भी
 भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रिक्तीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ध्रुड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ध्रुड्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सी० एस० प्लाट सं० 308, ग्रार० एस० प्लाट सं० 345, ग्रार० एस० खित्यान सं० 955, मैंजा बराकर, पी० एस० कुलति, बर्धमान, परिस्थित 0.06 डेसिमेल जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 825 में ग्रोर पूर्ण रूप से विणित है।

एस० के० दासगुप्ता सञ्जम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16।

तारीख: 24-9-1979

प्रकृष आई • टी • एन • एस •---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी०-65/रेंज-5/कलकसा/1979-80--यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता घिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- इपये से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० दाग सं० 45 है तथा जो मैजा साहेरा, पों० एस० दमदम एयरपोर्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूर्चः में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय कोथिपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारोख 23-2-1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूरूप, ससके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृक्ष्यमाम प्रसिकल का पन्द्रह् प्रतिशतसे प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेश्य से उना अगारम जिक्रिया में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है ः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उद्देश प्रधिनियम, के प्रधीत कर देने के प्रकारक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयीजनार्थ अन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविभा के सिए;

श्रदः भग, उन्त श्रीष्ठनियम, की आरा 269न्म के अनुसरण में, में, उन्त श्रष्टिनियम की धारा 269क्ष्य की उप-धारा (1) के अधीन निम्तनिखित श्रिश्यमं, अर्थात्≀-- 1. श्रीमती दुर्गा बाला दासी

(ग्रन्तरक)

2. श्री गोरचन्द्र मन्डलं, सन्धा रानी मन्डलं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वार्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (ब) इस मूचना के राजपत में प्रवाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधीहरता-क्षरी के पाम लिखित में किये जा सक्तें।

स्पश्चीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस मह्याय में दिया गया है।

अ**न्**सूची

दाग सं० 45, मैजा साहेरा, पी० एस० दमदम एयर पोर्ट, पर स्थित 3 बीघा 4 छटांक जमीन का सब कुछ, जैसे कि 1979 का दलील सं० 1285 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 24-9-1979

प्रकप बाई॰ दी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी०-66 /रेंच-IV/कलकता/1979-80--यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिस्त बाजार मूल्य 25,000/६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ज्लाट सं० 244 है तथा जो प्रधान नगर, सिलिगुरि, वार्जिलिंग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिनकारी के कार्यालय, सिलिगुरि में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-2-79 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (यन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रमारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रसरण लिखित में वास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधि-नियम के ध्रधीन कर थेने के ग्रन्सरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, फिशने में सुविधा के लिए ;

अतः सब, उन्त धिविनयम की छारा 269-ग के सनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की छारा 269म की उपधारा (1)के सधीन, निम्मलिखिश ध्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्रीमती धनमाया तामां

(अन्तरक)

(2) श्रो विनय मलहोत्रा

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वीक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन की भविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशम की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी मन्य स्थापत द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के मान निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्यों भीर पदों का, जो उक्त श्रध-नियम के झड़याय 20क में परिभाषित हैं, वही सर्वे होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

थनुसूची

प्लाट सं० 244, प्रधान नगर, सिलिगुरि, दार्जिलिंग परिस्थित 10 कट्टा जमीन का गब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 749 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दासगुष्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकसा

तारीख: 24-9-1979

प्रकप थाई • टी • एन • एस •---

अधकर ग्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, कलकसा

कलकता, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० 504/टी० मार०-516/सी०-470/कलकत्ता-1/78-79-यतः मुझे भाई० वी० एस० जुनेजा,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 67 है तथा जो दुर्गाचरन ठाकुर रोड, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से प्राप्तिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) मोर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निचित्त में बास्तरिक कम से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए भीर/या;
- (ख) एसी किसी ब्राय ना किसी धन या ग्रन्य ग्रास्त्यों को, जिन्हें भारतीन ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनयम, या धन-कर ग्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के सिए;

भतः प्रव, उनल श्रीधनियम की घारा 269-म के धनुसरण में, में, उन्त श्रीधनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के बाबीन, निम्नविधित व्यक्तियों, प्रयोध :--- (1) श्रीमती सखी सोना स०

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो दीनबन्धु स०

(अन्तरिती)

(3) (1) श्रोमती किशोरी बाला घोष, (2) श्रो परिमल चन्द्र घोष, (3) श्री कालो चरण राजक। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभीग में सम्पत्ति है)

का यह सूत्रना जारी करके पूत्रोंना सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के श्रर्यन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की घ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की घ्रविध, जो भी घ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूचना के राजपत्न में प्रकामन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

श्यक्ती तरम: --इमर्मे प्रयुक्त शक्दों और पदों का जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20~क में परिमाणित हैं, बड़ी अयं होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

67 दुर्गा चरण डाक्टर रोड, कलकत्ता म प्रवस्थित, 5 कट्टा 3 छटांक जमीन पर श्रांशिक, एक तल्ला और दो तल्ला मकान, जो 14-2-79 तारोख का डोड नं० श्राई-761 के श्रनुसार रजिस्ट्रार श्राफ एयसुरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

श्रार्षः वी० एस० जुनेजा मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 24-9-1979

मोहरः

प्रकप साई० टी० एन० एस •----

मायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-IV, 54, रिफअहमद किदवाई रोड, कलक्सा

कलकत्ता, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० 67/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80-यतः मुझे एस० के० दास गुप्ता,
धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जक्त धिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख
के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/क० से धिधक है

ग्रीर जिसकी सं० दाग सं० 3229 है तथा जो परगना बैकुन्ठ पुर सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबल प्रनुसुनी सें ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सिलिगुड़ी में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 26-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान भ्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मृते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्राया प्रतिफल निम्नलिखित उहेश्य से एकत भन्तरण लिखित में वास्ताक कप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिन्न नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धाय धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध ग्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रजित कुमार दास

(अन्तरक)

(2) मैसर्स इकनामिक इंजीनियरिंग वर्कस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के ख़िए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त श्यावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी यन्य व्यक्ति द्वारा घड़ोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त गर्क्यों और पदों का, उक्त मधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

परगना बैंकन्ठपुर, मौजा तथा थाना सिलिगुड़ी, जिला दार्जिलिंग, खिलियान सं० 1252, दाग सं० 3229, जे० एल० सं० 110, होल्डिंग सं० 85, स्थित 14 कट्टा 11 छटांक जमीन तथा स्ट्रकचर्स जैसे कि 1979 का दलील सं० 1286 में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है।

एस० के० दास गूप्ता, सक्षम प्राधिकारो, सहायक **भ्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I**V**, कलकत्ता ।

सारीख: 24-9-1979

प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सम्रीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV 54, रफीअहमव किदवाई रोड, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 24 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-68/रेंज-IV/कलकता/1979-80---यतः मुझे एस० के० वास गुण्सा,

आयकर ग्रीधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ण्लाट सं० 8811 है तथा जो थाना तथा मीजा मिलीगुड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची म श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सिलिगुड़ी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16-2-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से प्रधिक है बोर प्रन्तरित (प्रम्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित कहा पर उरण जिल्ला में वास्तिक रूप से क्षित नहीं। किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त किन्न नियम, के अधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य भारितयों को, जिल्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टित्यम, या धन-फर श्रिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना साहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः प्रज्ञ, उन्त अधिनियत्र की घारा 269-प के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियन की बारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिखित व्यक्तियों, प्रचौद:- (1) श्री श्री दुलाल चनद्र दे

(भ्रन्तरक)

(2)श्रो पियारी साल ध्रगरवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उत्त प्रमाति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि था तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो की धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजात में प्रकाणन को नारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदशैकरण :--इसमें प्रयुक्त जन्तों धीर पर्दों का, जो उत्का प्रशिविषम के प्रव्याय 20क में परिभावित है, वहीं प्रथं होना जो उस अव्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

ण्लाट सं० 8811, खितयान सं० 4629, मौजा तथा थाना सिलिगुड़ी, जिला दार्जिलिंग, स्थित 741 वर्ग फुट जमीन तथा उस पर स्थित मकान का धिविभाजित 1/3 धंग जैसे कि 1979 का दलील सं० 1007 सें घ्रौर पूर्ण रूप से विणित है।

> एम० के० दासगुप्ता, सक्षम प्राधिकारो, महायकम्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16।

तारीख: 15-10-1979

प्ररूप माई • टी० एन • एस • —

आयकर प्रधिनियम 1981 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-IV 54, रफीश्रहंमद किदवाई रोड, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 24 सितम्बर, 1979

निर्देश मं० ए० मी०-69/रेंज-IV/कलकत्ता 1979-80 यत: मुझें एस० के० दासगुप्ता आनकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रुपये से क्रिक है

स्रोर जिसकी मं० प्लाट मं० 8811 ई तथा जो थाना तथा मौजा सिलिगुड़ी में स्थित है (स्रवेर इसमे उपाबद्ध सनसूची में स्रोर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकरण स्रधिनकारी के कार्यालय सिलिगुड़ी में रजिस्ट्रीकरण स्रधिननियम, 1908 (1908 का 16) के स्रतीन तारीख 17-2-1979 को पूर्वीता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत सधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) भी भन्तरिती (भन्तिकीं) भी भीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई िकसी श्राय की बाबत जनत अधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ोमो किनो आय ना किनो बन ना श्रन्य श्रास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम या धन-कर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भिन्नियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविचन व्यक्तियों, अर्थात्:—18-326G1/79

(1) श्री दुलाल चन्द्र दे

(ग्रन्तरिक)

(2) श्री महाबीर प्रसाद श्रग्रवाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राड शेकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट सं० 8811, खतियान सं० 4629, मौजा तथा धाना सिलिगुड़ी, जिना दार्जिलिंग स्थित 741 वर्ग फिट जमीन तथा उस पर स्थित मकान का ग्रविभाजित 1/3 ग्रंग जैसे कि 1977 का दलील सं० 1039 में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दासगुप्ता सञ्जम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रार्वन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 24-9-1979

प्ररूप आई • टी • एन • एस • —

आयकर **अधिनियम, 1**961 (1961 का **43) की धार** 2**69**न्थ (1) के **अधी**न सु**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेंज-IV, 54, रफीअहमद किदवाई रोड कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 24 सिनम्बर, 1979

निर्देश मं० ए० सी० 70/रेंज-V/कलकत्ता/1979-80---यतः मुझे एस० के० दासग्प्ता भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित म्ह्य 25,000/-**रुपये** से घष्टिक है भ्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 8811 है तथा जो पी० एस० तथा, मौजा सिलीगुड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध **प्र**नुसूची यमें भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्षालय, सिलीगुड़ी में रजिस्ट्रीक ण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्वित बाजार मृख्य से कम के वृत्रयमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) पौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर मन्धरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरम से हुई िकसी भागकी बाबत जनन प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अम्तरक के दायिम्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, अन्हें भारतीय भायकर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में सुविधा के लिए:

धराः, स्वः; उक्तः प्रविनियम की आरा 269-ग के प्रमु-सरण में, में, उक्तः प्रोधिनियम की धारा 269-भ की श्रपणारा के (1) अधीन निम्मलिखन व्यक्तियों, अर्थांत् :--- (1) श्री बुलाल चन्द्र दे

(भ्रन्तरक)

(1) श्री मांगराम ग्रग्रवाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनधि, जो भी घनधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बादा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए था सकेंगे।

स्यव्योक्तरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उतन ग्रधि-नियम के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

प्लाट सं० 8811, खंँ तियान सं० 4629, मौजा तथा थाना सिलीगुड़ी, जिला दार्जिलिंग स्थित 741 वर्ग फिट जमीन तथा उस पर स्थित मकान का श्रविभाजित 1/3 श्रंग जैसे कि 1979 का दलील सं० 1099 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दासगुत सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) द्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-1

तारीख:

मोहर : 24-9-1979

प्ररूप धाई• टी• एन• एस•----

अ.यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अभीन सुवना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-IV, १४, रफीअहमद किदबाई रोड कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1979

निर्बेश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कलकत्ता/1979त80---यत: मुझे श्राई० भि० एस० जुनेजा वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र• में प्रश्चिक न्नीर जिसकी सं० ए० 1/2 है, तथा जो दिनु लेन हावडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हावडा में रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 27 फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रत्तरितियों) के बीज ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उन्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया यया है:---

- (क) अन्तरण ये हुई किसी बाय की बाबत, उकत ग्रिशियम के ग्रहीन कर देने के श्रम्बरक के ग्रायिश्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए: शीर/शा
- (ख) ऐनी किनी आय या जिनी घन या मण्य मास्तियों को जिन्हों भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, फिपाने में मुविधा के किए;

अता धन, उनत धावितियम को घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनल अधितियम, की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रमापति भट्टाचार्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगतपति भट्टाचार्य

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना नारों करके पूर्वीकन सम्पति के अर्जन के निए कार्यक हिंगों करना हूं।

उक्त समालि के प्रजंग के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की प्रविध्य में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की प्रविध्य के स्थान की तामी ल से 30 दिन की प्रविध्य, भी भी प्रविध्य बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा नकींगे!

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया, जो उस अध्याय में दिया गया है:

अमुसुची

1/2, दिनु लेन, हायड़ा पर स्थित 4 कट्ठा, 5 छटांक, 30 वर्ग फिट जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 296 में और पूर्ण रूप से विणित है।

आई० भि० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीखा: 8-10-1979

प्रकप बाईं वी • एन • एस • ---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-IV, 54 रिफअहमद किदबाई रोड़ कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 श्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० ए० सी०/72/रेंज-IV/कलकस्ता/1979-80-यतः सुझे श्राई० भी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सवाम प्रधिकारी को यह जिश्वास करने का कारण है कि श्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संव दाग संव 1359, 1361, 1362, 1363, 1365 श्रीर 1367 है तथा जो मौजा राजारामपुर पीव एसव सुटाहाटा, मिदनापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सुताहाटा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 3-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूख्य से इस के बृश्यमान प्रतिफन के लिए पन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करमें का भारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिकात से प्रधिक है भीर पन्तरक (पन्तरकों) और पन्तरिती (पन्तरितयों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है। ---

- (क) अन्तरम से हुई किमी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी मात्र या किनो अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भविनियम को धारा 269-ग के धमुसरण में, में उक्त अविनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अवीन, निम्नलिखित भ्यक्तियी अर्थात् '--- (1) श्री रानु गुप्ता

(भ्रन्तरक)

(2) हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षप:--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घष्टोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 1359, 1361, 1362, 1363, 1365 एवं 1367, मौजा राजारामपुर, पी० एस० सुताहाटा, मिदनापुर पर स्थित 0.822 एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 1003 में और पूर्ण रूप से विणित है।

श्राई० भि०एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेंज-IV,कलकत्ता

तारीख: 8-10-1979

प्ररुप माई० टी०एन० एस०---

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-IV 54, रिफअहमद किदबाई रोड, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 29 म्रक्तूबर, 1979

निर्देण सं० ए० सी० 82/रेंज-4/कलकत्ता-1979-80---यतः मुझे एस0 के0 दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- द० से अधिक है,

श्रीर जिमकी सं० खितियान 352 है तथा जो थाना तथा मीजा चन्दननगर, जिला हुगली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुगली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-2-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृध्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृध्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशा से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक कर से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उसमें बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अण्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या अन-कर ग्रिधिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रामा या या वा वा किया जाना नाहिए था, खिपाने भें सुविधा के लिए।

अतः अव, उभा प्रवितियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उमत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री कानाई लाल घोष

(ग्रन्तरकर्

(2) श्री भ्रखय कुमार साहा श्री सुख रन्जन साहा श्री निरन्जन साहा

(ग्रन्तरिती)

का यह सूबना जारी अरके पूर्वोंका संपत्ति के **मर्जन के** लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उका संपति के पर्यंत के संबंध में कोई भी धार्षीप :---

- (क) इस सूचाा के राजरत में प्रकाशन को तारीबा से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की घवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी क्वक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित- बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण : -- उपमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का जो जक्त शिक्षितिसम के श्रष्टवाय 20-क में परिशाधित हैं, वही शर्थ होगा जो, उस शब्दाय में दिवा गया है।

प्रमुसुधी

.104 एकड़ जमीन साथ मकान मौजा तथा थाना चन्द्रनगर जिला हुगली, खतियान सं० 352, प्लाट सं० 624 जे० एल० सं० 1, जैसे कि 1979 का दलील सं० 734 में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दामगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-IV, कसकक्ता

तारीखा : 29-10-1979

मोहरः

प्ररूप आई० एन० टी० एस०---

ध्रायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ध्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 श्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० 619/ग्रर्जन रेंज-111/79-80/कलकत्ता—यतः मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्दर प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर मंपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1 है तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यायल, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-2-1979

16) क अधान, नाराख 22-2-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिपत्त से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृष्यमान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-प्रन निम्नलिखित उद्देश्य से उचन अन्तरण लिखित में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (भ) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उबत श्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उमज बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या भन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या भिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः भव, उक्त मधिनियम, की धारा 269-य के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, भवातः ---

(1) श्रीमती शकुन्तला देवी किल्ला

(भ्रन्तरक)

(2) श्रमर दीप को-भ्रापरेटिय हार्जिसग सोसाइटी लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

कायह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के ांतए कार्यवाहिया करता हूं।

उना नन्नति के सर्वन के मध्वन्य में कोई भी प्राक्षिप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इप सूत्रा के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर मंगत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाडडोकरण: --इसमें प्रयुक्त सम्बों भीर पदों का, जो आयकर भविनयम के भव्याय 20क में परिभाषित है, वही सर्च होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमृसूची

करीब 5 कट्टा 6 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्रक्चर्स जो 1, शरत बोस रोड, कलकत्ता पर भ्रवस्थित है।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IJI, कलकत्ता

तारीखा : 29-10-1979

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस०म्स≖

क्षायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिनि सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रॅंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 29 ग्रक्तूबर, 1979

निर्देश मं० 620/ग्रर्जन रेज-III/79-80/कलकता—यतः मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धन्नीम समम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से धिक है

श्रौर जिसकी मं० 1 है तथा जो णरत बोम रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16' के श्रधीन, तारीख 22-2-1979

को पूर्वोक्त नम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ब्रिकि है और अन्तर्रक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाम की बाबत उसत धिक्षित्यम के सभीन कर देने के भन्तरक के बायिस्त में कमी करने या उससे बचन में सुविक्षा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अग्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या झन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्सिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में शुनिधा के निए;

धतः धव, उन्तं धिवित्यमं भी धारा 269-मं के धनुसरम में, मैं धनतं धिवित्यमं की घारा 269-मं की उपधारा (1) धिधीन, निम्नलिनित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

- (1) सर्वश्री
 - 1. बद्रीनारायण अग्रयाल
 - 2. गौरी शंकर श्रग्रवाल
 - 3. द्वारका प्रसाद भ्रम्यवाल
 - 4. कैलाभ बजारिया
 - 5. सुभाष बजारिया
 - 6. राम नगीना सिंह

(भन्तरक)

(2) ग्रमर दीप को-ग्रापरेटिव हाउसिंग मोसाइटी लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूवना जारी करके पूर्वों तन सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी मान्नेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविधि या तत्सं वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबड़ किसी झन्य व्यक्ति द्वारा, झन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के घड़्याय 20क में परिभाषित हैं बही प्रयं होगा, जो उन घड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 9 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्रक्चर्म जो 1, भरत बोय रोड, कलकत्ता पर प्रवस्थित है।

श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 26-10-1979

प्ररूप आई०टी० एन० एम० →

श्राबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 ग्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० 621/श्रर्जन रेंज-III/79-80/कलकता—-यतः, मुझे, श्राई० बी० एस० जुनेजा भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

धौर जिसकी सं० 1 है तथा जो गरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के ग्रधीन, तारीख 22-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर
ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त ग्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण) क, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बसन्त कुमार तिबरेबाल श्रौर श्रशोक कुमार निबरेबाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्रमरदीप को-श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जकरके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 9 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्रक्चर्स जो 1, गरन बोस रोड, कलकत्ता पर प्रवस्थित।

> श्रार० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-III,

> > कलकत्ता-16

तारीख : 29-10-1979।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन क्षेत्र-57, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 29 सितम्बर, 1979

निदेश र्सं० 85-बी/ग्रर्जन-79-80---- ग्रतः मुझे ग्रमर सिंह बिसेन

ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- रुपए से ग्रिविक है

भौर जिसकी सं० 488 स्कवायर यार्ड 35 भ्रराजी है तथा जो 35 सिविल लाइन रामपुर बाग, बरेली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 16-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए'।

म्रतः म्रव, उन्त मिधिनियम की घारा 269-ग के म्रनुसरण में, में, उक्त मिधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के मिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

19-326GI/79

(1) श्री कृष्णा मुरारी लाल श्रग्रवाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बैजनाथ उपाध्याय

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशित की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारमः
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पढिठीकरण:--इनमें प्रपृक्त शब्दों पौर नदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता भाराजी 488 स्क्वायर यार्ड जिसमें बाउन्डरी वाल सम्मिलित हैं, जो कि 35 सिविल लाइन रामपुर बाग बरेली में स्थित हैं सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण सेलड़ीड व फार्म 37-जी नं० 895 में विणत है जो कि सब रजिस्ट्रार कार्यालय बरेली में दिनांक 16-2-79 को दर्ज है।

> भ्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29-9-1979

प्रंकेष धाई • टी • एन • एस •----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 27 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 632—यतः मुझे सुखदेष चन्द आमकरं श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीविनियम' कहा गका है), की घारा 269-ख के श्रीवन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रसित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-स्पए से श्रीवक है

और जिसकी संख्या जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो न्यू सूर्य नगरी, ग्रबोहर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-3-1979 को

पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से अम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरक) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरच लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर वेन के धन्तरक के वायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिषिनियम या धन-कर भिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रब, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री राम कुमार पुत्र गुपाल राम गली नं० 7 मई मनाड़ी, मनोहर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गिरधारी लाल पुत्र ग्रमीर चन्द जैन नगरी श्रवोहर।

(प्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (कह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में उम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रम्य व्यक्ति बारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी इरण :—इसमें प्रथुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जी उसते प्रितियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयें होगा जो उस मध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

जमीन जो विलेखं नं० 2804 सिटी 30-3-79 को रिजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रजोहर में लिखा गया है।

> सुखदेव चन्द संक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रावकर भ्रायुक्त (तिरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 27-9-1979

मक्प प्राई• डी• एत• एत•----

पावकर प्रमिनियमः 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के समीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 27 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० पी० सं० 631—यतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इक्षमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीम सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्ष 25,000/- द० से मधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो मन्डी श्रवोहर में स्थित हैं (और इससे उपावक्ष श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रवोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिया बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान श्रतिकत के लिये सन्तरित की गई है भीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके बृश्यमान श्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान श्रतिकल का पन्यह श्रविशत से व्यासक है भीर अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित्ती (अन्तरित्तों) के बीच हैसे अन्तरक के निएतय पाया नया श्रतिकल, निम्नित्तिकत उद्देश्य से खन्त अन्तरच कि बित में वास्तिक कप के कित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरच से तुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के संसीन कर देने के शन्तरक के वाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बीर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी वन या प्रम्थ प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर श्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या जकर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया साना वाहिये था, जिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 26 9-व के अनुसरण में, में, उक्त मिंधिनियम की धारा 269-व की व्यवसारा (1) के अम्रीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, वर्षात् ।—

- (1) श्री राम चन्द पुत्र वावा राम वासी मकान नं० 1266 गली नं० 6, मंडी झबोहर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती स्वर्ण लता पत्नी भविनाण चन्न्र वासी मकान नं० 1266 गली नं० 6 मंडी भ्रबोहर (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति ने धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी धर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीका से 45 विस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोद्दस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किसे जा सकेंगे।

क्ष्यच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त अधिलियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्ष हागा, को उस धध्याय में दिया गया है।

ग्रन<u>ु</u>सूची

मकान जो कि विलेख सं० 2705 तारीख 19-3-79 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रवोहर में है।

> सुखदेव चन्द सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 27-9-1979

प्रकप धाई • ही • एन • एस •----

मायकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 म (1) के प्रतीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भटिण्डा कार्यालय

भटि डा, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निवेश सं० ए० पी० नं० 629—यतः मुझे सुखदेव चन्द पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि श्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुस्ची में लिखा गया है स्था जो नई बस्ती भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाखार मृश्व से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घषिक है भीर अन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्व, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कवित नहीं किया गया है !——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाथ की बाबत, उक्त श्रीविनयम, के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के वाशित्व में इसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी घन या जन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हां मिशियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

यतः सन, उक्त प्रविनियम की बारा 269न्य के अवृत्तरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन; निम्नसिवित व्यक्तियों, प्रचीत् !---

- (1) श्री अगीर सिंह पुत्र गोपाल सिंह वासी हाउस नं० 3084 एच० गुरु नानक सैक्टर भटिण्डा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नरायन सिंह पुत्र हरी सिंह वासी 1339/ए गली नं० 1, नई बस्ती भटिण्डा।

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए डार्बनाह्नियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के संबंध में को । भी ग्राक्षीप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में श्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों घीर पर्दों सा, जो उक्त प्रधिनियम के घड्याय 20 में परिमाधित है, वही अर्थ होगा जो उस घड्याय में दिया वया है।

सन्दुषी

मकान जो कि विलेख नं 0 5703 दिनांक 12-3-1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिण्डा में लिखा गया है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 18-9-1979

मोहरः

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰——— भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्तय, सहायक धायकर भागुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निवेश सं० ए० पी० नं० 630—यत: मुझे सुखदेव चन्द भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के भधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से भश्चिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो गली नं० 8 न्यू ग्राबादी श्रबोहर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रबोहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूला, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से भिन्न है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिक कप से स्थित नहीं श्रिया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई निसी मान की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरस के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या जिसी घन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिंचित्रम, या धन-कर घिंचित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

शत: मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुवरक में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की क्ववारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-- (1) श्री सीतल दास पुन्न लाल चन्द पुन्न बूल चन्द वासी गली नं० 7, मबोहर मंडी।

(ग्रन्तरक)

(2) स्वामी लाल ठाकर गही निणां सेवक साहिब भटल ज्योति मंडी वासी गली नं० 8 न्यू भ्राबादी भवोहर।

(मन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के के 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितब स किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभावित हैं, बही भ्रषं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

वनुसूची

गली नं 8 न्यू ग्राबाधी ग्रबोहर मकान जो कि विलेख नं 2547 मिती 2-3-1979 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रबोहर में लिखा गया है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधाकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 27-9-1979

प्रसप माई० टी० एन० एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, भटिण्डा कार्यालय

भटिण्डा, विनांक 18 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० पी० सं० 628—यतः मुझे सुखदेव धन्द भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा नया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-द० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो नई बस्ती भिटण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भिटण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रम्तरण लिखित में वास्तिकल, निम्नलिखित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मिन्नियम के भ्रमीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भ्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें प्रायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन-कर प्रश्नितिग्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तित्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्चीत्—

- (1) भी जंगीर सिंह पुत्र गुपाल सिंह वासी म० नं० 3084 एच, गुरु नानक सेक्टर, भटिण्डा।
- (2) श्री संतनाम सिंह पुत्र नरायन सिंह वासी 1339/ ए, गली नं० 1, नई बस्ती, भटिण्डा।
- (3) जैसा कि ऊपर र्न ० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद किसी भन्न कालेन द्वारा, अभोर्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थवदी सरगः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-स में परिभाषित है, वही अर्ब होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुतूची

मकान जो कि विलेख नं ० 5702 तारीख 12-3-79 को रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी भटिण्डा में लिखा गया है।

> सुखदेव चन्द सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 18-9-1979

प्रकप भाई । टी । एत । एस ----

भायनर भ्रषितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रषीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, विनांक 18 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 627—यतः मुझे सुखदेव जन्द प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो मकान नई बस्ती भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधिन, तारीख 12-3-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जित्त बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफन से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पत्त्व, अनके दृष्यमान प्रतिफल को पत्त्व, अनके दृष्यमान प्रतिफल को प्रतिश्व से श्रीयक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत खबत श्रीक्षित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रष्टारक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय यो किसी धन या भग्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के बबुतरक में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षातुः—

- 1. श्री जगीर सिंह पुत्र गोपाल सिंह मकान नं० 8084, गुरु नानक सेक्टर, भटिण्डा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जीवन सिंह पुत्र नरायन सिंह वासी 1339/ ए गली नं० 1, नई बस्ती, भटिण्डा। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ष्ति, सम्पत्ति में दिच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धारीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
 भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास निवित्र में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणं:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ्रीधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयें होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिवा सका हैं।

अनुसूची

मकान जैसा कि विलेख नं० 5701 मिती 12-3-1979 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रंधिकारी भटिण्डा में लिखी गई है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख]: 18-9-1979

प्ररूप शाई॰ टी॰ एन॰ ए॰----

सायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 18 सित्तम्बर, 1979

निवेश सं० ए० पी० नं० 625—यतः मुझे सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ४० से अधिक है

मीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो गुनियाना रोड, भटिण्डा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा ; रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ग्रिवित्यम के ग्रिवीन कर देते के ग्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन व भन्य शास्त्रकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) याउक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए:

भ्रतः भ्रम, उन्त भविनियम की बारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) अज्ञीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षातः— (1) डा॰ राम लाल पुत्र सूरज भान धोबी बाजार भटिण्डा।

(भन्तरक)

- (2) डा॰ (श्रीमती) विनोद जैन पत्नी डा॰ कैसाश चन्य जैन, सदर बाजार, भटिण्डा।
 - (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति ; रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बग्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य स्थिति द्वारा घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी करण:--इपमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भन्नि नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भन्ने होगा, जो उस भ्रष्ट्याय म दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जो कि सैयद होटल श्रौर गुनियान रोड पर स्थित है जो कि विलेख नं० 6197 मिती 30-3-1979 की रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी भटिण्डा में लिखा गया है।

> सुखदेव जन्द सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 18-9-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अजैन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 626—-यन: मुझे सुखदेव जन्द प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- अपए से प्रधिक है

प्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूनी में लिखा गया है तथा हो गुनियाना रोड, भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध प्रनुसूनी में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-3-1979 हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के जिल्ह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) तैर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लेखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भीधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी फिनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--- 20-32601/79

(1) डा० राम लाल पुत्र सूरज भान धोबी बाजार भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

- (2) उर कलाश चन्द जैन पुत्र राम लाल जैन, जैन क्लीनिक और नर्सिंग होम, सदर बाजार, भटिण्डा। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभीग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितवब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी अपित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविधि यों में से किसी अपित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावच खम्मति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, वही श्रवं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट जो कि विलेख नं० 6198 तारीख 30-3-79 की रिजस्ट्रीकती अधिकारी भटिण्डा में लिखा गया है।

> सुखदेव जन सक्षम मधिकारं सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण भजेन रेंज, भटिण

तारीख: 18-9-1979

मोहर 🕽

प्रकप माई० टी • एन • एस •----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीत सूचना

भारत सरकार

[कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 623—यत: मुझे सुखदेय चन्द्र भायकर पित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'खन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो नामदेव नगर भटिण्डा म स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकर्ण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-3-1979

- को पूर्वोक्त संवित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके वृत्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक अप से जयित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत जनत अधि-नियम के अधीन कर देने के मन्तरक के वायिश्य में कमी करने या जससे अधने में अविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या धम्य बास्तियों की, जिन्हें धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए:

मतः अबः उक्त मधिन्यिम की धारा 269-व के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उप-घारा (1) अधीन निम्निवित व्यक्तियों अर्थात्।——

- (1) श्रीमती गुरदेव कौर पत्नी सोहन सिंह बासी मिकान नं 126-सी नाम देव नगर, भटिण्डा। (श्रन्तरक)
- (2) श्री देश राज पुत्र राम लाल पुत्र मुतावा मल बामी मकान नं० 640/1 नामदेव नगर, भटिण्डा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (यह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग म सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध)।

को यह पूक्ता जारी करके पूर्वीस्त पंति के सर्जन के जिल् कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त मंपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाष्ट्रेग :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचन,
 की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
 बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोकत व्यक्ति, वों
 में ने किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारीब से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में दिवबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोत्स्ताक्षरी के पास निवात में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, बो शिक्षितियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

महान नं ० 640 जो कि विसूख नं ० 6001 में मिती 26-3-79 को रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी भटिण्डा में निखा गया है।

> मुखदेव चन्द सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, भटिण्डा

नारीख: 18-9-1979

त्रकृष आई. री : एन : प्स :----

ध । 6र प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) हो घारा 299 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आवकार प्रायुक्त (तिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, धारवार-4 बंगलूर, दिनांक 4 श्रक्तूवर 1979

निर्देश मं० 252/79-80/धर्जन—गतः मुझे पी० रंगा-नाथन

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र वाजार मूख्य 25,000/- वन् से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 28, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 45/1 तथा 72, 73 है तथा जो कोलागावे गांव ग्रौर ततातरिया पीता गांव, फागारा होबली चिकमंगतूर तालुक में स्थित है (ग्रीर इंगमें से उपाबद्ध प्रतृपूची में श्रीर पूर्ण का से वर्णि। है), रजिस्ट्रीकर्ग श्रिधकारी के कार्यालय, चिकमंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-2-1979 को

पूर्वोक्त मम्पत्ति के उत्ति नाबार भूना से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये घन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमा। प्रतिफल में ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से यधिक है और धन्तर्क (धन्तर्कों) मीर धन्तरिती (धन्तरित्यों) के भीच ऐते धन्तर्क (धन्तर्कों) मीर धन्तरिती (धन्तरित्यों) के भीच ऐते धन्तर्क की नियसय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तर्क विश्वति में वास्तिक खप से क्षित नहीं किया प्रयाह है:---

- (क) अस्तरण सं कि किनी गांग की वायत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रसारक के दायित्व में कभी करन या उसने वक्ते में सुविधा के निए; शीर/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घर या प्रस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितयम, या धन-प्रस् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुश्विध के निए।

अत: अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के यनुसरण में, त, जन्म शिक्षिणम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:---

 (1) श्रीमती श्रामा नतेष
 पता: बटेगोरे गांव बनकल होबली मुबीगेरे तालुक। इाक्टर पी० एल० श्रप्पास्त्रामी सुपुत्त पी० एल० लक्ष्मण्णा गीडा, पना: गिरीधारा इस्टेट कोटाग्वे गांव धागरा होदली, चिक्तमगलूर तालुक।

(अन्तरक)

2 सर्वश्री

- (1) एच० बी० मतव्नाथा सुपुत्र एच० बी० बाबे गीडा।
- (2) एच० एम० दीप ह सुपुत्र एच० बी० मत-धूनाथा
- (3) एच० एम० श्रमीलाय सुपुत्र एच० बीज मनघुनाथा
- (4) एच० एम० ग्राम्पक मुपुत्र एच० बी० मनब घूनाथा 2, श्रीर 4 माइनर हैं श्रीर उनके पिता रेप्रजेन्ट कर रहे हैं।
- (5) एच० बी० बाबे गौडा सब का पता है देशावश्तदा गांव गोरीबीदू होबली मुदीगेरे तालुक
- (6) श्रोमती एच० बी० शाकुन्तवा पत्ती डी० पी० ईश्वरा गौडा
- (7) श्री डी० पी० इजवारे गोडा पता 6 और 7 गिरीधामा काफी एस्टेट, चिकमगलूर टाउन। (अन्तरिती)

को यह मूत्रता जारी कर से पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्वेत के लि। कार्यवादिया करता हूं।

उका सम्पत्तिके अर्जनके संबंध में कोई भी माक्षेरः⊸∽

- (क) इन सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी क्पनितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यन्तियों में से किसी क्पनित द्वारा;
- (व) यस सूजना के राजपत नें प्रकाशन की जारीओं से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिशका किसी श्रम्य स्पनित द्वारा, सन्नोद्दस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडीकरण: --द्रमर्ने प्रदुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त श्रिक्षित्यम, के ग्रहपाय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

(दम्तावेज नं० 2181/79-80 नारीख 9-2-791) काणनकारो को जमीन सर्थे मं० 28, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 45/1 तथा जो कोलागावे गांव में है और मर्वे मं० 72 तथा 73 तथा जो दनानरेया पीता गांव में हैं। एरिया⊶-107.09 एकर्य।

पीं रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक आधाकर भाधुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, धार वांर

तारीख : 4-10-1979

प्रकप बाई० टी॰ एन॰ एस०-----

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थें (1) के अभीत सूचता

मारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 ध्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रजन/599----यतः मृक्षे, एम० भार० भग्रवाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदत प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वावर सम्यान, जिसका उचित बाजार सूच्य 25,000/- च्यवे से बाधक है

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 55 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (मौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14 फरवरी, 1979 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाकार भूक्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारक है कि यथापूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकास से ऐसे दृश्यमान प्रतिकास का पण्डह प्रतिकात प्रविक्त है घीर घन्तरक (यग्तरकों) मोर घन्तरिती (वान्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उन्तर घन्तरण निधित में वाक्तरिका कप से हिन्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त श्रीविधम के भ्रवीन कर देने के सम्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए श्रीर/या
- (था) एसी किसी घाष मा किसी धन या अध्य आस्तियों की जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 31) या उनत घिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भगा था या किया जाना चाहिए वा जियाने में सुविधा के लिए;

. जतः पदा, उक्त प्रविभिन्नम की बारा 269-गंके जनुसरण में, स्रो, उक्त प्रविभिन्नम, की बारा 269-व की उपवारा (1) के जबीन निस्निसिक्त व्यक्तियों अर्थातः— (1) श्री राजेन्द्र सेन पुल श्री राय बहापुर कंवर नेन एवं श्रीमती कमला सेन पत्नी श्री राजेन्द्र सेन, प्लाट नं० 4 रीट्रीट, सवाई राम सिंह रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ प्रताप नारायण घौधरी पुत्र श्री राम नारायण चौधरी सी-2-84, डा॰ जाकिर हुसेन मार्ग, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हैं।

उभत संपत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी माक्षीय ।---

- (क) इस सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीब है

 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी
 सर्वाध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारी का तें 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में दितक का किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निक्षित में किए जा सकीं।

स्पष्टी बरन : -- दार्गे प्यृक्त प्रक्तें भीर पर्दों का जो उक्त ग्रीधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, यही श्रमं होगा जो उस मध्याय में दिना भवा है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो प्लाट नं० 55, केशव नगर, हवा सड़क, सिविल लाईन्स, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक 357 दिनांक 14-2-1979 द्वारा पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप में विषणित है।

> ्म० आर० मप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 11-10-1979

मोहरः

प्रइप श्राईं∙ टो∙ एएस∙-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

289-घ(1) के घधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनां ह 16 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/600--यतः मुझे एम० ग्रार० ग्रग्रयाल

शायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिनका उचित बाजार मृस्य 25,000/-स्थय से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० 1 है तथा जो जयपुर में स्थित है (भ्रोर इसके उपाबद श्रतुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण मिश्चित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-2-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिक्षत मधिक है भीर धन्तरक (प्रत्यरकों) भीर पन्तरिती (प्रत्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकन, निम्निचित उद्देश्य से उच्त अग्तरण जिचित में गस्तिक हम ने हिया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण में दुई किसो प्राय की बाबत उक्त भिवित्यम के अधीन कर देते के मस्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (त) ऐसी किती मार रा हिनो धन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने मैं सुविधा के लिए;

श्रतः अत्र, उस्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के प्रनुसरण नें, में, उस्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:— (1) 1. कन्हैया लाल पुत्र श्री रामनारायण खंडेलवाल निवासी पापड़ तह जमुआरामगढ़, 2. श्री बदरीनारायण पुत्र श्री भीरी लाल ग्राम नोदपुरा तह० जमुआरामगढ़।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स डायमण्ड कारपेट्स रिजस्टर्ड पार्टनरिणप फर्म द्वारा पार्टनर श्री धर्मचन्द जैन, रामगंज बाजार, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

(3) 1. श्री राम सिंह पुत्र हजारी सिंह, जयपुर।
2. देवी गंकर पुत्र धर्मचन्द जैन, रामगंज, बाजार जयपुर।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह पूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत सम्पति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितबद किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पब्योक्तरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत ्ष्मिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान सम्पिता जिसका नाम 'ईसरदा की हवेली' है श्रीर जो पुरानी श्रामेर रोड, कच्चा बन्ध जयपुर में स्थित है तथा उप पंजियक जयपुर द्वारा कमांक 465 दिनांक 27-2-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० म्रार० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 16-10-1979

मोहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० ए० मी० क्यू०-23-ग्राई०-2235 (862)/
1-1/79-80---ग्रतः मुझे एम० सी० पारीख
ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख
के ग्रधीन सक्षम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/हपए से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सब प्लाट नं० 3-4, फायनल प्लाट 322, टी० पी० एस० 6 के हैं तथा जो सनकीन फ्लैट के सामने, फतेहपुर, पालडी, अहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 12-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त भिधिनियम के मधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव उन्त भिधिनियम ती धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:— (1) श्रीमती उषाबेन जनार्दन मेहता, सरखेज रोड, पालडी, भ्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती संगीना श्रोपार्टमेन्ट्स ऐन्ड शापिंग सेन्टर श्रोनर्स एसोसिएशन, पालडी, फतेहपुर, सनकीन फ्लैट के सामने, अहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राजिप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबा किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रयें होगा जो उस भ्रव्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका फायनल प्लाट नं० 322 पैकी सब प्लाट नं० 3-4/1, टी० पी० एस० नं० 6 का है जो सनकीन फ्लैट के सामने, फतेहपुर, पालडी ग्रहमदाबाद में स्थित है और रजिस्ट्रेशन नं० 1351 तारीख 12-2-79 से रजिस्टर्ड हुए बिकी दस्तावेज में दिए गए पूर्ण वर्णन के अनुसार।

एस० सो० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-10-179

प्रकप भाई• टी• एन• एस०------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269 व (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्मोलय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रह्मदाबाद ग्रह्मदाबाद दिनांक 6 ग्रक्तुबर 1979

निर्देश सं०पी० श्रारं० नं० 788/एक्वी० 23-II/3-2-79-80— श्रतः मुझे एस० सी० परीख आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका स्थित बाजार मुक्य 25,000/-व० से प्रविक है

श्रीर जिसकी सं सं नं 61 जो श्रंबाजी में है तथा जो बनासकंटा डिस्ट्रिक्ट श्रंबाजी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय पालनपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिन्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22-2-79

को पूर्वेक्सि संपत्ति के जिन्त बाबार मूल्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के किए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का जिन्त बाबार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रइ प्रतिक्षत धाबिक है और अन्तरक (अन्तरकों) खोर अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए त्रय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उन्तेश्य से उक्त अन्तरक निम्निलिखत में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भ्रिक्षियम के मधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। स्वीर/वा
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी धन या सम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत प्रधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया समा या वा वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविज्ञा के लिए;

अतः प्रज, उन्त अधिनियम की बारा 269-न के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित न्यमितमीं, अर्थीत्:--- (1) श्री मगनभाइ सोमाभाइ डाक्**रडा श्रंबाजी (बनास**-कांठा)।

(भ्रन्तरक)

- (2) सर्वश्री
 - सोमचंद चुन्नीलाल मोडी नारनपुरा श्रहमदा-बाद।
 - 2. इन्द्रवदन जयकीणनदास नारनपुरा अहमदाबाद
 - चरनदास जेडालाल पटेल सारेनपुरा श्रह्मदा-वाद।
 - 4. मुकेश जसवंतलाल पटेल नारनपुरा अहमदा-बाद।

(भ्रन्तरिती)

को यहसूचना नारो करके (बॉस्त संबन्धि के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

जका पंरि के अर्जन के अंबंध में कोई मी आओर .---

- (क) इय सूचना के राज्यत्र ने प्रकाशत को तारीख से 45 दिन की प्रविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की तागील से 30 दिन की प्रविध, को भी प्रविध बाद में मगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूजना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा मधोइस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकोंने ।

क्षणबीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही मर्थ होगा जो उस अध्याय में विभागमा है।

बनुस्ची

वीन खेती की जमीन जो अंग्राजी में है और जिसका स॰ नं॰ 61 है। यह जमीन माप में 3 एकड़ और 20 गुंठा है और रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी पालनपुर के दफ्तर में तारीख 22-2-1979 को रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीखा: 6-10-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 789/ग्रर्जन 23-11/7-3/ 79-80---श्रतः मुझे एम० मी० परीख म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-र० से श्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० स० नं० 106/2 श्रौ185/5-2-2 जमीन है तथा जो सरीबुजरंग ता० गनदेवी में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, गनदेवी में रजिस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धानं 13-2-79 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रवेर मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापुर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे अध्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रवे ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्त-रितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया

(क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बामत, उक्त श्रिधिहैयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; श्रीर/या

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित

में वास्विक रूप से कथित नहीं किया गया: --

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थीं या किया जाना च हिए थाइ छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नतिखत व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (1) श्रीमती णांताबेन हिशचंद दुलचन्द गांव सरी-वुजरंग, तहसील गनदेवी

(भ्रन्सरक)

- (2) सर्वेश्री
 - 1. रमेण चन्द्र भीमभाई देशाई
 - 2. ईश्वरलाल भीमभाई देसाई
- जथन्तीलाल भीमभाई देयाई, गांव सरीबुजरंग, तहसील जनदेवी।

(भ्रन्तरिती)

गो यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकान की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारमीश से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, भीतर पूर्वकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्बों अवेर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में प्रिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन जो सरीबुजरंग तहसील गनदेवी में है स्रौर जो माप में 4 एकड़ श्रौर 42 गुंठा है जिसका स॰ नं॰ 106/2 स्रौर 185/5-2-2 है स्रौर जो रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी गनदेवी के कार्यालय में तारीख 3-2-1979 को रिजस्ट्रीक्की गई है।

एस० सी० परीख मक्षम प्राधिकारी सह(यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

न(रीख: 6-10-1979

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनिष्णा, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनांक ९ म्रक्तूबर, 1979

निर्देण गं० पी० श्रार० नं० 790/एसवी-23-II/7-4/79-80—अतः मुझे एस० सी० परीख श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० टीका नं० 67, स० नं० 4178 है तथा जो दूधिया तलाव एरिया नवनारी में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवमारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 1-2-1979

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के सचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्लास करने का कारण है यिथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तकि रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन गर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा कालिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रव श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उत्तत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना च हिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

मत: ग्रम, उक्त श्रधिवियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधियिम, की धाया 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात् :— 21—326GI/79

- (1) मर्गश्री
 - 1. रंजनबोन रमनलाल तुलमीदास, शांताऋज (वेस्ट), त्रिदेवी बील्डिंग, बम्बई-54। 2. क्षुमुमबोन खद्रहाल्त नायः पांच टाटेडी नवसारी।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० सुनीलकुमार बाबूभाई व्यास के० जी० होस्पीटल, नवसारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त उम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बवध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, भीरत पूबेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोस्स्नाक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सक्गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गग्दों श्रवेर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

जमीन जो माप में 522,56 वर्ग मीटर्स है और जो दुबीय तालाव तत्रतारों में है। यह जमीन रिजस्ट्री क्षि प्रधिकारी नवसारी के कार्यालय में तारीख 1-2-79/23-4-79 को रिजस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारो सहाय ह श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-II, भ्रष्टमदाबाद

तारीख: 9-10-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० ए॰ सी० वयू०-23-I-2099 **(**872)/ 11-2/69-80अत: मुझे एस० सी० परीख

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु के श्रिधिक है ।

और जिसकी सं० 1664-70-5 वर्ग मीटर जमीन, एरी आयल मील की है तथा जो पुरानी पोस्ट आफिस के उत्तर साईड केशोद स्थित है तथा इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित- है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, केशोद सें रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1979

को पूवक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्रन्य की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या श्रन्थ स्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर स्निधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्निधित्यम, या धन-कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

भतः भ्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधियम, की धाया 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:——

- 1) 1) श्रीमती शांताबेन शरदचाह, (2) श्री
 प्रफुलराय भगवानदास तथा अन्य, भगवानदास
 वालजी चोलेरा के काननी वारिस, पुरानी पोस्ट
 आफिस के पास, केशोद, जिला जूनागढ़।
 (श्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री
 - 1) प्रभाबन जयन्तालाल नथवाणी
 - (2) रसीलबेन हरीलाल नथवाणी
 - (3) ग्रस्मीताबेन रमेशचन्द्र नथवाणी सभी स्टेशन प्लाट के केशोद, जिला जूनागढ़। (बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनन सम्पत्ति के श्राजीन के सम्बवध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में; प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:——
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पखि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित; किए जा सकों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों भ्रौर पदों का, जो 'उक्त भ्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

म्रनुसूची

एरी मील की 1664-70-5 वर्ग मीटर जमीन जो पुरानी पोस्ट भ्राफिस के उत्तर साईड म केशोद में स्थित हैं तथा बिकी दस्ताधिज 266/28-2-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता भ्राधिकारी केशोद द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है याने प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है जैसा।

एस० सी० प**रीख** स**क्षा**म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) **श**र्जन रेंज-1,**श**हमदाबाद

तारीख: 26-10-1979

प्रकृप आई० टी० एन० एम०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यानय, गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 19 सितम्बर 1979

निदेश सं 956-ए/कानपुर---अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वान् 'उक्त प्रधिरनियम', गहा गया है), की धारा 269 ख के प्रशीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से शिधिक

श्रीर जिसकी सं 13/6-7 है तथा जो परमट कानपुर सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वी श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कानपुर सें, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीविन तारीख 28-2-1979 को

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्झ यह विश्माम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृष्यमान प्रतिफल मे एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रीधिनियम के श्रीधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसी बान या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थों या किया जाना च हिए थाइ छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269वग के अनुमरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269वघ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, श्रयीतु:— (1) श्री शेख यूमुफग्नवी वन्त शेख यूमुफग्नकी निवासी 40/106 परेड कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकृष्ण विपाठी पुत्र श्री जनेश्वर प्रसाद विपाठी, तेजनारायछ विपाठी, दुर्गाणंकर विपाठी, पुत्र राम कृष्ण विपाठी व मर्नी मशुरिया देवी पत्नी रामकृष्ण विपाठी व श्री मतीविकला देवी पत्नी तेजनारायण विपाठी निवासी 13/133 परमद कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

गो यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रयाधन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा मकींग।

स्पष्टीकरण:---द्वसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय दिया गया है।

श्रनुसूची

भायकर निरीक्षक की रिपोर्ट के भ्राधार पर तथ सम्पत्ति का बिक्री मूल्य तथा बाजारी मूल्य से अंतर है इ सम्पत्ति का उचित बाजारी मूल्य भ्रायकर निरीक्षक 6,10,000/- ६० भ्रांका है। यह सम्पत्ति नं 13/6 परमट कानपुर में स्थित है तथा इसको 4,37,934/-म बेचा गया है।

> वी० सी० वर् स**क्षम** प्राधि सहायक**भा**यकर भ्रायुक्त (निरी श्रर्जन रेंज, ५

तारीख: 19-9-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायिनय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

निदेश सं० 980-ए/देहरादून/79-80--- प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रिक्षिक है भ्रौर जिसकी सं० 13 है तथा जो भ्रोत्ड बद्रीनाथ रोड, देहरादून सें स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून सें, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 12-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे

द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह

क भ्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तब पाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उका भ्रन्तरण लिखित में यास्तियक रूप से कथित

नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:--- (1) श्री एयाम सुन्दर श्रग्रवाल पुत्र लाला रघुमल निवासी उमासदन नं० 13 ग्रोल्ड बद्रोनाथ रोड, जयराममार्ग, ऋषिकेण पर० परवादून जिला देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वैगना देवी भ्रनेजा धर्मपत्नी सीताराम अनेजा निवासी नियाना मोहल्ला कनखल जिला सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अन्धिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रताशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 13 ग्रोल्ड बद्री नाथ रोड जयराम मार्ग, ऋषिकेश पर० परवाद्दन, जिला देहरादून में 48000/-रुपये की बेची गई। मूल्यांकन श्रिधकारी श्रायकर विभाग देहरादून में इस मकान को उचित बाजारी मूल्य 73000/-रुपये श्रांका है जबकि खरीददार ने इस मकान को 48000/-रुपये में खरीडा है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)* भ्रजन रेज, कानपुर

तारीख: 25-9-1979

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०————श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर, 1979

निदेश सं० 757-ए०/गा० बाद/<math>79-80/6375—-प्रतः , मुझे बी० सं100 चतुर्वेदः ।

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से म्रधिक है

स्रीर जिसकी संव कोठी नंव 143 है तथा जो पूर्वी माडल टाउन गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजन्द्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद सें, रिजर्द्रकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्थान नारीक 5-9-1979

(1908 का 16) के अयोन तारीख 5-9-1979
को पूबेक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने
का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे डृश्यमान प्रतिफल के बग्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) श्री मोहन लाल पुत्र श्री कूड़ामल कपूर, निवासी 143 पूर्वी माडल टाउन, गाजियाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रो कृष्ण स्वरूप गर्ग पुत्र श्रो खचेड्मल जी निवासो 142 रोमन ग्राम गाजियाबाद तहसील व निजला गाजियाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

कोठी नं० 143 पूर्वी माडल टाउन गाजियाबाद इसका कुल क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज ग्राउन्ड फ्लोर 2418 वर्ग फुट, प्रथम फलोर 520 वर्ग फुट है।

> वों० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, कानपुर।

तारी**ख**: 27-9-1979

मोहरः

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०--

भायक ग्रधिनियम, 1961 (1061 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर, 1979

निदेश सं० 759-ए/गाजियाबाद/6376----श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 49 है तथा जो राईट गंज गाजियाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद धनुसूर्चा सें भीर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिभारों के कार्यालय, गाजियाबाद सें, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित गहीं किया गया है :—

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त

भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिगियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या भ्रान-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्स ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्गलिखत व्यक्तियों, ग्रथीं:त्:— (1) श्री मुसहीलाल पुत्र स्व० श्री मिठन लाल, ग्रहण हुमार पुत्र श्री मुसदी लाल निवासी 30 शान्ति निकेतन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मीनालाल पुत्र लाला धनपतराय निवासी सेकेन्ड बी/6 नेहरू नगर गाजियाबाद व श्री महेश चन्द पुत्र श्री हरसरनदास निवासी 105 राईट गंज, गाजियाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचगा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस पूचना के राजगत में प्रकान की तारीख से
 45 दिड की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिग की अवधि, जो
 भी श्रवधि बाद में समाप्त हो हो, भीरत पूर्वाक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशग की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोह्स्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रक्षिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सालिम विल्डिंग नं० 49 जिसका मुख्य द्वार पूर्वे मुर्खी स्थित राईट गंज शर्की गाजियाबाद पर० लोनी, गाजि-याबाद।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-9-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 836-ए/बुलन्दगहर/78-79/8377---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वच के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विखास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है है तथा जो गीना भवन बुलन्द-भ्रौर जिसकी सं० शहर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ब्लन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 15-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधिव नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी स्राय या किसी धन या प्रत्य स्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री हरसरनदास भग्रवाल पुत्र लाला शंकरलाल निवासी हाल नगर बुलन्दशहर भ्राफीसर कालोनी (भ्रन्तरक)
- (2) श्री मीताराम पुत्न बलवन्त सिंह निवासी नगर बुलन्दशहर मोहल्ला ईटा रोडां। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्सधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, अधोहरतकारी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही द्मर्थे होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक नग मकान मौसुमा गीता भवन बाके नगर बुलन्द-शहर मोहल्ला सराय कोहना।

> बी० सी० घतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, फानपुर

तारीख: 27-9-1979

प्रकृप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

अध्यहर प्रथितियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, बहायक प्रावक्तर ग्रायुक्त (नियोक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निदेश सं० 758 ए/गाजियाबाद/78-79/637—यतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रवितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन समम प्राविकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर नम्पति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पर से प्रविक है

श्रीर जिसकी सं० 6 हैं तथा जो वायर गंज में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के जिया बाजार मूल्य से कन के दूबयमान प्रतिकात के निए अनिरित को गई है प्रीर मुझे यह विषवाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तक दूबयमान प्रतिकान से, ऐसे दूबयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिगत से धिवक है भीर धन्तर (धन्तरकों) और प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पारा गया उत्तिकत निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त धन्तरण विश्वित में बाक्तरिक कर से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से दूई किसी याप की बाबत उक्त पश्चितियम के प्रधीन कर देने के प्रश्वरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; पौर/या
- (ख) ऐसी िहसी प्राय या कियी अन या त्रथ्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः सब, उन्तं प्रधिनियम की घारा 269-ए के धनुसरण में, में, बक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की खग्धारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, ग्रबीत:---

- (1) श्री किसन लाल व भगवत स्वरूप पुत्र श्री लाना गोधामल व श्रीमती शान्तीदेवी पत्नी निवासी मोहल्ला वायर गंज/नयागंज, गाजियाबाद पर० लोनी, तहमील व जिला गाजियाबाद।
- (2) श्री सुन्दर लाल पृत्र लाला मुरारीलाल निवासी मोहल्ला वायरगंज/नयागंज गाजियाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्यति के धर्णन के सिष् कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस नुवता के राजरत में प्रकारणत की लारीका से 45 दित की धविधिया तत्सम्बर्ग्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दित की भविधि, जो भी भविध बाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के मीतर उक्त क्यायर सम्पत्ति में दितक के किती यह व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास निश्वित में किए जा सर्जेंगे।

स्वज्दी तरण:--इसमें प्रयुक्त एक्टों घीर पतों का, जो जक्त धिनियन के प्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं, नहीं अर्थे होगा जो उन प्रध्याय में दिया नवा है।

अनुसुची

एक ग्रहाता दो मंजिला श्रन्दर हदद नगरपालिका गाजियाबाद स्थित वाके मोहल्ला वायर गंज/नया गंज गाजियाबाद जिसका नम्बर नगर पालिका 6 गाजियाबाद जिस पर हाउस टैक्स 220 ह० सालाना है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 27-9-1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

थाय तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्वेण सं० 849-ए/मेरठ/78-79/6378—-श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदीः

भाय कर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भीर जिसकी सं० 64 है तथा जो वैलीबाजार में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्री-करण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 14-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 22—326 GI/79 ' (1) श्रीमती काकीदेवी पत्नी नारायणवास व विनोद कुमार पुत्र श्री नारायणदास साकिन 31/3 शिवपुरी, भेरठ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मोहन प्यारी पत्नी व इन्द्र भूषण व भारत भूषण बालिगान व श्री सुनील कुमार नाबालिग बाविलाया श्रीमती मोहन प्यारी माता पिसरान लाला रिक्खाराम चादना सा० शक्ति नगर कैर गंज, मेरठ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

ग्रनुसूची

हमगी व तमामी सालिम एक दुकान बातामीर पुख्ता म्यु नं 50 हाल नम्बर 64 वाके वैली बाजार शहर मेरठ।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुषेन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-9-1979

प्रकप चाई• टी० एन• एस•----

आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० 1025 -ए/मृजफ्फरनगर/ 78-79—श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की मारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रतिक है

गौर जिसकी सं० 1345, 1347, 1349, 2200 हैं तथा जो भामली जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कैराना में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 21-2-1979 को

पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से सम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रक्तित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रक्तिती (प्रन्तरितयों) के बीव ऐसे बन्चरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरक लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी झाय या किसी छन या भन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घन-भर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विधा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

चतः घव, उक्त चविनियम की बारा 269-ग के घनुसरण में, में, उक्त चविनियम की घारा 269-थ की उन्धार्थ (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् :--- (1) श्री बालैंग मोहन, राजेग मोहन, सतीश मोहन, पुत्रगण लाला भीम प्रकाश निवासी बड़ा बाजार, शामली, जिला मुजफ्फरनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामकुमार पुत्र श्री किशन चन्द्र निवासी मन्द्री शिवगंज, शामली, जिला मुजफ्फरनगर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पति के ग्रजँन के लिए कार्यवाहियां करता है।

चक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपन्न में प्रकामन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबदा किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मन्नोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

ण्यच्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रंथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रंथ्याय में दिया गया है।

मनुष्यी -

कृषि भूमि नम्बर 1345 1347 2200 तीन किसे 1 III) ल॰ 17.70 सालाना शामली व 1349 खसरा नं॰ 1.53 स्थित शामली, जिला मुजप्फरनगर।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-10-1979

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 3 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० ए० 622/एक्बी० रेंज-III/79-80/कल०--- यतः मुझे, आई० वि० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सृह्य 2 5,000/- द• से मधिक है भीर जिसकी सं० 34 है, तथा जो म्यामपुकुर स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण क्र्मिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन 7-3-1979 की पूर्वी स्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूज्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धक्तरित की गई है धोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके वृष्टयमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्टयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशतः पधिक है पौर प्रस्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्दिः तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उश्त शस्तरण निश्चित में बास्तिक

(क) जन्तरण से हुई किसी आय की दावत, छक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देन के प्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; और/ वा

इप से कवित नहीं किया गया है:---

(च) ऐसी किसी आ । या किसी घन या पग्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रवरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया नाजा नाहिए था, जियाने में सुविधा के किए;

सतः सब, उक्त प्रधिनियमः की श्रारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के संधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वातः— (1) श्री सनत कुमार मित्र

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सिवता बनर्जी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्वन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसर्वे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्नि-नियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्वे होगा जो उस मध्याय में विवा गया है।

प्रनुसूची

करीय 8 कठ्ठा जमीन पर बनाया हुआ दोतल्ला मकान और 34, श्यामपुकुर स्ट्रीट, कलकत्ता का पश्चिमी अंश है।

आई० वि० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-Ш, कलकत्ता

तारीख : 3-11-1979

मोहरः

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 24th October 1979

No. O.II-48/70-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri C. H. Mastan Naidu relinquished charge of the post of Principal, RTC-2, CRPF Avadi on the afternoon of 30-9-1979 (AN).

A. K. BANDYOPADHAYAY Asstt. Director (Adm)

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 14th October 1979

No. A-19021/2/76-Ad.V.—Shri R. Rajagopalan, JPS (1965-Tamil Nadu), relinquished charge of office of the Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, on the afternoon of 14th September, 1979. His services were placed back at the disposal of Government of Tamil Nadu.

The 29th October 1979

No. A-19036/3/79-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri K. Fariduddin, an officer of the Andhra Pradesh Police on deputation as Dy. Supdt. of Police in the C.B.I. with effect from the torenoon of 7-9-79 and until further orders.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) C.B.I.

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 24th October 1979

No. A.11012/1/79-Admn.—Shri Prem Nath is appointed as Extra Assit. Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/with effect from the afternoon of the 22nd September, 1979 until further orders.

C. P. JOSHI, Director Police Telecommunications

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi-110011, the 23rd October 1979

No. P/L(14)-Ad.I-21832.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri R. B. Lal, an officer belong to the Grade I of Indian Statistical Service relinquished the charge of the office of the Dy. Registrar General, (Vital Statistics) in the office of the Registrar General, India, New Delhi with effect from the afternoon of 31st July, 1979.

P. PADMANABHA Registrar General, India

New Delhi, the 29th October 1979

No. 10/38/78/Ad.1-22247.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Registrar General, India is pleased to appoint Shrl P. S. Chhikara as Map Analyst in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the office of the Registrar General, India, New Delhi in a temporary capacity, as a direct recruit, with effect from the forenoon of 10th October, 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

V. P. PANDEY Dy. Registrar General, India

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 27th October 1979

No. 2054-CA.1/168-78.—On attaining the age of superannuation Shri M. Kameswara Rao, a permanent Audit Ollicer (Commercial) serving in office of the Accountant General-II, Andara Pradesh, Hyderabad retired from service with effect from 30-9-79 A.N.

> M. S. GROVER Dy. Director (Commercial)

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 3rd October 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1296/79-Admn(G)/7083.—The Chief Controller of Imports and exports nereby appoints Shri S. K. Majumdar, Senior inspector, Die. of Markeung and inspection, combay as Contioner of Imports and exports (Category 'B') in the Cince of the Joint Cinct Contioner of Imports and Exports, calculate in an officialing capacity with enect Lion the afternion of 7th september, 1979, until lutther olders.

2. Shri Majumdar as Controller will draw pay in the pay scale of Ks. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 6/1278/79-Admn(G)/7087.—The Chief Controller of Imports and Exports nereby appoints Shri Anil Kumar Sinha, P. 1. Iechnical Assistant, Ministry of Defence, New Delhi as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta in an officialing capacity with effect from the forenoon of 3rd September, 1979, until further orders.

2. Shri Sinha as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 6/1292/79-Admn(G)/7092.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri T. R. Sasidharan, Chemical Assistant Gr. I, Custom House, Cochin as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10th September, 1979, until 1 urther orders.

2. Shri Sasidharan as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 6/1284/79-Admn(G)/7097.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri A. Komu, Inspector of Police (SPE), C.B.I., Madras as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta in an officiating capacity with effect from the AN of 7th September, 1979, until further orders.

2. Shri Komu as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 6/1280/79-Admn(G)/7102.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Vijay Kumar Gupta, Assistant in the Vayu Seva Mukhayalaya, Ministry of Defence, New Delhi, as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th August, 1979, until further orders.

2. Shri Gupta as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 6/1289/79-Admn(G)/7106.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Gopal Salu Jakhere, Senior Chargeman in the Naval Armament Depot, Goa as

Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the rore-noon of 2/th August, 1979, until further orders.

2. Shri Jakhere as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 6/1276/79-Admn(G)/7110.—The Chief Controller of Imports and Exports nereby appoints Shri Om Parkash Gehlaut, Assistant Sales Tax Inspector in Delhi Administration, Deini as Controller of Imports and Exports (Caugory B) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, CLA, New Delhi in an olliciate capacity with effect from the alternoon of 3rd September, 1979, until further orders.

2. Shri Gehlaut as Controller will draw pay in the pay scale of ks. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

C. S. ARYA,
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF SUPPLY

DTE. GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 24th October 1979

No. A-17011/163/79-A-6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri K. K. Mukherjee, Examiner of Stores (Met) in the Jamshedpur Inspectorate to officiate as Assit. Inspecting Officer (Met), purely on ad-hoc basis, in the same Inspectorate with effect from the forenoon of 22nd September, 1979 and until further orders.

The 26th October 1979

No. A-6/247(290)/75-III.—The President has been pleased to appoint Snri S. Sen Gupta, Asstt. Inspecting Officer (Met) in the olice Director of Inspection, Jamshedpur to officiate on ad-noc basis, as Asstt. Director of Inspection (Met) (Grade III) of Indian Inspection Service (Group A) (Met Branch) in the same office wef 22-9-79 (FN) and until turther orders.

Shri Gupta relinquished charge of the post of AIO (Met) and assumed the charge of the post of ADI (Met) in the office of Director of Inspection, Jamshedpur on the forenoon of 22nd September, 1979.

P. D. SETH Dy. Director (Administration) for D. G. Supplies & Disposals.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 29th October 1979

No. A-1/1(871).—The President is pleased to appoint Shri G. L. Gupta, Asstt. Director (Gr. 1) (Gr. III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Supplies (Gr. II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi, with effect from the forenoon of 22-10-79.

K. KISHORE
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 25th October 1979

No. A-19011(243)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri B. P. Sinha to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 30-4-1979.

S. BALAGOPAL Head of Office Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 23rd October 1979

No. C-5568/718-A.—Shri A. B. Sarkar, Office Superintendent (now appointed as Map Curator on deputation), is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad-hoc basis in Eastern Circle Office Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 3rd August 1979 (AN) vice Shri Ram Lal, Establishment and Accounts Officer (on ad-hoc basis) proceeded on leave.

No. C-5569/718-A.—Shri A. B. Sarkar, Office Superintendent (now appointed as Map Curator on deputation), is appointed to officiate as Establishment and Accounts Office (GCS Group 'B' post), on ad hoc basis in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 2nd May 1979 (AN) vice Shri N. R. Bose, Establishment and Accounts officer (on ad-hoc basis) transferred.

K. L. KHOSLA Major General, Surveyor General of India

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 17th October 1979

No. A-31014/1/77-Est.I.—The Chief Producer, hereby appoints Shri R. B. Mhatre, Permanent Cameraman in the Films Division as Cameraman (Cartoon Film Unit) in a substantive capacity with effect from 31-10-1975.

N. N. SHARMA Asstt, Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd October 1979

No. A.35019/1/77(WH)Admn,I.—Shri R. C. Sharma was relieved of the charge of the post of Welfare Officer in the Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi on the forence on of the 13th December, 1978. He proceeded on earned leave for 109 days from 13-12-1978 (forenoon) to 31-3-1979 (afternoon).

No. A.39013/1/79-Admn.I.—Consequent on the acceptance of his resignation Dr. S.C. Gupta relinquished charge of the post of Dental Surgeon under the C.G.H.S. on the afternoon of 25th September, 1979.

The 24th October 1979

No. A.35014/1/77(SJK) Admn I.—Shri P. N. Sorewala telinquished charge of the post of Administrative Officer in the Safdarjang Hospital, New Delhi on the afternoon of the 19th September, 1979.

The 26th October 1979

No. A.12026/33/77-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Umesh Kumar Gupta to the post of Dental Surgeon at Central Govt. Health Scheme Kanpur with effect from the forenoon of 29th December, 1978 on an ad-hoc basis and until further orders.

The 27th October 1979

No. A.12025/13/78(NTI)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K, N. Tandon to the post of Veterinarian at the National Tuberculosis Institute, Bangalore with effect from the forenoon of the 6th October, 1979, on an officiating basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 23rd October 1979

No. 16-7/70-Admn.I(CGHS-I).—Consequent upon his transfer from CGHS Delhi to CGHS Meerut Dr. B. P.

Mishra, Homoeopathic Physician reliaquished charge of the post of Homoeopathic Physician under CGHS Delhi with effect from the effernoon of 31-5-79 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under CGHS Meerut with effect from the afternoon of 10-8-79.

No. 16-9/70-Admn.I(CGHS-I).—Consequent upon his transfer from CGHS Delhi to CGHS Jaipur Dr. B. C. Roy, Homoeopathic Physician, relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under CGHS Delhi with effect from the forenoon of 28-5-79 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under CGHS Jaipur with effect from the forenoon of 13-8-79.

N. N. GHOSH Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 22nd October 1979

No. A.19012/10/79-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri V. R. Natekar to the post of Asstt. Factory Manager, Government Medical Store Depot, Bombay, with effect from the forenoon of the 19th Sept., 1979 on an ad-hoc basis and until further orders.

No. A-19012/11/79-Sl.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. G. Kulkarni in the post of Asstt. Depot Manager, Government Medical Store Depot, Bombay, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 17th September, 1979 and until further orders.

The 23rd October 1979

No. A.19012/12/79-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri N. L. Shastri in the post of Asstt. Depot Manager, Government Medical Store Depot, Bombay, on temporary basis, with effect from the forenoon of the 22nd Sept., 1979 and until further orders.

P. K. GHAI Officer on Special Duty (St)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 25th October 1979

No. A-19023/56/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group II) in this Directorate, Shri C. Radhakrishna handed over charge of the post of Marketing Officer (Group II) at Madras in the forenoon of 29-9-79.

The 26th October 1979

No. A-19023/45/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer, (Group I) in this Directorate, Shri V. P. Sharma handed over charge of the post of Marketing Officer (Group I) at New Delhi in the afternoon of 9-10-79.

No. A-19023/74/78-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri G. K. Pallan who is working as Marketing Officer (Group II) on ad-hoc basis has been promoted to officiate as Marketing Officer (Group II) on regular basis w.e.f. 24-4-1979, until further orders.

The 29th October 1979

No. A-19023/17/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate, Shri Ram Singh handed over charge of the post of Marketing Officer (Group I) at Faridabad in the afternoon of 15-10-1979.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 24th October 1979

No. J-1099/Med/Estt. I/4743.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. (Smt) Udita Ravindra Jahagirdar a RMO (Locum) in the same Research Centre with effect from 30-6-79 AN.

No. J-1098/Med/Est. I/4744.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from tendered by Dr. Ravinder Raghunath Jahagirdar a (Locum) in the Research Centre with effect from 17-8-1979 A.N.

No. D/1530/Med/Estt/4745.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. (Kum) Emmeline De Souza a Resident Medical Officer (Locum) in the same Research Centre with effect from 16-8-1979 (A.N.).

Kum. H. B. VIJAYAKAR Deputy Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 23rd October 1979

No. DPS-21-1(2)-78-Est. 30896.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri Dattatray Ramchandra Sakhare, a permanent Upper Division Clerk to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of October 4, 1979 in the same Directorate until further orders.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 23rd October 1979

No. HWPs/Estt/1/N-54/6059.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, has accepted the resignation tendered by Shri Natarajan Narayanan, a temporary Labour-cum-Welfare Officer of Heavy Water Project (Tuticorin), with effect from the forenoon of August 27, 1979. Shri Narayanan has been relieved accordingly.

R. C. KOTIANKAR Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur-401504, the 23rd October 1979

No. TAPS/1/34(1)/77-R(Vol. III).—Consequent on his selection for promotion to the next higher grade, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri K. N. Dubey a temporary Scientific Assistant 'C' in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade (SB) in the scale of pay of Rs, 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1979.

D. V. MARKALE Administrative Officer-III.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd October 1979

No. A. 32014/4/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. P. Swamy, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay, to the grade of Assistant Communication Officer,

on ad hoc basis with effect from 6-9-1979 (FN), and to post him at the same station.

R. N. DAS

Assistant Director of Administration

New Delhi, the 15th October 1979

No. A. 19014/39/72-E. I.—Shri V. Chellappa, on retirement from Government service on attaining the age of superannuation, relinquished the charge of office of the Director of Air Safety on the 30th September, 1979 (afternoon).

No. A. 19014/229/72-E.I.—Shri S. N. Motwani, on retirement from Government service on attaining the age of superannuation, relinquished the charge of office of the Officer on Special Duty (Enquiries and Welfare) on the 30th September, 1979 (afternoon).

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 25th October 1979

No. 1/246/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Parthasarththy, Quasi-Permanent Technical Assistant Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same office, with effect from the forenoon of the 29th August 1979 and until further orders.

No. 1/247/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Satish Kumar, Q.P. Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Office, w.e.f. the forenoon of the 30th August, 1979, and until further orders.

No. 1/248/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. P. Hatekar, Quasi-Permanent Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Fngineer in an officiating capacity, in the same office, with effect from the forenoon of the 4th September 1979 and until further orders.

No. 1/249/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. Thruvengadachari, Q. Perm. Technical Assistant, Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer, in an officiating canacity in the stame Office, w.e.f. the forenoon of the 5th September, 1979 and until further orders.

P. K. G. NAYAR Director (Admu.) for Director General

Bombay, the 25th October 1979

No. 1/457/79-EST.—Shri B. N. Parekhii, Officiating Deputy Traffic Manager, Bombay Branch, retired from service, with effect from the afternoon of the 31st August, 1979, on attaining the age of superannuation.

H. L. MALHOTRA Dv. Director (Admn.) for Director General

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 27th October 1979

No. 1/79.—Shrl M. L. Sharma. Superintendent (M) has been appointed to officiate as Administrative Officer, Central Revenues Control Laboratory, New Delhi w.e.f. 1-9-1979 (F.N.) and until further orders.

D. R. GUPTA Chief Chemist, Central Revenues

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 23rd October 1979

No. 27-17/79-Estt.(M).—Sh. K. B. Saxsena, is appointed as Asstt. Administrative Officer G.C.S. Group 'B' (Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on adhoc and temporary basis w.e.f. 10-10-1979 (FN) in the Central Ground Water Board with his Hqrs. at Faridabad till further orders.

B. K. BAWEJA Chief Hydrogeologist & Member

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 24th October 1979

No. 19013/8/79-Adm. IV.—The Chairman, Central Water Commission appoints Shri Ravinder Saxena to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Hydromet), on purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-, with effect from 3-9-1979 (FN) until further orders.

J. K. SAHA Under Secretary, Central Water Commission for Chairman

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT New Dethi, the 23rd October 1979

CORRIGENDUM

No. 33/11/78-ECIX.—The date of appointment as Deputy Architects against the following Officers should be read as given against their names, instead of the dates shown in Notification of even number dated 19-9-1979:—

S. No., Name and Date of appointment as (S/Shri) Deputy Architect

1. A. K. Gupta—Read as 13-8-79 (AN) (Instead of 13-4-79 (AN).

2. T. R. Anand—Read as 30-8-79 (AN) (instead of 30-8-79 (FN).

H. D. SINHA Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bedi & Company (Rewa) Private Ltd.

Gwalior, the 24th October 1979

No. 398/Tech/3511.—Notice is, hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bedi & Company (Rewa) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rewa Pulp and Paper Mills Limited

Gwalior, the 24th October 1979

No. 399-Tech/3513.—Notice is, hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Rewa Pulp and Paper Mills Limited, unless cause is shown to the contrary, will be

struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, M.P., Gwalior

•In the matter of Companies Act, 1956 and of Kejriwal Commercial Corporation Private Limited

Kanpur, the 23rd October 1979

No. 12230/2945-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Kejriwal Commercial Corporation Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN Registrar of Companies, Kanpur, U.P.

NOTICE UNDER SECTION 445(2)

In the matter of Companies Act, 1956 & M/s. Naviyot Mills Ltd.

Ahmedabad, the 27th October 1979

No. 2456/Liquidation.—By an Order dated 16/10/1979 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 18/1979 it has been ordered to wind up M/s. Navjyot Mills Limited.

J. G. GATHA Registrar of Companies, Gujarat, Ahmedabad

INCOME-TAX DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX Cochin-682016, the 9th October 1979 (INCOME-TAX)

C. No. 1(209)/GL/78-79.—In exercise of the powers conferred on me, I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-II, Ernakulam, hereby abolish the charges of the Income-tax Officer, F-Ward, Calicut and F-Ward, Cannanore with effect from the forenoon of 5-10-1979.

B. J. CHACKO Commissioner of Income-tax, Kertala-II

DIRECTORATE OF ORGANISATION AND MANAGEMENT SERVICES (INCOME TAX)

New Delhi-110002, the 15th October 1979

F. No. 36/8/79-AD/DOMS/5028.—Consequent on his promotion, Shri Hari Shanker Singh, Hindi Translator of the Office of CIT Hyderabad and lately on deputation to Appellate Tribunal Forfeited Property, New Delhi, has assumed the charge of the post of Hindi Officer Directorate of O&M Services (Income-tax), New Delhi w.e.f. forenoon of 14th September, 1979.

JAGDISH CHAND
Director
Directorate of O&M Services (I. Tax),
New Delhi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDER

Jullundur, the 29th October 1979

Ref. No. AP-1965.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As pe Schedule situated at Lohian Khas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on Feb., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

23-326GT/79

 Shri Bakshi Ram S/o Amar Singh C/o Inder Paul Lokesh Kumar Cloth Merchant, Lohian Khas, Teh: Nakodar.

(Transferor)

- (2) Shri Prem Sagar S/O Bakshi Ram & Darshana Kumari W/o Prem Sagar C/O Harish Chander Satish Chander Commission Agent, Lohian Khas. (Transferee)
- (3) As per S.No. 2 above.
 (Person in occupation the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1906 of Feb., 1979 of the Registering Authority, Shahkot.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 20/10/79,

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-CIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. PTA/24B/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Plot of land measuring 4 kanals 18 marlas, situated at Tripari Saidan. Patiela

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Harjit Singh s/o Shri Hardev Singh Grewal r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Petiala.

(Transferor)

(2) Shri Harvinder Singh s/o Sh. Gurdev Singh, r/o Chaura Teh. Patiala. Sh. Jasbir Singh s/o Sh. Gurcharan Singh, r/o Bhanri, Teh. & Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4 kanals 18 marlas situated in Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 5562 of February, 1979 of the registering officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhinna.

Date: 15-10-1979.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. PTA/250/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot measuring 5 kanals 9 Marlas, situated at Tripari Saidan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

(1) Shri Hardev Singh s/o Shri Harcharan Singh, r/o Bibrian Street, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chand s/o Shri Sham Lal, r/o Turipari Saidan, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5 kanals 9 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 5567 of February, 1979 of the registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiane.

Date: 15-10-1979.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. PTA/274/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 4 kanals 18½ marlas, situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harjit Singh Grewal s/o Sh. Hardev Shagh Grewal, r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala. (Transferor)
- (2) Smt, Kiran Khanna w/o Shri Kismat Rai Khanna, Sh. Piara Lai Khanna s/o Shri Kishan Chand Khanna, r/o 270/2, Takia Rahim Shah, Dharampura Bazar, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4 kanals 18½ marlas situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 5746 of February, 1979 of the Registering Officer, Patrala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Rango, Ludhiana.

Date: 15-10-1979.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRA REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. PTA/275/78-79.—Whereas, I, R. D. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 6 kanals situated in Tripari Saidan, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Sh. Harjit Singh son of Sh. Hardev Singh of Tripari Saidan, Bibiram Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

Sh. Sukhinder Singh s/o Sh. Narinder Singh,
 Sh. Jang Singh son of Sh. Atma Singh and
 Sh. Inder Pal son of Sh. Partapa Mal,
 Triapari Saidan, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals situated in Tripari Saidan, Patiala, (The property as mentioned in the registered said deed No. 5754 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRA REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. AML/118/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 7 bighas 12 biswas situated in Vill. Kukkarmajra Mandi Gobindgarh situated at Kukkarmajra, Mandi Gobindgarh, Sub-Teh Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such, transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Darbara Singh s/o Sh. Jagram Singh of Vill. Kukkarmajra, Mandi Gobindgarh Sub-Tch. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Hukam Chand, Dewan Chand sons of Om Parkash, Nand Kumar, Prem Kumar sons of Sh. Babu Ram, Rabinder Nath, Dhajinder Nath, Subhash Chander sons of Sh. Ramji Dass c/o M/s Jay Industries, GT Road, Mandi Gobindgarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 bighas 12 biswas situated in Vill. Kukkarmarja, Mandi Gobindgarh Sub-Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 1846 of Feb. 1979 of the Registering Authority, Amlob).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiane.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Shri Jasdev Singh, Bhagwant Singh, Balwant Singh (Sons), Harbans Kaur (daughter) and Smt. Basant Kaur (widow) of Lt. Shri Bishan Singh, Village Jassran, Mandi Gobindgarh, Sub-Teh. Amloh.

(Transferor)

(2) Shri Surya Narain s/o Shri Ram Rattan Lal, r/o Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. AML/123/78-79.--Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 18 biswas situated at Jassran, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Amloh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dsiclosed by the transferte for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 biswas situated at Jassran, Mandi Go-bindgarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1862 of February, 1979 of the registering Officer, Amloh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludbiana.

Date: 15-10-1979,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. AML/124/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 18 biswas situated at Jasran Mandi Gobindgarh S. Teh. Amloh situated at Jasran, Mandi Gobindgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Amloh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Jasdev Singh, Bhagwant Singh, Balwant Singh (sons) Harbans Kaur (daughter) and Smt, Basant Kaur (widow) of Lt. Sh. Bishan Singh Vill, Jasran, Mandi Gobindgarh. Sub. Amloh.

(Transferor)

(2) S/Sh. Suraya Narain son of Sh. Ram Rattan Lal and Manoj Kumar son of Sh. Suraya Narain, r/o Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. Land measuring 18 biswas situated in Village Jassran.

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 1863 of February, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-10-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-STONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRA REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. AML/128/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. Land measuring 18 biswas situated in Village Jassran. Land measuring 7 bighas 12 biswas situated at Kuggarmajra Mandi Gobindgarh Sub-Teh. Amloh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in March, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

24-326GI/79

(1) Sh. Darbara Singh s/o Sh. Jagram Singh of Vill. Kukkarmajra Mandi Gobindgarh Sub-Teh Amloh. Distt. Patiala.

(Transferors)

(2) S/Shri Hukam Chand, Diwan Chand sons of Om Parkash, Nand Kumar, Prem Kumar sons of Sh. Babu Ram Rabinder Nath, Dhajinder Nath, Subhash Chander sons of Sh. Ramji Dass c/o M/s Jay Inds. G.T. Road, Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 bighas 12 biswas situated in Vill. Kukkar-majra, Mandi Gobindgarh, Sub-Tehsil Amloh,

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 1905 of March, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-10-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I UDHIANA CENTRA REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. AMI./32/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 7 bighas 12 biswas situated at Kukkar Majra Mandi Gobindgarh, Sub-Teh. Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Darbara Singh s/o Sh. Jagram Singh son of Sh. Sewa Singh r/o Kukkarmajra Mandi Gobindgarh, Sub-Teh. Amloh.

(Transferors

(2) S/Shri Hukam Chand, Dewan Chand sons of Sh. Om Parkash, Nand Kumar Prem Kumar sons of Sh. Babu Ram, Ravinder Nath Dhajinder Nath & Subhash Chander sons of Sh. Ramji Dass, residents of Mandi Gobindgarh c/o M/s Jay Industries, G. T. Road, Mandi Gobindgarh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 bighas 12 biswas situated in Vill. Kukkar-majra, Mandi Gobindgarh Sub-Tehsil Amloh,

(The property as mentioned in the registered deed No. 298 of May, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-10-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. SRD/200/78-79.--Whereas, I, R, K, MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to us the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

Land measuring 5 kanals 3 marlas situated at Brahman Majra, Rly Road, Sirbind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in February, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shri Om Parkash s/o Shri Hari Chand, r/o Village Brahman Majra, c/o Anant Engineering Bassi Road, Sirhind.

(Transferor)

(2) (1) Sh. Bansi Lal s/o Shri Harnam Dass,
 (2) Sh. Devinder Kumar,
 (3) Sh. Anil Kumar s/o Shri Bansi Lal,
 (4) Shri Girdhari Lal s/o Shri Harnam Das,
 (5) Shri Vijay Kumar s/o Shri Girdhari Lal,
 (6) Sh. Mela Ram s/o Shri Devi Dayal,
 (7) Shri Kishori Lal s/o Shri Ganga Ram,
 all partners of M/s Dayal Verma, Rly, Road,
 Sirhind Mandi, Distt. Patiala.

(Transferce)

(3) M/s Devi Dayal Verma, Rice & Cotton Mills,

Rly Road, Sirhind Mandi.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 kanals 3 marlas situated at Majra, Rly Road, Teh. Sirbind. Brohman

(The property as mentioned in the registered deed 3340 of February, 1979 of the registering officer, Sirhind).

> R. K. MALHOTRA. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludbiana.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. LDH/223/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269-B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Khasra No. 576, Salem Tabri, measuring 1557 Sq. yds. situated at Ludhiana

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Ludhiana in Feb. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bawa Singh s/o Mangal Singh through Sh. Jagjar Singh s/o Sh. Bawa Singh, r/o Salem Tabri, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Bakhshish Singh s/o Udham Singh Jalalabad (Amritsar). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1557 Sq. yds., Khasra No. 576, Salem Tabri, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 4214 of Feb. 79 of registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRA REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. LDH/245/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
H.No. B-IX-221 (old) New No. B-X-74-I, Chowk Neemwala,

Ludhiana, situated at Ludhiana. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in February, 1979

for an apparent consideration which less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pushpa Devi w/o Sh. Amolak Raj Bhai, B-X-74-I, Chowk Neemwala, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Dalip Chand s/o Sh. Gopal Dass, H.No. B-IX-149, Chowk Neemwala, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in property No. B-IX-221 (old) New No. B-X-74/I, Chowk neemwala, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 4312 of Feb. 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRA REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. LDH/247/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

170-I K. S. Sarbha Nagar situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Joginder Singh Dhillon s/o Sh. Bhagat Singh Dhillon r/o Dhilwan (Kapurthala).

(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur w/o Sh. Kattar Singh, 170-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in property No. 170-I, K, S. Sarbha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 4317 of Feb. 1979 registered with Sub-Registrar (Urban) Ludhiana).

R. K. MALHOTRA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-10-1979.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. LDH/246/78-79.—Whereas I, R. K. MAL-HOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. B-X-74/I, Chowk Neemwala, Buta Jat Road, Ludhiana,

situated at Ludhiana,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Amolak Raj bhai son of Sh. Jamna Dass Bhai r/o H. No. B-IX-221, (B-X-74/I,) Chowk Neemwala, Ludhiana. Buta Jat Road.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Devi w/o Sh. Dalip Chand, H. No. B-IX-149, Ch. Neemwala, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in property No. B-X-74/I, Chowk Neemwala, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered sale Deed No. 4313 of Feb. 1979 of the Registering Authority, Luhdiana.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. LDH/288/78-79.—Whereas I, R. K. MAL-HOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 170-I, K. S. Sarbha Nagar,

situated at Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Sai dAct, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sh. Joginder Singh Dhillon s/o Sh. Bhagat Singh r/o Dhilwan (Kapurthala) through Sh. Rattan Singh s/o Bhagat Singh G. A. of Dhilwan (Kapurthala).

(Transferors)

(2) Sh. Kartar Singh s/o Harnam Singh s/o Chanda Singh 170-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in Property No. 1701, K. S. Sarbha Nagar, Ludhiana, (The property as mentioned in the Registration Deed No. 4730 of March, 1979 of the Registering Authority at Luhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. SMN/27/78-79.—Whereas 1, R. K. MAL-HOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory building & land measuring 1 kanal 3 marlas situated at Ghagga Road, Samana, situated at Samana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samana in February, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

25-326GI/79

Sh. Raj Kumar son of Sh. Sarup Chand,
 Smt. Pushpa Devi w/o Sh. Vijay Kumar
 Smt. Kanta Devi w/o Sh. Sohan Lal,
 Smt. Chambeli Devi w/o Sh. Sarup Chand all residents of Samana.

(Transferor)

(2) S/Shri Raghu Nath son of Sh. Babu Ram, Amrit Lal, Prem Sagar, Roshan Lal & Patil Chand sons of Sh. Faquir Chand residents of Ghagga Road, Samana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building and land measuring 1 kanal 3 marlas situated at Ghagga Road, Samana

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 1315 of February 1979 of the Registering Authority, Samana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 15-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. IGN/135/78-79.—Whereas I, R. K. Malbotra, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential building situated at Jagraon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Richal Gilani wd/o Sh. M. Ahmed Gilani for herself and on behalf of S/Sh. Banjiman Gilani and Alexis Gilani resident of 25, The Mall, Simla.

(Transferor)

(2) S/Sh. Waheguru Bux, Satnam and Inderji sons of Sh. Ram Lal c/o M/s Ram Lal Sat Narain Galib Wale, Commission Agent, Grain Market Jagraon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Residential Building situated at Jagraon.
(The property as mentioned in the registered sale deed No. 4866 of Feb. 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludbiana

Date: 15-10-1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. JGN/3/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant plot of land situated at Jagraon situated at Jagraon (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transported under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration—therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Mrs. Richal Gilani for herself and on behalf of S/Shri Banjiman Gilani and Alexis Gilani resident of 25, the Mall, Simla.

(Transferor)

(2) S/Sh. Waheguru Bux, Satnam and Inderjit sons of Sh. Ram Lal c/o M/s Ram Lal Sat Narain Galib Wale, Commission Agent, Grain Market, Jagraon. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot comprised in Khasra No. 933, 934, 930, 931/2, 930/1 and 935 at Jagraon.

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 355 of April, 1979 of the Registering Authority, Jagresson).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 15-10-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Pakhar Singh s/o Sh. Narain Singh r/o Village Bhamipura now Village Hathur, Teh. Jagraon. (Transferor)

(2) S/Shri Balwant Singh, Bhag Singh ss/o Shr Hukam Singh, Village Bhamipura Teh, Jagraon. (Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. JGN/138/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land measuring 30 kanals 3 marlas, situated at Village Bhamipura Teh. Jagraon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Jagraon in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nit been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 kanals 3 marlas situated in Village Bhamipura, Teh. Jagraon.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4945 of February, 1979 of the Registering Officer, Jagraon).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date: 15-10-1979

<u>೬ದವರದನ್ನು ಒದಗಿತ್ತ ಸಮಾಜ</u>

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. KHR/10/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial plot measuring 1250 sq. yds.

situated at D-20 Indl. Focal Point, S.A.S. Nagar, Mohali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in February. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Krishan Kumar Chopra s/o Sh. Rulia Ram, Ucha Khera, Ropar, through G.A. Sh. Harmohinder Singh, s/o Sh. Mohan Singh r/o 1590, Sector 7-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh Puri, Surject Singh Puri s/o Shri Malik Singh B. No. 7, Ferozepur Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial plot measuring 1250 sq. vds. situated at D-20, Industrial Focal Point, S.A.S. Nagar, Mohali.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4244 of February, 1979 of the Registering Officer, Kharar).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 15-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. PTA/253/78-79.-Whereas I, R. K. MALHOTRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. plot of land measuring 1 bigha 2 biswas, situated at Chanda Singh Road, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Brig. Fatch Singh s/o Sb. Genl. Chanda Singh, r/o Chanda Singh Road, Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Nikka Ram & Co; Chanda Singh Road, near A. C. Theatre, Patiala.

(Transferce)

(3) Shri Om Parkash, Tea stall, Sh. Amarjeet, Cycle Repair Shop,
Sh. Mohan Dass, Paan Shop,
Sh. Nihal Singh, Tea Stall,
Sh. Ashok Kumar, Karyana Shop,
Sh. Jagat Singh, Cycle Repair Shop,
Sh. Sukh Ram, Paan Shop,
r/o Chanda Singh Road, Adjacent A. C. Theatre,
Patiala.

Patiala.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1 bigha 2 biswas situated at Chanda Singh Road, Patiala.

The property as mentioned in the registered deed No. 5590 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

> R. K. MALHOTRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th October 1979

Ref. No. MKI./40/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing

No. Agrl. land measuring 51 bigha 3 biswas situated at Village Hathan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Malerkotla in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Inder Singh son of Sh. Nand Singh s/o Sh. Mataba resident of Village Hathan, Tchsil Malerkotla

(Transferor)

(2) S/Shri Zora Singh, Mela Singh sons of Shri Karnail Singh and Sh. Tara Singh son of Sh. Inder Singh son of Sh. Nand Singh resident of Village Hathan, Tehsil Malerkotla.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 51 bigha 3 biswas situated in Vill. Hathan Teh. Malerkotla.

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 406 of February 1979 of the Registering Authority Maler-kotla)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
I udhiana

Date: 15-10-1979

Seal

(1) Shri Suresh Kumar Mohanty Station Road, Berhama

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kaushalya Devi Choudhury W/o Shri Biswanath Choudhury, Station Road, Berhampur. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 9-FOREST PARK, BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 16th October 1979

No. 82/79-80/IAC(A/R)/BBS.—Whereas I, B. Ref. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. A.C. Sheet godown situated at Ambpua Village, Berham-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Berhampur on 23-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: .___

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A. C. Sheet Godown situated at Ambpua Village, Berhampur under the jurisdiction of Sub-Registrar, Berhampur registered by Sale Document No. 513, dt. 23-2-79.

> B. MISRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhubaneswar

Date: 16-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 22nd August 1979

C.R. No. 62/23199\$79-80/Acg/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11/12 situated at Gundopanth Street, Bangalore, Dn. No. 18

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 3806/78-79 on 14-2-1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

26-326GI/79

- Shri Jayasimha Rao Cavale Alias C. Ja Rao, S/o Late Dr. C. Raja Rama Rao, Puttanna Road, Basavanagudi, Bangalore-4. C. Jayasimha Rao, No. (Transferors)
- M/s Saptagiri Complex, Rep. by partners
 Smt, L. A. Pushpamala, W/o L. S. Ananthapadmanabha, No. 100, Vanivilas Road, Bangalore.
 Sri G. A. Ramalingaiah, S/o Adapasetty, No. 194, 9th Cross, II Block, Jayanagar,

Bangalore.

3. Sri. S. N. Krishnamurthy, No. 294, Ramaiyengar Road, V. V. Puram, Bangalore.

4. Smt. V. B. Jalajakshi, No. 35, M. G. Road, Hosur, Tamilnadu.

(Transferees)

(Transferees)

(3) Sri Govindaraju Naicker, Sri Bhapathi Naidu, (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Doc. No. 3806/78-79.

14-2-79.

House property bearing No. Old Nos. 82 and 83 New No. 11 & 12, situated at Gundopanth Street, Bangalore-2, Div. No. 18, (Middle portion of property No. 11 & 12 measuring 130×8.10 ").

Bounded by:

North: Gundopanth Street,
South: Sitha Rao Cross,
Fast: Share of property belonging to Shri N.S. R. Cavale.
West: Share of property belonging to Dr. N.R. Cavale.

P. RANGANATHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 22nd August 1979

C.R. No. 62/232000/79-80/Acq/B.--Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11 & 12 situated at Gundopanth Street, Bangalore, Division No. 18,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 3805/78-79 14-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Dr. N. R. Cavale alias Dr. C. Narasimha Rao, S.o. Late Dr. C. Rajaram Rao. Rajaram Pharmacy, Police Road, City Market, Bangalore. Residing at No. 54/18, Kanakapura Road, Bangalore-4.

Transferor(s)

M/o Saptagiri Complex, Rep by partners Smt. L. A. Pushpamala, W/o L. S. Ananthapad-manabha, No. 100, Vanivilas Road, Bangalore.
 Shri G. A. Ramalingaiah, S/o Adapasetty No. 194, 9th Cross, II Block, Jayanagar, Banga-lore

Shri S. N. Krishnamurthy, No. 294, Ramalyengar Road, V. V. Puram, Bangalore.
 Smt. V. B. Jalajakshi, No. 35, M. G. Road, Hosur, Tamilnadu

(Transferees)

(3) V. Govindaraju Nalcker, Bhopathi Naldu (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3805/78-79

14-2-1979)

House property bearing No. old Nos. 82 & 83 New No. 11 & 12 situated at Gundopanth Street, Bangalore-2, Division No. 18, (only western portion of property No. 11 & 12 measuring 13'×8'.10").

Boundaries:

North: Gundopanth Street,

South: Sethu Rao Cross, East . Share of property of Shri J. R. Cavale West: Sri Subbaiah Setty's property.

P. RANGANATHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 22nd August 1979

C.R.No. 62/23201/79-80/ACQ/B.-Whereas 1, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11 & 12, situated at Gundopanth street, Bangalore Division No. 18,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 3802/78-79 on 14-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the ransferor o pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Sri N. S. R. Cavale alias. C. Narayanaswamy Rao. s/o. late. Dr. C. Rajarama Rao. Retd. Executive Engineer, 33/17, Kanakapura Road. Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferors)

- (2) M/s Saptagiri Complex, Rep. by Partners.
 - 1. Smt. L. A. Pushpamala w/o L. S. Ananthapadmanabha No. 100, Vanivilas road, Bangalore
 - 2. Sri G. A. Ramalingaiah, s/o Adapasetty No. 194, 9th cross, II Block, Jayanagar, Bangalore.
 - Sri S. N. Krishnamurthy, No. 294, Ramiyengar road. V. V. Puram, Bangalore.
 - 4. Smt. V. B. Jalajakshi No. 35, M. G. Road. Hosur, Tamilnadu. (Transferees)

(3) Shri V. Govinda Raju Naicker. Bhupathi Naidu. (Person(s) in occupation of the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) my any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3802/78-79. dated 14-2-1979. House property bearing No. old. Nos. 82 and 83 New No. 11 and 12 situated at Gundopanth street. Bangalore. 2 Division No. 18,

Only Eastern portion of the property No. 11 and 12 measuring 130 \times 8.10.

Bounded by:

North: Gundopanth street, South: Sethu Rao cross.

T. Anantharama Setty, Property.

West: Share of Jayasimha Rao. Caralos property.

P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 22nd August 1979

C.R. No. 62/23789/79-80/Acq/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10, situated at Gundopanth Street, Bangalore-2 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 3858/78-79 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri T. Anantharam Setty, S/o. Late Donti Thippainh Setty, Ambika Hall, Tumkur.

(Transferors)

(2) Smt. L. A. Pushpamala, W/o. L. S. Ananthapadmanabha, No. 100, Vani Vilas Road, Bangalore. G.A. Ramalingaiah, S/o. Adapasetty, No. 194, IX 2nd Block, Jayanagar, Bangalore.
S. N. Krishnamurthy, No. 294, Rama Iyengar Road, V. V. Puram, Bangalore.
Smt. V. B. Jalajakshi, No. 35, M. G. Road, Hosur, Tamilnadu, (Transferce(s)

(3) Sri Govindarai Naicker. (Person(s) occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3858/78-79 Dated 17-2-1979). House property bearing No. 10 Gundopanth Street, Banga-

Boundaries :

North: Gundopanth Street, South: Sethu Rao Cross, East: Hanumanthaiah's property,

West: Sri Narayanaswamy Cavale's property.

P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 22nd August 1979

C.R. No. 62/22979/79-80/Acq/B.—Whereas, I. P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 17-5-191, Sy. No. RS. 3-5-A1A, TS No. 729-1A1 situated at 17th Falnir Ward, Jeppinamogaru Village, Mangalore-575002.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mangalore, Doc. No. 1005/78-79 on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Rev. Fr. Antony John D'Souza, S/o Mr. Schastian D'Souza,
 Rev. Fr. Dominic David Vincent D'Souza, S/o Mr. Schastian D'Souza, Residing at Valencia, Mangalore-575002.

(Transferors)

(2) Shri P. Abbas. S/o Mr. Idinabba Haji, C/o M/s P. Abbas & Co., Bunder, Mangalore-575001.

(Transferces)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1005/78-79. Dated 22-2-79.

House property bearing No. 17-5-191, in Sy. No. 35A1A, T.S. No. 729 1A1 situated in 17th Falnir Jeppinamogaru Village, Mangalore-575002, bounded by

North: Remaining portion of the same Sy. No.

South: Public road in the same Sy. No. East: Remaining portion of the same Sy. No. & S. D. Line

West: S. D. Line.

P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOYERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 22nd August 1979

C.R. No. 62/23203/79-80/Acq/B.—Whereas, I. P. RANGANATHAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13 New and Old 11 situated at 1st Main road, Jayamahal Extn. Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 3817/78-79 on 15-2-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: ---

- (1) Smt. Sumathi Hasubhai Patel, No. 11/13, I main road, Jayamahal Extension, Bangalore.
 - (Transferors)
- 1. Mrs. Fatima Halcem w/o. Mr. S. A. Halcem, No. 2 Hospital Road, Bhatkal.
 2. Mrs. Nascema Quayum w/o. Mr. S. A. Quayum,

 - Sandalkad Estate, Mercara.

 3. Mrs. Arifa Gias w/o. S. Gayasuddin, Sandal kad estate Mercara.

 - cstate Mercara.

 4. Mrs. Safoora w/o. S. A. Rasheed, No. 13/463, Bhatkal lane, Nagasam Amsane & Desam, Big Bazaar, Calicut, Kerala.

 5. Mrs. Bibi Ameena w/o K. Nazir Ahmed No. 4, Hospital road, Arar, Bhatkal.

 6. Mrs. Zaibunnisa Siddika w/o S. Abdul Rehman Navageth colony, Shamshuddin road, Bhatkal. All represented by P. A. Holder Mr. S. A. Quayum. Sandalkad estate, Mercara.

 (Transferees)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Person(s) in occupation of the property), (Registered Document No. 3817/78-79. Dated 15-2-79.)

House property bearing No. new. 13, Old. No. 11, situated at 1st Main road Jayamahal extension, Bangalore bounded by:— 7 (1 11 44

North: 1st Main road. Jayamahal extn.

South: premises No. 11/15. East: premises No. 12/3. West: portion of permises No. 13.

P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th September 1979

C.R. No. 62/22896/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14, situated at High Street, Cooke Town, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 3268/78-79 on 13-2-79, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. Roshan N. Pundole, W/o Nosher N. Pundole, No. 20, Napean Sea, Bombay, REP. by her duly constituted P.A. Holder, Leslie D'Silva No. 37, Cubbon Road, Bangalore-1
- (2) Mrs. (Dr.) M. M. Mascarenhas, W/o A.R.F. Mascarenhas, No. 14, High Street, Cooke Town, Bangalore. (Transferee(s)
- (3) Mr. Bhattacharya [person(s) in the occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3268/78-79. Dated 13-2-79). No. 14, High Street, Cooke Town, Bangalore.

Boundaries:

North: No. 4, Milton Street South: High Street East: No. 15, High Street West: No. 13, High Street,

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date :6-9-1979 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th September 1979

C.R. No. 62/23155/79-80/Acq/8.-Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24/1, II Cross, Road, situated at New Kalasipalyam layout, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Basavanagudi, Bangalore Document No. 3727/78-79 14-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri C. Venkataswami Raju, S/o Late Chinniah Raju.

- 2. Shri C. V. Mukunda Raju, S/o. C. Venkataswami Raju.
- 3. Shrl C. V. Nataraja, S/o C. Venkataswami Raju** All residing at Old No. 13, New No. 86, Ratna Vilas Road, Basavanagudi, Bangalore-560004.
- ** Minor, represented by natural father & Guardian Sri C. Venkataswami Raju

(Transferors)

(2) Shri Baldev Kishandas, S/o. Kishandas Tarachand 2. Shri Vishuu Kishandas, S/o. Kishandas Tarachand. Both residing at No. 161/162, Cubbonpet Main Road, Bangalore-560 002.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3727/78-79, Dated 14-2-1979) Site No. 24/1, Cross Road, New Kalasipalyam, Bangalore. Boundaries:

East: Site bearing old No. 40

West: 45' feet road North: Premises No. 24 (new) allotted to the share of N. C. Subbaraju and

South: Siddalingappa's godown.

P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th September 1979

C.R. 62/23351/79-80/Acq/B.-Whereas, J. P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. South Eastern portion of Site No. 277/27, present No. 277/27-0(100ft, Road)

situated at Ashoka Piller Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar, Bangalore. Doc. No. 3410/78-79 on 14-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

27-326GI/79

(1) Shri H. R. Guruvareddy, S/o Late Rena Reddy, Hoody Village, Bangalore.

(Transferor)

Shri S. N. Parthasarathy, S/o Sree V pna No. 174 R. N. Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said a Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3410/78-79 dated 14-2-79.)

South Eastern portion of the site No. 277/27 present No. 277/27-0, Ashoka Piller Road, (100 feet Road) Second Block, Jayanagar, Bangalore-560011 and in the 33rd Division of the Corporation of Bangalore.

Boundaries:

East: Ashoka Piller Road, West: Site No. 211/27/03, North: Site No. 277/27/1 and South: Site No. 278.

P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd September 1979

C.R. No. 62/23262/79-80/Acq/B.--Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New 54, situated at Industrial North Suburb, Yeswanthapur, Bangalore-560022

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Rajajinagar, Bangalore Document No. 4912/78-79 on 17-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Dr. S. Balasundaram, S/o. Late S. Srinivasa Ayyar, No. 108A, Rajamahal Extension, Bangalore-6.

(Transferor)

(2) M/s. Mahesh Thread Company, No. 72, Pockkanwala Road, Worli, Bombay-400 018 "Ashishwang".

Represented by Narcsh N, Madhwani Partners: Sri Naresh N, Madhwani Mrs. Madhwani. Savithri N.

> (No. 27/54, Industrial Suburb, Bangalore-22). (Transferee)

(3) 1. Darshan Plastics & Industries. 2. Pradeen Tools & Industries. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4912-78-79, Dated 17-2-1979). House property bearing site No. 27 and Corporation No. 54, situated at North Industrial Suburb, Yeshwanthpur, Bangalore.

Boundaries:

East: Road

West: Part of site & building in site No. 27 North: Site No. 27A South: Private access Road.

P. RANGANATHAN Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th September 1979

C.R. No. 62/23235/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 180 and 181 situated at Srinivasa manddram Road, Balepet, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 3958/78-79 on 23-2-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Sri A. Janardhana Karanth.

2. Shri Λ. Krishnamurthy Karanth.

3. Shri A. Ganapaiah Karanth.

- 4. Smt. Parvathamma w/o Late A. Subraya Kamath
- Shri A. Narasimha Karanath
 Smt. A. Girija Karanth
- Shri A. Kalyana Karanth,
 Sbri A. Vasudeva Karanth.

7 and 8 are minors rep. by natural mother and guardian Smt. Parvathamma, On behalf of Smt. Parvathamma G. P. A. Holder Sri, A Narasimha Karanth. All childrens of late Sri Subraya Karanth (II party) Address. No. 91, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10, Sl. No. 1, 2 & 3 al children of late Sri. A. Sadashiva Karanath

(I Party)
Sl. No. 5, 6, 7 and 8, all children of late Sri
A. Subraya Karanth (II party)
(Transferors)

 1. Sri V. Nagaraj s/o V. A. Venkatachlapathy Shetty
 2. Shri V. K. Choodanatha Shetty s/o. late V. Krishnaiah Shetty, No. 117, Srinivasamandiaram Road, Balepet, Bangalore,

(Transferees)

(3) Sri D. K. Puttu Rao. D. K. Ramachandra Rao.

M/s. Hotel Industrialist Co. Op. Bank.

[person(s) in the occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3958/78-79 Dated 23-2-79). House property bearing No. 180 and 181, Srinivasamandl-ram road, Balepet, Bangalore-53.

> P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DOPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 13th September 1979

C.R. No. 62/23348/79-80/Acq/B.--Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential building, bearing No. 30/1.

situated at Nanjappa road, Bangalore (Dn. No. 62)

"(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Doc. No. 1. 3476/78-79 on 17-2-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the considelation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1822) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Sri Nandlal Nichani s/o late. Narayana Singh Nichani, No. 30/6, Nanjappa road, Bangalore.

(2) Mrs. Indira Gopalkrishnan w/o. Mr. K, Gopal Krishnan, rep. by her duly constituted attorney Mrs. Lucy Jacob. No. 13, Cornwell road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1.3476/78-79. Dated 17-2-79]. Residential building bearing No. 30/1, Nanjappa road, (Dn. No. 62) Bangalore,

Boundaries :

North: Krishnappa layout. South: Premises No. 30/1 B, Nanjappa road.

East: Private property and West: Property of Dr. Hari Rao.

P. RANGANATHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Bangalore.

Date: 13-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalorc-560001, the 14th September 1979

C.R. No. 62/23179/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, B. P. Wadia road, situated at Basavangudi, Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Basavangudi, Bangalore Doc. No. 3534/78-79 on 1-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri C. M. Ramakumar s/o late C.M. Garudachar, No. 3, B.P. Wadia Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferors)

(2) 1. Sri M. R. Shankara Rao.
2. M. R. Gangadhar,
3. M. R. Malikarjuna.
4. M. R. Khandappa (Minor) by Father guardian Mathrubai Rama Rao.
All residing at No. 5, Begamudre Lane Mallikarjuna Temble street, B. V. K. Iyanger road-cross, Bangalore-53.

(Transferees)

K. Ramalingam, partner M/s. Rekho Textiles No.
 B. P. Wadia Road, Basavangudi, Bangalore-4.
 Gopal Krishnappa No. 3, B. P. Wadia road, B. Gudi, Bangalore-4.

[person(s) in the occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3534/78-79. Dated 1-2-79). No. 3, B. P. Wadia road, Basavanagudi, Bangalore-4. Boundaries: As per the sale deed.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 14-9-1979.

Seal 4

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 14th September 1979

C.R. No. 62]23260/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/end bearing No. 913/15.

Situated at II stage 'D' Block, IIIrd Main, Rajajinagar, Bangalore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Rajajinagar, Bangalore. Document No. 5021/78-79 on 9-2-1979.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Lakshamma W/o. R. Siddaramaiah.
 - 2. Shri R. Siddaramaiah S/o Ramaiah.
 - 3. Shri S. Venugopal S/o R. Siddaramaiah.
 - Shri S. Shivaprasad S/o R. Siddaramaiah.
 Shri S. Pushpalatha, minor/by guardian Lakshamma. No. 913/15, 3rd Main Road, 'D' Block Rajajinagar, Bangalore.

(Transferors)

- Shri S. M. Nissar Ahmed
 Sri Sardar,
 No. 21, Hird Main, Rajajinagar, Bangalore.

 (Transferees)
- (3) 1. Shri M. J. Shameel Basha.
 2. V. N. Kamath.
 (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5021/78-79 Dated 9-2-1979).

House property No. 913/15, situated at IInd stage, III Main D Block, Rajajinagar Bangalore-10.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 14-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BENGALORE

Bengalore-560 001, the 15th September 1979

C.R. No. 62/23343/79-80/Acq/B.--Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bengalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

No. 9/2 (Old No. 9) situated at Lewis Road, Cooke Town, Bangalore, Division No. 49)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 3336/78-79 on 16-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nouce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Leena Elisa John, D/o Dr. K. T. John, No. 8, D'Souza Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Tanga Poultries

Partnership firm comprising the following partners:
1. M. J. Thomas,
2. Mrs. Elizabeth Thomas,
3. John Thomas,

M J. Koshy, Mrs. Mary Koshy,

John Koshy and

Mathew Koshy and represented by their Managing Partner

Shri M. J. Koshy, No. 81, Dacosta Square, St. Thomas Town, Bangalore,

(Transferces)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3336/78-79 Dated 16-2-1979) Site No. 9/2 (old No. 9) Lewis Road, Cooke Town. Bangalore (Division No. 49).

Boundaries :-

North: Continuation of Lewis Road, South: Thomson's property

East: Naidu's property bearing No. 17 Lewis Road and West: Property belonging to Mathews, bearing former No.

17 Lewis Road.

P. RANGANATHAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 15-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN

Cochin-682016, the 23rd June 1979

Ref .No. L.C.304/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per scheduled situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 9-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. V. Kunjumarakkar, Kalathilkunnu Amsom Desom, Calicut.

(Transferor)

(2) Smt. Safia, W/o Sh. P. K. Abammed, Gandhi Road, Calicut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th right over the property as per schedule attached to doc. No. 116/79 dt. 9-2-1979 of SRO, Calicut.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 23-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 7th August 1979

Ref. No. L. C. 317/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Manavalassery (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Irinialakuda on 20-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nit been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

28-326GI/79

Smt. Lilly,
 W/o Ittiachan,
 Kathrikadavu Road, Near Jew Cometry,
 Kaloor, Ernakulam.

(Transferor)

(2) Shri K. K. Raghava Menon (for I. C. Menon) Sree Vihar, House No. 9/9, Kavil West, Lokamaleswaram, Kodungallur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.64 acres of land in Manavalassery Village as per schedule attached to Doc. No. 324/79 of SRO, Irinjalakuda.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 7-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 7th August 1979

Ref. No. L. C. 318/79-80,---Whereas, I. K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Manavalassery (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Irinjalakuda on 17-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nit been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Lilly, 2. Jojo, 3. Thankamma, 4, Ressy
 Mathew, 6. Juno, 7. Damian, 8. Madonna By Lilly
 Kathrikkadavu Road, Near Jew Cemetry, Kaloor, Ernakulam.

(Transferors)

(2) Shri K. K. Raghava Menon (for I. C. Menon) Sree Vihar, House No. 9/9, Kavil West, Lokamaleswaram, Kodungallur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 acres of land with buildings in Manavalassery Village as per schedule attached to Doc. No. 647/79 of SRO, Irinjalakuda.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 7-8-1979

(1) Smt. Daisy, Chiriyankandath House, Round North, Trichur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramachandran, C/o M. C. Raghavan Ezhuthassan, Maravattikkal House, Chettupuzha, Trichur Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 7th August 1979

Ref. No. L. C. 323/79-80.—Whereas, I. K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 17-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 962/

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 7-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 7th September 1979

Ref. L.C. 324/79-80.—Wheeras, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichur on 17-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kunjila, Chiriyankandath House, Round North, Trichur.

(Transferor)

(2) Shri Ramachandran, C/o M. C. Raghavan Ezuthassan, Maravattikkal House, Chettupuzha, Trichur Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 956/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 7th September 1979

Ref. No. L.C. 325/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichur on 17-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mariyam, Chiriyankandath House, Round North, Trichur.

(Transferor)

(2) Shri Ramachandran, Maravattikkal House, Chettupuzha, Trichur Dt.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 961/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam
Cochin.

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 7th September 1979

Ref. No. L.C. 326/79-80,—Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Trichur on 17-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Elissa, Chiriyakandath House, Round North, Trichur.

(Transferor)

(2) Shri Ramachandran, Maravattikkal House, Chettupuzha, Trichur Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 960/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam
Cochin.

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 7th September 1979

Ref. No. L.C. 327/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-adn bearing Sy. No.

as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichur on 17-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Manuel, Chiriyakandath House, Round North, Trichur.

(Transferor)

 Shri Ramachandran, Maravattikkal House, Chettupuzha, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 959/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam
Cochin.

Date: 7-9-1979

FORM ITNS --- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 7th September 1979

Ref. No. L.C. 328/79-80.--Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 17-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the ebject of—

- (a) s'acilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri F. C. Pyloth, Chiriyakandath House, Round North, Trichur.

(Transferor)

- (2) I. Shri P. N. Sankaranarayanan, C/o P. K. Nanu Ezhuthassan & Sons, West Fort, Trichur.
 - Shri Ramachandran, Maravattickal House, Chettupuzha, Trichur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 958/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Frnakulam
Cochin,

Date: 7-9-1979

SenI .

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 7th September 1979

Ref. 1..C. 329/79-80.—Whereas, I, K. Narayann Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichur on 17-2-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1 957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -- 29--326GI 79

(1) Shri F. C. Ouseph, Chiriyankandath House, Round North, Trichur,

(Transferors)

 Shri P. N. Sankarmarayanan, C/o M/s, P. K. Nanu Ezhuthassan & Sons, West Fort, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 957/79 of SRO, Trichur.

K, NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam
Cocbin.

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 7th September 1979

Ref. No. L.C. 330/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 17-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OI
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri F. C. George, Chiriyankandath House, Round North, Trichur. Trichur-1.

(Transferors)

Shri P. N. Sunkaranarayanan, Coo P. K. Nanu Ezhuthassan & Sons, West Fort, Trichur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 955-79 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON Competent Authority Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 7-9-1979

PART [II-SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Narayanakutty Menon, C/o Engineers International, Armenian Street, Madras-600001.

(Transferors)

(2) Shri P. C. Mathew, Chartered Accountant, Baker Road, Kottayam,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 10th September 1979

Ref. No. 1..C. 334/79-80.---Whereus, I, K. NARAYANA MENON

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Frnakulam

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Frnakulam on 9-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.1 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 484/79 of SRO, Ernakulam.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 10-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 18th September 1979

Ref. No. L.C. 339/79-80.—Whereas, J, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Trichur on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri C. S. Menon, No. 94 $\Lambda/4$, Mount Road, Madras.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. T. Bhanumathy Amma,
 - 2. Dr. (Mrs.) Kamala Unni,
 - 3. Mrs. Rama Devi,
 - 4. Mr. Sreekumara Menon,
 - 5. Mr. Balakrishnan,
 - Mr. Ravindran, Sreenilayam, Kavil North, Kodungalur, Pin-680-664.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half right over land and building as per schedule attached to Doc. No. 1080.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 18-9-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 18th September 1979

Ref. No. L.C. 339/79-80,—Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichur on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Smt. Pramila Menon, No. 94A/4, Mount Road, Madras.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. T. Bhanumathy Amma,
 - 2. Dr. (Mrs.) Kamala Unni,
 - 3. Mrs. Rama Devi,
 - 4. Mr Steekumara Menon,
 - 5. Mr. Balakrishnan,
 - Mr. Ravindran, Sreenilayam, Kavil North, Kodungalur, Pin-680664.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half right over land and building as per schedule attached to Doc. No. 1084.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority
Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax.

Acquisition Range, Ernakulam

Date . 18-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR COCHIN-682016

Cochin-682016, the 19th September 1979

Ref. No. J.C. 340/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per scheule situated at Vijayapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottayam (Addl) on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- J. Shri Alexander Sebastian, Managing Director, Koolfoam (P) Ltd., Muttanpalam, Kottayam.
 - Smt. Achamma Sebastian, Pallivathukkal Buildings, Muttapmalam Kara, Kottayam.

(Transferors)

(2) Cherian P. Varghese, Premier Rubbers & Trades, Post Box No. 23, K. K. Road, Kottayam.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1 acre 95 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 628/79..

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 19-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR COCHIN-682016

Cochin-682016, the 19th September 1979

Ref. No. L.C. 342/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

as per schedule situated at Trivandrum

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Chaai on 13-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the esaid instrument of transfer with the object of 1—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:

(1) Smt. Vijaya Nambiar, T. C. 50/1834, Padmalayam, Triyandrum-2.

(Transferors)

(2) 1. Shri George,
Erattu House, Puthusserymala, Ranny.
2. Smt. Annie George,
Erattu House, Puthusserymala, Ranny.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 435/79.

K. NARAYANA MENON Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 19-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ray Mathai, Kalady Finance Corporation Kaladý.

Gee Nivas, Perumbayoor.

(1) Smt. Saramma.

(Transferors)

(Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR COCHIN-682016

Cochin-682016, the 20th September 1979

Ref. L.C. 343/79-80.--Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Perumbayoor

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perumbayoor on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 947/79.

> K. NARAYANA MENON Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ernakulam

Date: 9-10 1979.

(1) Dr. K. P. Vareed, Thoppil House, Paravoothara, N. Parur.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR COCHIN-682016

Cochin-682016, the 21st September 1979

Ref. L.C. 344/79-80.—Whereas, I. K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Parur

(and more fully described in the Schedule onnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at North Parur on 15-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30-326 GI/79

(2) Smt. Mariamma John, C/o E. M. John, John & Jose, Temple Road, N. Parur.

(Transferees)

Obectionsj, if any to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date 21-9-1979 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Dr. K. P. Varced, Thoppil House Paravoothara, N. Parur.

(Transferors)

(2) Shri R. M. John, C/o John & Jose, Temple Road, N. Parur.

(Transferees)

(3) Thachil George.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 21st September 1979

Ref. L.C. 345/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Parur

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at North Parur on 15-2-1979

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

14 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc No. 629/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date 21-9-1979

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR COCHIN-682016

Cochin-682016, the 29th September 1979

Ref. L.C. 320/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Trichur on 23-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Peter S/o Ouseph, Ezhuvathingal, Kiznakkumpattukara, Trichur-5.

(Transferors)

(2) Shri Paul S/o Antony, Alappattu Palathingal, Kuttur.

(Transferees)

(3) M/s. Welfare Firm, Bankers, Kizhakkekotta, Trichur-5.(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 (Ten) Cents of land and 1 share in buildings bearing Door No. VIII-150 of Trichur Municipality, n S. No. 7442 of Trichur Village as per Schedule attached to Doc. No. 1137/1/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 29-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR COCHIN-682016

Cochin-682016, the 29th September 1979

Ref. L.C. 321/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichur on 23-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rosy d/o Ouseph, Teacher, Ezhuvathingal, Kiznakkumpattukara, Trichur-5.

(Transferors)

(2) Shri Jose S/o Antony, Alappattu Palathingal, Kuttur.

(Transferee)

(3) M/s. Welfare Firm, Bankers, Kizhakkekotta, Trichur-5.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 (Tcn) Cents of land and 4 share in buildings bearing Door No. VIII 150 of Trichur Municipality, 'n S. No. 7442 of Trichur Village as per Schedule attached to Doc. No. 1138/1/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 29-9-1979

(1) Shri Kallada Krishnankutty Ezhuthassan, Veltanikkara Village, Mannuthy, Trichur District.

(2) Musliamveettil Abdulrahiman

(Transferors)

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR COCHIN-682016

Cochin-682016, the 29th September 1979

Ref. L.C. 322/79 80.—Whereas, I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

as per schedule situated at Vellanikkara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ollukkara on 13-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pry tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saki Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

S/o Kunhahammu Haji & Others, Kanchi Manzil, Nattika, Trichur District.

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 (Three) Acres of land in S. No. 67 of Vellanikkara Village as per schedule attached to Doc. No. 1155/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 29-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 29th September 1979

Ref. L.C. 323/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Vellanikkara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ollukkara on 22-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kallada Krishnankutty Ezhuthassan, Vellanikkara Village, Mannuthy, Trichur District.

(Transferors)

(2) Musliamveettil Abdulrahiman S/o Kunhahammu Haji & Others, Kanchi Manzil, Nattika, Trichur District.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 (Three) Acres of land in S. No. 67 of Vellanikkara Village as per schedule attached to Doc. No. 1344/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 29-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th October 1979

Ref. I.C. 348/79-80,---Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per scedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 18-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri T. N. Swaminathan, D/4, Navageetha Co-operative Bldg. Society, St. Antony's Road, Chembur, Bombay-71.
 Minor S. Narayanan
 Minor S. Krishnan
 Minor S. Ramachandran
 Represented by Shri T. N. Swaminathan
 (Transferors)

 Shri M. P. Jacob, XXXI/487, T.D. Road, Ernakulam.
 Shri M. P. Punnoose, Mangalam, Kodanad.
 Shri Prasad Punnoose, Mangalam, Kodanad.
 M. P. Cheriyan, Mangalam, Kodanad.

(Transferees)

(3) Office of the National Cadet Corps, Ernakulam.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 579/79 dated 12-2-1979 of SRO, Ernakulam.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax,
Acquisition Range, Emakulam

Date: 8-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th October 1979

Ref. No. 349/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value as per schedule situated at Frnakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 18-2-1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri M. P. Jacob, XXXJ/487, T.D. Road, Ernakulam.
 Shri M. P. Punnoose, Mangalam, Kodanad.
 Shri Prasad Punnoose, Mangalam, Kodanad.
 M. P. Cheriyan, Mangalam, Kodanad.

(Transferees)

(3) Office of the National Cadet Corps, Ernakulam.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 579/79 dated 12-2-1979 of SRO, Ernakulam.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th October 1979

Ref. L.C. 350/79-80.—Whereas, I K Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 18-2-1979 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31 -326GI/79

- (1) Smt. C. S. Anauthalakshmi Ammal, No. 7, Sundar Nagar, 2nd Street, Meter Factory Road, Thiru chirapally-21. (Transferor)
- 1. Shri M. P. Jacob,
 House No. XXXI/487, T.D. Road, Ernakulam.
 2. Shri M. P. Punnoose,
 Malgalam, Mangalam, Kodanad.
 3. Shri Prasad Punnoose,
 representing by Shri M. P. Jacob
 4. M. P. Cheriyan,
 Mangalam, Kodanad. Planter, Mangalam, Kodanad,
 Cheranellor.
 (Transferees)

. . . .

(3) National Cadet Corps, Ernakulam.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Life Interest in 52 cents of land and buildings as per schedule to Doc. No. 580/79 dated 18-2-79 of SRO, Ernakulam.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Pange, Ernakulam

Date: 8-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th October 1979

Ref. L.C. 351/79-80.—Whereas, I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Muvattupuzha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muvattupuzha on 9--21979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Krishnan Nair,

- 2. Smt. Bhavani Amma
- 3. Shri Purushothaman Nair,
- Shri Somanathan Nair,
 Shri Ramachandran Nair,

Udayabhavanam, Velloorkunnam, Muvattupuzha.
(Transferors)

(2) Shri P. M. Mohammed, Pulparambil, Kavumkara, Muvattupuzha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.16 acres of land with building as per schedule attached to Doc. No. 519/79 of SRO, Muvattupuzha.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date; 8-10-1979

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th October 1979

Ref. L.C. 352/79-80.—Whereas, I, K. Narayana Menon being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. U. Thomas, Manager, Canara Bank, Kottayam.

(Transferor)

(2) Shri P. T. Xavier, Mathilicheril, Lissic Junction, Cochin-18.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10.5 cents with building as per schedule to Doc. No. 694/79 dated 28-2-79 of SRO, Ernakulam.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-10-1979

FORM ITNS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 9th October 1979

Ref. L.C. 353/79-80.—Whereas, I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding as per schedule situated 'at Pottammel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Chevayoor on 15-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rensen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Cholappurathu Saraswathy, D/o Cholappurath Cherootty, Cutcherry Amsom & Desom, Kozhikode.

(Transferor)

 Smt. N. T. Sathyavathy, W/o N. T. Vijayan, General Merchant, 12/732, Big Bazaar, Calicut.

(Transferee)

(3) N. Gopalan and Others, Sop Nos. 28/130 to 142, Kottody, Calicut,

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

74 cents of land and 21 shop rooms bearing Door Nos. 28/130 to 142 in S. Nos. 194/1A2, 194/1C and 193/10, RS Nos. 89/8, 94/1 and 94/2 of Nellikkodu Desom. Kozhikode Amsom, as per schedule attached to Doc. No. 588/79/1 of SRO, Chevayoor.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 9-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th September 1979

Ref. No. JBL/79-80/176.—Whereas, I, M. L. MΛΗΑJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land situated at Jhabal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jhabal on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Karam Singh s/o Nidhar Singh r/o Jhabal Kalan (Transferor)
- (2) Shri Gurdial Singh Harbhal Singh Manjit Singh ss./o Sardool Singh r/o Jhabal Kalan.
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35 kanals 18 marlas nehri situated in village Jhabal Kalan as mentioned in the registered deed No. 1035 dated 8-2-79 of the registering authority Jhabal Kalan

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 18-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th September 1979

Ref. No. JBL KL/79-80/177.--Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Jhabal, Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jhabal Kalan on February, 1979

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Karam Singh s/o Nidhan Singh r/o Jnabal Kalan (Transferor)
- (2) Shri Kirpa Singh Mohinder Singh ss/o Karam Singh V&PO, Jhabal Kalan.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- "(4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30, days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35 kanals 19½ marias situated in village Jhabal Kalan as mentioned in the registered sale deed No. 1086 dated 26-2-79 of the registering authority g Jhabal Kalan.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax.
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 18-9-1979

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/178.—Whereas, I, L. MAHAJAN, IRS.

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing No.

One plot situated at Rajinder Nagar, ASR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amritsar on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 -) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Chhaju Ram s/o Sh. Daulat Ram r/o Kahlwa tehsil Batala, Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Smt. Inderawati w/o Kewal Krishan r/o Quarter No. 1 Guru Teg Bahadur Hospital, Amuitsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house on plot measuring 233 sq. yds & 1 sq. feet situated in Rajinder Nagar, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 4300/I dated 23-2-79 of the registering authority. Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 18-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th September 1979

Ref. No. TT/79-80/179.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Panjwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Taran Taran on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gossa Singh s/o Udham Singh village Panjwar.
 (Transferor)
- (2) Sh. Sulakhan Singh s/o Sohan Singh village Panjwar.
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- '(4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable a property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 26 kanals 5 marlas situated in village Panjwar, tehsil Taran Taran, as mentioned in the registered sale deed No. 6324 dated 27-2-79 of the registering authority Taran Taran.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 18-9-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 21st September 1979

Ref. No. ASR/79-80/180.—Whereas, I. M. I. MAHAJAN, being the Competent Authority under 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

On house situated at Guru Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar on February, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1 957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32-326GI/79

- (1) Sh. Panna Lal s/o Sh. Ram Lubhya r/o House No. 1269, Khu Bombawala, Amritsar. (Transfetor)
- (2) Sh. Jawahar I al s/o Sh. Ram Parkash r/o House No. 5088/9 Gali Bagu Chowdhry Kota Khajana Amrit sar.
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the propert.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of shop No. 151 at Guru Bazar, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4115/I dated 7-2-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 21-9-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1979

Ref. No. ASR/79-80/181.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shop situated at Guru Bazar at Amritsar on February, 1979

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hiralal Anand s/o Sh. Ram Lubhaya r/o House No. 1269 Khoo Bombay wala Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Jawahar Lal s/o Sh. Ram Parkash r/o House No. 5088/9 Gali Bagu Chowdhri Katra Khajana Amritsar. (Transferee)
 - (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
 - (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall ve the same meaning as given in that tapter.

THE SCHEDULE

One half share of shop No. 151 situated at Guru Bazar, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4116/I dated 7-2-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 18-9-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1979

Ref. No. ASR/79-80/182.—Whereas, 1, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot situated at Queens Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritar in February, 1979

for an expected consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Maninder Pal Singh (minor) k/o Sh. Avtar Singh Basarbrahi, r/o 20-A Daya Nand Nagan, Amritsar.

(Transferors)

- (2) Sh. Om Prakash s/o Sh. Madan Lal r/o Katra Sufaid Gali Mochian, Amritsar. (Transferees)
- (3) As at sr, No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person(s) interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 210 sq. mtrs situated on queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4365/I dated 28-2-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 21-9-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1979

Ref. No. ASR/79-80/183.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'strid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house situated at Katra Kuram Singh, Amritsur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

- (1) Sh. Ram Nath Bhatia s/o Sh. Isher Ram r/o Katra Karam Singh, Amritsar.

 (Transferors)
- (2) Sh. Rattan Singh s/o Sh. Khem Chand and Jivan Bai d/o Sh. Khem Chand r/o Katra Karam Singh, Amritsar.

(Transferees)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) it any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house on plot measuring 201 sq. mtrs situated in Katra Karam Singh as mentioned in the registered sale deed No. 4081/I dated 5-2-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 21-9-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/184.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property situated at Br. Gandawala Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Amritsar in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λet, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chuni Lal s/o S. Sohan Singh, 58 Keneddy Avenue, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sri Ram Kishan & Amarnath ss/o Narain Dass Makhija r/o Plot No. 11 Charusti Attari, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- '(4) Any other person(s) interested in the property (Personwho m the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the afore;aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house of three storeys on area measuring 66.9 sq. mtrs. situated in bazar Gandawala as mentioned in the registered sale deed No. 4460/I dated 9-3-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 28-9-79

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1979

Ret. No. ASR/79-80/185.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

one house situated at Br. Tellian, Chowk Phuhara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amutsar in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Upinder Sharma s/o Sh. Gaja Nand r/o Chowk Phuhara, Hall Bhewa Chakrpani Bhawan Bhewa Kurukeshatar.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Piari w/o Sh. Mohan Lal r/o House no. 2436/11-34 Bazar Tellian, Chowk Phuhara, Amritsar.

(Transferees)

(2) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the
property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said monovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house No. 2436/11-34 new No. 2711/2 situated in Bazar Tellian, Chowk Phuhara Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 171/I dated 4-2-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Amritsar.

Date: 6-10-79.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/186.---Whereas, I, M. L. M.\HAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing property

at Madan Mohan Malvia Road, ASR. of property (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Madan Chand Goenka s/o Shri Kishan Chand Amritsar and 95-Soukar Avenue Calcuita through Radhe Valab G. Λ.
 (Transferor)
- (2) Sh. Chetan Singh s/o Pamm Singh r/o 41-Daya Nand Nagar, Amritsar.
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- '(4) Any other person(s) interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the
 property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storey building on area measuring 635.5 sq. mtr. situated at Madan Mohan Malvia Road Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4148/I dated 8-2-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range.
Amritsar.

Date: 28-9-79.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/187.—Whereas. I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. One residential house

situated at Krishna Nagar

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amrilsar on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sint. Daljit Kaur w/o Sh. Anand Kumar Singh r/o No. 110 Abadi Green Avenue Amritsar.
- (2) Smt. Surinder Kaur w/o Suriit Singh r/o 376 Krishna Nagar, Lawrance Road, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person(s) interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in one Kothi No. 376 situated in Krishna Nagar, Lawrence Road, Amritsar Scheme No. 62 Lawrence Road as mentioned in the registered deed No. 4100/1 dated 2-3-79 of the Registering Authority, Amritsar (Area 112½ sq. metrs.)

M. L. MAHAJAN IRS.
Competnt Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 11-10-79.

Scal: .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 11th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/188.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Krishna Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar on February 1979 which is less than the fair market value of the aforesaid

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33—326 GI/79

- (1) Smt. Daljit Kaur w/o Sh. Anand Kumar Singh r/o No. 110 Abadi Green Avenue Amritsar.
- (2) Sh. Surjit Singh s/o Sohan Singh r/o 376 Krishan Nagar Scheme No. 62 Lewarance Road, Amritsar.
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- '(4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 1 share in kothi No. 376 situated in Krishna Nagar schme No. 62 Lawrance Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4144/I dated 9-2-79 (area 112 1/2 sq. mtrs.) Amritsar of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 11-10-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 11th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/189.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

one house situated at Jora Piple Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Amritsar on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kawal Jit Singh, Jarnail Singh ss/o Bhagwan Sinhg, Smt. Gurinder Kaur d/o Bhagwan Singh, S. Gurbachan Singh & S. Harbans Singh s/o Ujagar Singh Smt. Har Kaur wd/o Sh. Bhagwan Singh Smt. Sehaj & Smt. Anupam d/o Bhagwan Singh, S. Ravinder Singh s/o Bhagwan Singh Ktr. Gurba Singh, Amritsar.
- (2) Smt. Kuldeep Kaur w/o S. Sham Singh r/o House' No. 774/7 and No. 322/2 Jaura Piple Kucha (Transferee)
- *(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- '(4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The building No. 774/7 old, New No. dt. 322/2 situated at Katra Gurbha Singh Jora piple Kucha area 125 sq. mtrs. as mentioned in the registered deed No. 4189 Authority dated 15-2-79 of the registering Authority.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 11-10-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 12th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/190.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

agr. land situated at Khokhar Teh. Batala

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sawinder Kaur w/o Gurdial Singh willage Kandiala Teh. Batala.

(Transferor)

- (2) Sh. Kuldip Singh, Baldev Singh etc. ss/o Mangal Singh 3/4 share, Smt. Gurmit Kaur W/o Ram Singh 1/4 share, village Khokhar Tehsil Batala.
 - (Transferee)
- *(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- '(4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 58 kanals 1 marlas (1/3 share of land 174-3 marlas) situated at village Khokhar tehsil Batala as mentioned in the sale deed No. 6727 dated 17-12-79 of the registering Authority Batala.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 12-10-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 15th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/191.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
No. One property situated at Br. Ihanda Singh

No. One property situated at Br. Jhanda Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar on February 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Santokh Singh, Raghbir Singh Ss/o Sh. Surjan Singh C/o Surjit Di Hatti Nimak Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Kalyan Singh Mohan Lal Bagh Jhanda Singh, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant if any M/s. Kirpal Singh Mohinder Pal Singh M/s. K. Kalyan Singh Mohan Lal [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property at the Jhanda consisting of 2 and half storeys structure on area 54.5 sq. mtrs (commercial one) as mentioned in the regd. sale deed No. 4096/I dated 6-2-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 15th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/192.--Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

one property situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sh. Rai Singh Kanauria
 S/o Shri Ladhu Ram
 R/o Kandur tehsil Nurpur Dist. Kangra
 now 229 Shastri Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Janki Dass Arora and Arun Kumar Ss/o Shri Kishan Chand R/o 79 Basant Avenuee Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Shastri Nagar (Kothi No. 229 on area 422.5 sq. mtrs.) Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4289/I dated 22-2-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIGNER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 16th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/193.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land situated at village Sohian Kalan tehsil Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar tehsil on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Attar Kaur Wd/o Shri Jal Singh R/o Village Soian Kalan, tehsil & Distt. Amritsar,

(Transferor)

 S/Shri Balbir Singh, Lukhbir Singh Ss/o Shri Kulwant Singh R/o Village Soian Kalan (Doburji) Teh. & Distt. Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 and tenant if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in village soian Kalan (Doburji) Teh. & Distt. Amritsar measuring 39 Kanals 13 marlas as mentioned in the regd. deed No. 6151 dt. 26-2-79 of the registering authority Amritsar tehsil.

M. L. MAHAJAN, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 16-10-79

(1) 1. Dr. Ibrahim Mohamedbhoy Rawjee

Mohamedbhoy Alibhoy Bhanji
 Ahmed Mohamedbhoy Rowjee.

(Transferor),

(2) Mrs. Khatija Abdul Ebrahim Mausoori_

(Transferee)
(3) Tenant (M/s. Ramchandra Laljec.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 31st August 1979

Ref. No. AR-I/4153-25/Feb.79.—Whereas, I, V. S. SESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

C.S. No. 1043 (Part) of Bhuleshwar Division situated at Pinjara St.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evavion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 2563/78 and as registered on 13-2-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 31-8-1979

_____****____****___****__

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shree Resham Textile Mills Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Khemchand Naraindas Sajnani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st September 1979

Ref. No. AR-II/2754-7/Feb.79.—Whereas, I, P. L. ROONAGTA

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 133, H. No. 1 (pt) 138 (pt) City S. No. 72 (pt) situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. \$-4149/74 and registered on 7-2-79 the Sub-Registrar Bombay.

P. L. ROONGTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 1-9-1979

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th September 1979

Ref. No. AR-II/4136-8/Feb.79.--Whereas, I, V. S. SESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. 177 of Lower Parel situated at Curry Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely " ---

34-326 GI/79

(1) Jamshed Ardoshir Amreliwala,

(Transferor)

- (2) Phoolehand Javerchand Jain (2) Achalchand Rupchand Jain, (3) Tejraj Babut Jain, partners of M/s. Javerchand Omji & ((Transferee)
- (3) 1. Shri S. K. Shetty
 2. Shri N. S. Patel
 3. Shri P. J. Daruwalla
 4. Miss J. C. Baria

 - Shri P. C. Amroliwala
 - Mrs. F. D. Paymaster Shri C. F. Amroliwala Shri K. M. Elavia

 - 9. Shri B. E. Coachbuilder

(Person in occupation of the propery)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Born/ 692/77 and registered on 13-2-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

> V. S. ŞESHADRİ, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 1-9-1979

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th September 1979

Ref. No. AR-I/4137-9/Feb.79.—Whereas, 1. V. S. SESHADRI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 177 Lower Parel Division Curry Road situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 13-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sam Framroze Amroliwala

(Transferor)

(2) 1. Phoolchand Javerchand Jain

Achalchand Jain
 Tej Babumal Jain

partner of M/s. Javerchand Umaji & Co.

(Transferee)

1. Shri S. K. Shetty
 2. Shri N. S. Patel

3. Shri P. J. Daruwalla 4. Miss F. C. Baria

Shri P. C. Amroliwala
 Mrs. F. D. Paymaster
 Shri C. F. Amroliwala
 Shri K. M. Flavia

9. Shri B. E. Coachbuilder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. Bom/ 692/77 and registered on 13-2-1979 with the Sub-Registrar, Bombay.

> V. S. SESHADRI. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 7-9-1979

(1) M/s. Jamnalal Sons Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. K. Chawla, Shri S. L. Mahajan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 25th September 1979

Ref. No. AR-II/2748.1/Feb.79.—Whereas, I, P. L. ROONGTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 36 Hissa No. 1 Survey No. 53-A, Hissa No. 1 survey No. 73, 74, 78-A.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-2-1979 (document No. S.2022/78)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.2022/78 Born. and Registered on 2-2-1979 with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SESHADRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 25-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,

PATNA-800001

Patna-800001, the 29th August 1979

Ref. No. III-341/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 23, Survey plot No. 429, Thana-406 situated at Sarayaganj, Dist. Muzaffarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shyamanand Jalan S/o Shri Ishwardas Jalan, R/o 47-Zakaria Street,, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Gayatri Devi Dhandharia, W/o Sri Vinod Kumar Dhandharia W/o Sri Vinod Kumar Dhandharia Residing Permanently: C/o Shakambari Tea Company, Sarayaganj, Dist. Muzaffarpur. Temporarily at 90A, Shyambazar Street, Calcutta.

(Transferee)

(3) 1. North Eastern Roadways, Muzaflarpur.

 J.B. & Co. Muzaflarpur.
 Sisco Traders, Muzaflarpur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of a brick built godown together with land measuring 4 Kathas 10 Dhurs situated lying at one holding No. 23, Survey plot No. 429, Thana-406 in Sarayaganj, Dist. Muzaffarpur in No. I-1033 dated 23-2-79 registered with the Registrar of Assurances Calcutta.

J. NATH.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bihar, (Patna).

Date: 29-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43*OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 29th August 1979

Ref. No. III-340/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, nspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Holding No. 23, Survey plot 1-6, 429, Thana-406 situated at Sarayaganj, Dist. Muzaftarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Banarasi Devi Jalan, W/o Shri Iswar Das Jalan, R/o 47-Zakaria Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Atmaram Dhandharia, S/o Sri Jayadeo Dhandaria Residing Permanently: C/o Shakambari Tea Company, Sarayaganj, Dist. Muzaffarpur. Temporarily at 90A, Shyambazar Street, Calcutta.

(Transferec)

(3) 1. North Eastern Roadways, Muzaflarpur.

2. J.B. & Co.

Muzaflarpur.

 Sisco Traders, Muzaflarpur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of a brick built godown together with land measuring 4 Kathas 10 Dhurs situated lying at one holding No. 23, Survey plot No. 429, Thana-406 in Sarayaganj, Dist. Muzaffarpur in No. I-1033, dated 23-2-79 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bihar, (Patna).

Date: 29-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 18th September 1979

Ref. No. III-343/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH. Inspecting Assistanct Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Municipal Holding No. 577 New 1161 standing on M.S. Plot No. 2303 situated at Circular Road, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ranchi on 16-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shekha Rendu Mohan Goswami, S/o Late Subhrendu Mohan Goswami, R/o 77 Monoharpukur Road, Calcutta-29.

(Transferor)

S/Shri I. Amreshwar Sahay, 2. Jyoti Kumar
 Prawin Kumar, 4. Prabhat Kumar and
 Rakesh Kumar all Ss/o Shri D. P. Mehta,
 R/o Tharpakhna, Ranchi,
 P.S. Lower Bazar, Dt. Ranchi.

(Transferee)

(3) M/s. Calcutta Chemicals, Circular Road, Ranchi. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

19 Kathas land with building in Holding No. 577 new holding No. 1161 situated at Circular Road, Ranchi, P.S. Lalpur, Dist. Ranchi more fully described in deed No. 1543 dt. 16-2-79 registered with the District Sub-Registrar, Ranchi.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, (Patna).

Date: 18-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,

PATNA

Patna-800001, the 18th September 1979

Ref. No. III-342/Acq/79-80.—Whereas, J. J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihat, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No.

Holding No. 13, Circle No. 7, Ward No. 4/13 situated at Mohl. Khalifabagh, P.S. Kotwali, Dist. Bhagalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 16-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bhagwat Saran,
 S/o Late Banarsi Prasad,
 R/o Mohl. Sujaganj, Dist. Bhagalpur,
 (Transferor)

(2) Shri Mali Ram Saraf, S/o Late Banarsi Lal Saraf, R/o Mohl. Anand Chikilsalaiya, Bhagalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

4 Kathas 9 Dhurs land with building at Mohl, Khalifabagh, Chikilsalaya Road, Bhagalpur more fully described in deed No. 1681 dt. 16-2-79, registered with the District Sub-Registrar, Bhagalpur.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, (Patna).

Date: 18-9-1979

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 24th September 1979

Ref. No. III-344/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 2500/- and bearing

M.S. Plot No. 655 & 666, Cir. No. 20, H. No. 117, T. No. 438, Khata No. 98 situated at Road No. 1, Rajendra Nagar, Near Water Tower, Jagat Narain Lal Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patua on 17-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Subhash Chandra Mehta, Alias Hanmunn Das Mehta, S/o Shri Mangal Das Mehta, R/o Road No. I, Rajendra Nagar, (Near Water Tanki) P.S. Kadamkuan, Patna-3.

(Transferor)

- (2) Shrimati Kusum Gupta, W/o Shri Bisunath Pd. Gupta R/o Nala Road, Patna, presently R/o Road No. 1, Rajendra Nagar, Patna (Near Water Tankey). (Transferee)
- (3) Shri P. L. Chopra (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Katha 13½ Dhurs land together with a double storeyed building thereon bearing M.S. Plot No. 665 & 666, Circle No. 20. Holding No. 117, Tauzi No. 438 Khata No. 98 situated at Road No. 1, Rajendra Negar, Patna more fully described in deed No. 893 dt. 17-2-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tox,
Acquisition Range, Piham (rin na).

Date: 24-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 24th September 1979

Ref. No. III-345/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range. Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tauzi No. 438, Khata No. 98, M.S. Plot No. 665 & 666 Circle No. 20, Ward No. 11 of Patna Municipal Corporation situated at Rajendra Nagar, Patna-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 12-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35-326GI/79

 Shri Subhash Chandra Mehta, Alias Hanuman Das Mehta,
 S/o Shri Mangal Das Mehta,
 R/o Road No. 1, Rajendra Nagar,
 (Near Water Tanki) P.S. Kadamkuan,
 Patna-3.

(Transferor)

(2) Shrimati Nirmala Devi, W/o Shri Rama Nand Prasad, R/o Langartoli, Patna, presently C/o Santosh Opticals, Nala Road, Patna.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Katha 11 Dhur 12 Dhurki land with a double storeyed building thereon bearing M.S. Plot No. 665 & 666, Circle No. 20, Ward No. 11, Tauzi No. 438, Khata No. 98 more fully described in deed No. 760 dt. 12-2-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, (Patna).

Date: 24-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Most Shakuntala Devi, W/o Shri Dwarika Prasad, R/o Tekari Road, Gaya.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Lall Chadha, S/o Shri Bandh Raj Chadha R/o Shaheed Road, Gaya.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. 111-349/Acq/79-80.--Whereas, I,

J. NATII, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 2, Holding No. 48 situated at Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 et 1908), in the office of the Registering Officer at

Gaya in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nit been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd part of one kita house in Mohalla Shaheed Road, P.S. Kotwali, Dist. Gaya, Ward No. 2, Holding No. 48 more fully described in deed No. 2994 of February 1979 registered with the District Sub-Registrar, Gaya.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, (Patna).

Date: 5-10-1979

Seat;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

kef. No. III-347/Acq/79-80,—Whereas, I,

J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Holding No. 21 (old) 45 (New) Ward No. 9A. Mohl, Tilha situated at Mohalla Tilha, Dist. Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gaya on 19-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Bela Chakerburtty, W/o Dr. Sachindra Nath Chakerburtty, R/o Mohl. Bihar Tank Road (Tilha) P.S. Civil Lines, Dist. Gaya.

(Transferor)

(2) Shri Alok Kumar, Minor S/o Dr. Rajendra Prasad, 8/o Sri Khamajih Singh, Assistant Professor in Orthalmology, Magadh Medical College, Dist. Gaya. R/o Tufanganj, P.S. Rahui, Dist. Nalanda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Katha and 161 Dhurs of land with a double storeyed building in Mohalla Tilha P.S. Civil Lines, Gaya bearing Holding No. 21 (old) 45 (New) Ward No. 9 more fully described in deed No. 314) dt. 19-2-79 registered with the District Sub-Registrar, Gaya.

J. NATH.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Iucome-tax,
Acquisition Range, Bihar, (Patna).

Date: 5-10-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Most Shakuntala Devi, W/o Shri Dwarika Prasad, R/o Tekari Road, Gaya.

(Transferor)

(2) Shri Daulat Ram Chadha, S/o Shri Bandh Raj Chadha R/o Shaheed Road, Gaya.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. 111-348/Acq/79-80.--Whereas, 1, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 2, Holding No. 48 situated at Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gaya on February 1979 in January 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent sonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.3rd part of one kita house in Mohalla Shaheed Road, P.S. Kotwali, Dist. Gaya, Ward No. 2, Holding No. 48 more fully described in deed No. 2994 of February 1979 registered with the District Sub-Registrar, Gaya.

> J. NATH. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, (Patna).

Date: 5-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 26th October 1979

Ref. No. 111-362/Acq/79-80. --Whereas, I,

J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that theirmmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Circle No. 24, Holding No. 3, Ward No. 9, Sheet No. 67 Plot No. 112 situated at Ashoko Raj neth, Patna

(and) more fully described in the Schedule annexed hereway, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 27-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesteid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Narain Shah

S/o Shri Laxman Shah

(2) Sri Dhrub Kr. Alias Shailendra Kumar, S/o Sri Ram Dhani Shah

R/o Village Malki Katcheri,

P.S. Malsalami, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Pradip Kumar Yaday, S/o Sri Ram Babu Yaday, R/o Marufganj, P.S. Malsalami, Dt. Patna.

(Transferee)

(3) M/s. General Paper Trading House, Patna.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 annas 4 paise share in a building situated at Ashoke Rai Path, Patna and more fully described in deed No. 1129 dated 27-2-1979 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH,

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar, (Patna).

Date: 26-10-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, ,4/(4A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi-110001, the 23rd October 1979

Rof. No. 1AC/Acq.I/SR.III/Feb.17/1058/78-79.—Whereas, I, MISS ANJANJ OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1 situated at Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, minusty:—

(1) Shri R. P. Kapuur (Retd.) S/o Late Ram Pratap Kapur R/o No. 1, Kaushlya Park, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Surya Enterprises Pvt. Ltd., L-34, Kirti Nagar, New Delhi, through their Managing Director Shri N. K. Bindra.

(Transferee)

(3) M/s. Vijay Bank Ltd.

[Person(s) occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi measuring 930 sq. yds.

MISS ANJANI OZA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-1979

Scal:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi-110001, the 23rd October 1979

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/Feb-45/1038/79-80.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 92 situated at National Park, Lajpat Nagar IV New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rejeshwar Kapoor R/o 35A, Nizamuddin East, New Delhi-13.

(Transferor)

(2) Shri Narinder SinghR/o B-13, Pamposh Fuclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 92 built on plot of land measuring 200 sq. yds. situated at National Park, Lajpat Nagar-IV, New Delhi.

MISS ANJANT OZA, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, ,4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi-110001, the 23rd October 1979

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-W/Feb.30/1023/78-79.—Whereas, I MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. A-I, Kallash Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Narain Devi W/o late S. Nihal Singh R/o N-52, Panchsheela Park, New Delhi. (Transferor)
- (2) M.s. Kohli Imports & Exports (P) Ltd., 6346, Naya Bans, Delhi through its director Shri Amarjit Singh Kohli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storey House No. A-1 built on plot of land measuring 1001.70 sq. vds. situated at Kailash Colony, New Delhi.

MISS ANJANI OZA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi-110001, the 23rd October 1979

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/Feb.48/79-80/1089.—Whereas, J. MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-11 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fustrement of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, margely:—

6-326GI/79

Shri M. N. Masud
 S/o Mirza Daud Beg
 R/o House No. 32, Man Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sant Kaur Kohli W/o Shri Avtar Singh Kohli and Mts. Gurtej Kohli W/o Sh. Swaranjit Singh Kohli R/o R-73, Greater Kailash Part I, New Delhi-110 048.

(Transferee)

(3) Shri N. H. Javeri R/o B-11, Greater Kailash-I, New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-11, Greater Kailash-I, New Delhi built on plot of land measuring 1000 sq. yds. bounded as under:—

East : Road West : Road

North: Plot No. B-9 South: Plot No. B-13.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi-110001, the 23rd October 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/Feb.45/1086/78-79.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agrl. Land 24 bighas situated at Village Satbari Tehsil Mehrauli New Delhi-110030

(and more fully described in the schedule connexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Prasad R/o J-14, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Singh & Smt. Urmik Kaur R/o B-42, Greater Kailash-I, New Delhi-110 048.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 bighas bearing khasra Nos. 401, 404, 410 and 416 situated in Village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi-110 030.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi-110001, the 23rd October 1979

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Feb.17/78-79/1010.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/, and bearing No.

Agrl. land 9 bigha 12 biswas situated at village Bhati Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 3-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr. Mrs. Jeween Saigal
 W/o Mr. Som Nath Saigal
 (2) Sh. Nishay Saigal (3) Kanav Saigal
 both minor Ss/o Sh. Som Nath Saigal
 under the natural guardianship of their father
 Som Nath Saigal
 R/o 1-Park Lane, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Shri Ajit GopalS/o Dr. B. GopalR/o B-16, Swami Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 9 bighas 12 biswas Khasra Nos. 115 min (6-16) 117 min (2-0) and 120 min (0-16) situated in Village Bhati, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-1979

(1) Shri Jagan Singh, Village Neb Sarai, Mehrauli,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Dugal Engineering Company 192 Golf Links, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 24th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/Feb-1(36)/1029/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. Land

situated at Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-2-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (b) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural property in the revenue Estate of Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

Half share in Khewat No. 11 Khasra Nos. 239/2(1-07), 601 (0-04) 332/-(0-7) and full share in Khewat No. 12, Khasra No. 240/-(0-12), 578(4-6), 581(4-6), 583(3-04), 678(1-19), 679(1-12), 680(4-16), 691/2(2-00) and 524/2(2-08) totalling in 29 Bighas and 2 Bigwas.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 24-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Ranjit Singh s/o S. Gulab Singh,, r/o J-5/52M, Rajori Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Surbeer Singh, \$/0 S. Hari Singh, R/0 Gadaipur, New Delhl.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 25th October 1979

Ref. No. IAC Acq-I/SR-III/Feb-I(ii)/1004/78-79,—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. Land

situated at Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-2-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land area 10 bighas 18 biswas, Khasra No. 42 min (2-15) 43 min (2-14), 44 min (4-16), 56 min Janub (0-4) with Tube-well, situated in village Sultanpur, Tchsil Mehrauli, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 25-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 19th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-1II/R-79/1009.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural Land,

situated at Village Bhati, Tehsil Mchrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 3-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. Mrs. Jeween Saigal w/o
Mr. Som Nath Saigal,
Nishoshay Saigal and Kanav Saigal,
both Minor sons of Som Nath Saigal,
under the Natural guardianship of their father
Mr. Som Nath Saigal,
Resident of No. 1, Park Lane,
New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Sanjay Leekha, s/o Dr. H. L. Leekha, and Dr. Harbans Lal Leekha s/o Late Shri Salamat Rai Leekha, for self & as natural guardian of his minor son Ajay Leekha, Resident of D-62, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land 19 bighas & 11 biswas, Khasra Nos. 117 min (2-5), 118 min (4-6), 119 min (3-16), 120 min (1-17), 115 min (1-16), 2046/123 (3-8), 2044/123 (1-6), 125 (5-16), with tube-well situated in village Bhati, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 19-10-1979

FORM ITNS----

Shri Dwarka Bhamidipati Parthasarathi,
 s/o Late Sh. Dwarka Bhamidipati Krishnamurthy,
 R/o 164 Jorbagh,
 New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 26th October 1979

Rcf. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-79/1140.—Whereas I, Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural Land,

situated at village Bijwasan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s. Huns Air Private Ltd., Hocchest House 3/1 Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land admeasuring about 20 bighas and 2 biswas situated in village Bijwasan, Delhi, along with dwelling unit stores and sheds constructed therein.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 26-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th July 1979

Ref. No. 483/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas I, VAS-KAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing, No.

Flat 2A situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/1. Anamika Builders (P) Ltd., 20, Ganesh Ch. Avenue, Calcutta,

(Transferor)

(2) Shri Jagmohan Singh Grewal, 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of Flat No. 2A on the 2nd floor of the building, situated at 23, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 24-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 4th August 1979

Ref. No. 485/Acq.R-III/79-80-Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000 and bearing No.

1, situated at Vivekanando Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-2-1979,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

37-326GI/79

Smt. Sajjan Dugar,
 Noormal Lohia Lane,
 Calcutta,

(Transferor)

Smt. Sohani Devi Sethia,
 Vivekananda Road,
 Calcutta.

(Trunsferce)

(3) 1. Bimal Kr. Sethia,

2. Prem Devi Sethia,

Gour Devi Sethia,
 Chainrup Sethia.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of undivided one tenth share in premises No. 1, Vivekananda Road, Calcutta consisting of five cottahs two chittacks and two sq. ft. of land with a six storied building thereon.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 4-8-1979

(1) Smt. Rama Basu, 4B, Samar Sarani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA.

Calcuta-16, the 16th August 1979

Ref. No. AC-25/R-II/Cal./79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/s and bearing

No. 129 situated at Block-B, P. S. Lake Town, Calcutta-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Registrar of Assurances, Calcutta on 5-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Shri Ashis Baran Chaudhury, P-99, Lake Town, Block-A, Calcutta-55.

 (Transferee)
- (3) Vendor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 129, Block 'B' P. S. Lake Town, Calcutta 28, Area 4-cottahs & 2-sq. ft.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 16-8-1979,

(1) Sri Alok Kumar Chamaria.

(Transferor)

(2) Smt. Pratibha Chamaria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 4th September 1979

Ref. No. SJ,-500/TR-515/C-469/Cal-1/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

No. 9, situated at Westton Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 5,2,79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/10th share of land measuring an area of 30,000 Sft. more or less together with partly five-storied and partly four-storied brick built building registered before the Registrar of Assurances, Cal. vide Deed No. I, 549 for 1979 dated 5.2.79.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-I,
Calcutta-16.

Date; 4-9-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 5th September 1979

Ref. No. AC-35'R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 44B, situated at Karl Marx Sarani, Calcutta-23, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 7-2-1979,

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Salim Anwar Hossain, 44B, Karl Marx Sarani, Calcutta-23.

(Transferor)

- (2) Shri Md. Kamal, 44B, Karl Marx Sarani, Calcutta-23, (Transferee)
- (3) Vendor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4-cottahs, 2 chi'taks & 30-sq. ft. with huts at premises No. 44B, Karl Marx Sarani, P.S. Ekbalpore, Calcutta-23

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commit ioner of Income-tax,
Acquistion Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 5-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1

CALCUITA

Calcuta, the 7th September 1979

Ref. Sl. No. 502/TR-543/C-497 Cal-1/78-79.--Whereas. I S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9 & 9/1, situated at Talbagan I ane, Calcutta-14, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 21.2.79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

- (1) Smt. Minati Banerjee, (2) Sova Banerjee (3) Kanu Mukherjee.
- (2) Siva Kundra w/o Yashpal Kundra. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said kannovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring an arta of 3K 13Ch 41 Sft, registered before the Sub-Registrar, Alipore, 24-Parganas vide Deed No. 876 of 1979 dated 21-2-1979.

S. K. DASGUPTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-1,
Calcutta-16.

Date: 7-9-1979,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutia, the 10th September 1979

Ref. No. 590/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. G on 2nd floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16.2.1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income ax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property oy the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Tamely

- (1) Smt. Nilima Das, 25A, Southend Park, Calcutta. (Transferor)
- (2) Smt. Sulata Sarkar, 22'6, Budhu Ostagor Lane, Calcutta-9.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. G on the Second Floor in premises No. 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date :10 9-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CAI.CUTTA.

Calcutta, the 12th September 1979

Ref. No. St. 503/TR-518 C-476. Cal-1/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 69/1(2/3rd share) situated at Ratan Sarkar Garden Street, Calcutta-7,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 23-2-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration tacrefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said. Act to the following processes, nonely:

S/Shri Sanat Kumar Basak, 2. Aloke Kumar Basak,
 Tarit Kumar Basak, 4. Ananta Kumar Basak, 5.
 Smt. Monorama Seth, 6. Smt. Anima Rani Bera, 7.
 Nilima Rani Basak, 8. Smt. Purnima Rani Basak,
 Swapan Kumar Basak,

(Transferors)

(2) S Shri Radha Kissen Kedia, 2. Hiralai Kedia, 3. Mohonlal Kedia, 4. Balkissen Kedia, 5. Kamal Kishore Kedia.

(Transferees)

(3) 1. Sri Promode Ranjan Basak.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 2/3rd share of partly two and three storeyed building being premises No. 69/1, Ratan Sarkar Gorden St., Calcutta-7, together with land measuring 2 cottahs and registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-1038 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Calcutta-16.

Date: 12-9-1979.

FORM LTNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 26th September 1979

Ref. No. AC-36/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sad Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/3, situated at Block-D, Bangur, P. S. Lake Town, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore on 14-2-79,

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Patit Paban Guha, 157/1, New C.I.T. Road, Beliaghata, Calcutta-10

(Transferor)

(2) 1. Sri Ptubir Kumai Dey, 9, Syed Amir Ali Avenue, Calcutta-8.
2. Sri Subir Kumar Dey, 9, Syed Amir Ali Avenue, Calcutta.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENGLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5-cottahs & 33-sq. ft, being plot No. 1/3 of Block-D in Bangur, under South Dum Dum Municipality.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Calentta-16.

Date: 26-9-1979.

(1) Sri Godadhar Nath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta-16, the 24th September, 1979

Ref. No. AC-62/Acq.R-IV/Cal/79-80.---Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 679, situated at Serat Chandra Chatterjee Road, Shibpur. Howrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 9-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ tr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inhibite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

38---326GI/79

(2) Sri Dinesh Chandra Das.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 14 chit(aks 30) sft with building situated at 679, Sarat Chatterjee Road, Mouza Bator, P. S. Sibpur, Distt: Howrah, more particularly as per deed No. 324 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Colcutta-16.

Date: 24-9-1979,

 Shri Om Prakash Dokania, Shri Dwrika Prasad Salarpunia,

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lamshmi Devi Kesora,

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

()FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta-16, the 24th September 1979

Ref. No. AC-63/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/61, situated at Bangure Avenue, P. S. Rajarhat, 24-Parganas,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 15-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of transfer with the chiect of :—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 28 sft. situated at plot No. 82, Block-C in Bangure Avenue, Holding No. 1/61, Bangur Avenue, P. S. Rajarhat, Distt. 24-Pgs. more particularly as per deed No. 795 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Calcutta-16.

Date; 24-9-1979.

Seai:

(1) Shri Nathmal Agarwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Shyam Sunder Agarwala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 24th September 1979

Ref. AC-64/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 308, situated at Mouza Borakar, Dist: Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.60 decimal situated at C.S. Plot No. 308, R.S. Plot No. 345, R. S. Kh. No. 955, Mouza Borakar, P. S. Kulti, Distt. Burdwan more particularly as per deed No. 825 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Date: 24-9-1979.

(1) Smt. Durga Bala Dassi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Gour Chandra Mandal & Smt. Sandhaya Rani Mandal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA,

Calcutta-700016, the 24th September 1979

Ref. AC-65/Acq R-IV/Cal/79-80.--Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Dag. No. 45, situated at Mouza Sahera, P.S. Dum Dum Airport,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cossipore on 23-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 Bigha 4 chittaks situated at Distt. 24-Pgs., P.S. Dum Dum Airport Mouza Sahera, Kh. No. 293, Dag No. 45, more particularly as per deed no. 1285 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-IV,.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Date: 24-9-1979.

(1)Smt. Dhanamaya Tamang.

(Transferor)

(2) Shri Benoy Malhotra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV.

ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA.

Calcutta-700016, the 24th September 1979

Ref. No. AC-66/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereus, J, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 244 situated at Pradhon Nagar, P.S. Siliguri, Distt: Darjeeling,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 7-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if anf, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10 cottals 8 chittaks at P.S. & Mouza Siliguri, J.L. No. 110, Kh. No. 428, 412/1 & 4/2/2, C.S. Plot No. 244, Dist: Darjeeling, more particularly as per deed no. 749 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Date: 24-9-1979.

(1) Shri Sokhi Sona Shaw.

(Transferor)

(2) Shri Dinabandhu Shaw.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) 1. Smt. Kishori Bala Ghosh, 2. Sri Parimal Chandra Ghosh & 3. Sri Kali Charan Rajak.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA.

Calcutta-16, the 24th September, 1979

Ref. No. \$1.504/TR-516/C-470/Cal-1/78-79.—Whereas, I, I, V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marekt value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

No. 67, situated at Durga Charan Doctor Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-2-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one and partly two storeyed building on land measuring 6 cottahs 3 chittacks being premised No. 67 Durga Charan Doctor Road, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-761 dated 14-2-79.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I,
Calcutta.

Date: 24.9.79.

(1) Shri Ajit Kumar Das.

(Transferor)

_ (2) M/:

(2) M/s. Economic Engineering Works.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th September, 1979

Ref. AC-67/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag. No. 3229, situated at Pargana Baikunthapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 26.2.1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 14 cottahs 11 chittaks and structures thereon situated at Pargana Baikunthapur, Mouza & P.S. Siliguri, Dist: Darjceling, Kh. No. 1252, Dag No. 3229, J.L. No. 110, Holding No. 85, more particularly as per deed no. 1286 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissione, of Income-tax.
Acquistion Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 24-9-1979.

(1) Shri Dulal Chandra Dey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Payarilal Agarwala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th September, 1979

Ref. AC-68/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 8811 situated at P.S. & Mouza Siliguri.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 16.2.1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one third share of land measuring 741 sqft. with building thereon situated at plot no. 8811, Kh. No. 4629, Mouza & P.S. Siliguri, Dist. Darjeeling, more particularly as per deed No. 1007 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 24-9-1979,

1.EX. 111 ODG: 11

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV 54: RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 24th September 1979

Ref. No. AC-69/Acq.R-IV/Cal/79-80 —Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 8811 situated at P.S. & Mouza Siliguri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Siliguri on 17-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
39—326GI'79

(1) Shri Dulal Chandra Dey.

(Transferor)

(2) Shri Mahabir Prosad Agarwala.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one third share of land measuring .002 acres situated at plot on 8811, Kh. No. 4629, Mouza & P.S. Silliguri, Dist. Darjeeling, more particularly as per deed no. 1039 of 1979.

S. K. DASGUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54: Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date: 24 9 1979.

(1) Shri Dulal Chandra Dey,

(Transferor)

(2) Shri Mangeram Agarwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV 54: RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16.

Calcutta-16 the 24th September 1979

Ref. AC-70/Acq R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Plot No. 8811 situated at P.S. & Mouza Siliguri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 19-2-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Englanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one third share of land measuring .002 acres situated at plot no. 8811 Kh. No. 4629, Mouza & P.S. Siliguri Oist. Darjeeling more particularly as per deed no. 1099 of 1979.

9. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
54: Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date: 24-9-1979.

(1) Sri Ramapati Bhattacharjce.

(Transferor)

(2) Sri Jagatpati Bhattacharjee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV 54: RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 8th October 1979

Ref. AC-71/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/2 situated at Dinu Lane, P.S. Bantra, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Howrah on 27.2.1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4 cottahs 5 chittaks 30 sft including building situated at 1/2, Dinu Lane, P.S. Bantra, Howrah, more particularly as per deed no. 296 of 1979

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 8.10.1979.

(1) Shri Ranu Gupta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Hindustan Lever Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV 54: RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 8th October 1979

Ref. AC-72/Acq R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Dag. No. 1359, 1361, 1362, 1363, 1365, 1367, situated at Mouza Rajarampur, P.S. Sutahata, Midnapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sutahata on 3.2.1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.822 acres situated at Dag No. 1359, 1361, 1362, 1363, 1365 and 1367 Mouza Rajarampur, P. S. Sutahata, Midnapur, more particularly as per deed no. 1003 of 1979.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 8.10.1979.

FORM TINS-

(1) Shri Kanailal Ghosh.

3. Sri Niranjan Saha.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA-16,

Calcutta-16, the 29th October 1979

Ref. AC-82/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 352 situated at Mouza & P.S. Chandannagar, Dt. Hooghly.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hooghly on 16-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) 1, Sri Akshoy Kr. Saha, 2, Sri Sukh Ranjan Saha &

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE' SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 104 acres with building situated at Kh. No. 352, Mouza & P.S. Chandannagar, Dt. Hooghly, more particularly as per Deed No. 734 of 1979.

S. K. DASGUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.

Date: 10-10-1979

(1) Smt. Sakuntala Devi Killa,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amardeep Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA-16.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta-16, the 29th October 1979

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. 619/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 situated at

Sarat Bose Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 22-2-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 9 chittacks together with structures thereon situated at premises No. 1, Sarat Bose Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Date: 29-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 29th October 1979

No. 620/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I situated at Sarat Bose Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22.2.79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Badrinarayan Agarwal, Sri Gouri Sankar Agarwel, Sri Darka Prosad Agarwal, Sri Kailash Bagaria, Sri Subhas Bagaria & Sri Ram Nagina Singh.

(Transferors)

(2) M/s. Amardeep Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 9 chittacks together with structures thereon situated a premises No. 1, Sarat Bose Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16,

Date: 29-10-1979

(1) Basant Kumar Tibrewalla Ashok Kumar Tibrewalla.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amardeep Co-operative Housing Society Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 29th October 1979

Ref. No. 621/Acq.R-III/79-80/Cal.-Whereas, I, I. V. S.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

IUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Rs. 25,000/- and bearing No. 1

at Calcutta on 22.2.79

situated at Sarat Bose Road, Calcutta

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Chapter.

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 9 chittacks together with structures thereon situated at premises No. 1, Sarat Bose Road, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Calcutta, 54, Rafi Abmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1979.

FORM ITNS ---

(1) Shri Krishna Murari Lal Agarwal.

(Transferor)

(2) Shri Baij Nath Upadhyaya.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

57, RAMTIRTH MARG ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1979

Ref. No. 85-B/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

35, Aarazi 488 Sq. Yds situated at Civil Lines No. 35, Rampur Bagh Fast of N.C.C. office, Barcilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 16-2-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Aarazi 488 Sq. Yds. including boundarywall situate at No. 35, Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 895 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Bareilly on 16-2-79.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—
40—326GI/79

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 29-9-79.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th September 1979

Ref. No. 632/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Abobar

(and more fully described in the Schedu'e annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Abohar on Morch 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Ram Kumar s/o Gopal Ram Gali No. 7, Nai Abadi, Abohar.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Girdhari Lal e/o Sh. Amir Chand, Jain Nagri, Abohar.

(Transferce)

(3) As per S.No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house as mentioned in the registration deed No. 2804 of 3/79 of the S.R. Abohar.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely '---

Date: 27-9-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA Bhatinda, the 27th September 1979

Ref. No. AP.631/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Abohar on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sh. Ram Chand s/o Sh. Bhata Rum r/o H.No. 1266 Gali No. 6, Abohar.

(Transferor)

(2) Smt. Swarn Lata w/o Sh. Abnash Chander r/o H.No. 1266 Gali No. 6 Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As per S.No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house as mentioned in the registration deed No. 2705 of 3/79 of the S.R. Abohar.

SUKHDEV CHAND,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 27-9-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th September 1979

Ref. No. A.P.630/78-79.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Gali No. 8, Nai Abadi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sh. Shital Das s/o Sh. Lal Chand s/o Sh. Bool Chand r/o Gali No. 7 Abohar.
- (2) Sh. Swami Lal Thakar, Gaddi Nishan Sewak Sabha Atil Jeaoti Mandi r/o Gali No. 8 Nai Abadi, Abohar.
 (Transferce)
- (3) As per S.No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house in Gali No. 8, Nai Abadi, Abohar as mentioned in the registration deed No. 2547 of 3/79 of the S.R. Abohar.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 27-9-79.

9357

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1979

Ref. No. A.P.629/79-80.—Whereas, I₃ SUKHDEV CHAND being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

As per schedule situated at Nai Basti, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the haid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sh. Jagir Singh s/o Gopal Singh r/o H.No. 3084 Gurunanak Sector, Bhatinda.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Narain Singh s/o Sh. Hari Singh r/o 1339/A Gali No. 1 Nai Basti, Bhatinda.

 (Transferce)
- (3) As per S.No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nouce in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house as mentioned in the Registration deed No. 5703 of 3/79 of the S. R. Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-79.

Seai:

(1) Sh. Jagir Singh s/o Sh. Gopal Singh r/o H.N. 3084-H, Gurunanak Sector, Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1979

Ref. No. AP.628/79-80.—Wheraas. I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and L have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sh. Satnam Singh s/o Narain Singh r/o 1339/A Gali No. 1 Nai Basti, Bhatinda. (Transferee)

- (3) As per S.No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house as mentioned in the registration deed No. 5702 of 3/79 of the S. R. Bhatinda.

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-79.

Ser*:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1979

Rel. No. A.P. 627/78-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Nai Basti, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been nor which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afordsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jagir Singh s/o Sh. Gopal Singh r/o 1339/A, Gali No. 1 Nai Basti, Bhatinda.

 (Transferor)
- Sh. Jeewan Singh s/o Sh. Narain Singh r/o 1339. A Gali No. 1 Nai, Basti, Bhatinda.
 (Transferee)
- (3) As per S.No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house as mentioned in the registration deed No. 5701 of 3/79 of the S. R. Bhatinda.

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-79.

(1) Dr. Ram Lal s/o Sh. Suraj Bhan, Dhobi Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

9360

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1979

Rcf. No. A.P.625/79-80,---Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

As per scheduled situated at Goniana Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to 'he following persons, namely:-

- (2) Dr. Mrs. Vinod Jain w/o Dr. Kalish Chand Jain, Saddar Bozar, Bhatinda, (Transferce)
- (3) As per S.No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 53: × 90: on Goniana Road, Bhatinda as mentioned in the Registration deed No. 6197 of 3/79 of the S. R. Bhatinda.

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-79.

Scai:

(1) Dr. Ram Lal s/o Sh. Suraj Bhan, Dhobi Bazar, Bhatinda. (Transferor)

(2) Dr. Kalish Chand Jain s/o Sh. Ram Lal Jain, Jain clinic & Nursing Home saddar Bazar, Bhatinda, (Transferee)

(3) As per S.No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1979

Ref. No. AP.626/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Goniana Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda in March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
41—326GI/79

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 43'×90' on Gonlana Road, Bhatinda as mentioned in the Registration decd No. 6198 of 3/79 of the S. R. Bhatinda,

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGU, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1979

Ref. No. A.P. 623/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Namdev Nagar, Bhatinda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gurdev Kaur w/o Sh. Sohan Singh r/o H.No. 126-C, Namdev Nagar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Des Raj s/o Ram Lal s/o Muttaba Mal r/o E.No. 640/1 Namdev Nagar, Bhatinda. (Transferec)

(3) As per S.No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storcy residential house constructed over a plot of land 290 sq. yds in Namdev Nagar, Bhatinda as mentioned in the Registration deed No. 6001 of 3/79 of the S. R. Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 4th October 1979

Notice No. 252/79-80/Acq.B.—Whereas, I. P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey 37 to 42, 45/1, 28 & 72, 73 situated at Kolagave Village & Dathathreya Peetha Village Jagara Hobli, Chikmagalur Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikmagalur Doc. No. 2181/79-80 on 9.2.79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. Asha Natesh w/o. B. R. Natesh R/o. Bettegere village, Bankal Hobli, Taluk Mudigere.
 - (2) Dr. B. L. Appaswamy S/o. G. L. Laxmana Gowda, R/o. Giridhara estate Kotagave village, Jagara Hobli, Chikmagalur Taluk. (Transferor)(s)
- (2) 1. H. B. Manjunath S/o. H. B. Bole Gowda. 2. H. M. Deepak S/o. H. B. Manjunath. 3. H. M. Abhilash S/o H. B. Manjunath. 4. H. M. Abbushek S/o H. B. Manjunath Sf. No. 2 & 4 Minors. Represented by Father Sri. H. B. Manjunatha. 5. H. B. Bole Gowda S/o Late Byre Gowda. All residing at Deveragunde village, Gonibidu Hobli, Mudigere Taluk. 6. Smt. H. B. Shakunthala D/o. D. P. Eswar Gowda 7. D. P. Eswar Gowda, Coffe planters. Sl. No. 6 & 7 residing at Giridhama Coffe Estate, Chikmagalur Town.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2181/79-80. Dated: 9-2-1979)

Agricultural land being Coffe Planters in Survey No. 37, 38, 39 40, 41, 42, 45/1, 28 in Kolagave Village, Jagara Hobli, Chikmagalur Taluk, and Survey No. 72 & 73 Dathathreya Peetha village, Jagara Hobli, Chikmagalur Taluk, Extent 107.09.

P. RANGANATHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Dharwar-4.

Date: 4-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/599.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No. 55 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Jaipur on 14-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajender Sain s/o Shri Rai Bahadur Kanwar Sain & Smt. Komla Sain w/o Shri Rajender Stain Plot No. 4 Retreat Swai Ram Singh Road, Jaipur. (Transferor)
- (2) Dr. Pratap Narain Choudhary s/o Shri Ram Narain Choudhary C-II-84, Dr. Zakir Hussain Marg New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at plot No. 55, Keshav Nagar Hawa Sarak, Civil lines, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 357 dated 14-2-79.

M. R. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 11-10-79.

Seai:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, 16th October 1979

Ref No. Raj/AC(Acq.)/600.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-2-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri 1. Kanhyalal s/o Shri Ramnarain Khandelwal R/o Village Rapad, Tch. Jamua Ramgarh. (2) Shri Badrinarain s/o Shri Bhnorilal R/o Village Nodpura, Teh. Jamua Ramgarh.

(Transferor)

- (2) M/S. Diamond Carpats, Registered Partnership firm through partner Shri Dharmchand Jain Ramganj Bazar, Jaipur.
 - (Transferee)
- (3) 1. Shri Ram Singh s/o Hazari Singh, Jaipur (2) Shri Devi Shanker s/o Bhnerulal, Jaipur, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property named Isarda Ki Haveli located at Purani Amer Road, Kachha Bandha, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 465 dated 27-2-79.

M. R. AGGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-10-79.

(1) Ushaben Janardan Mehta, Sarkhej Road, Paldi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd October 1979

No. Acq.23-I-2235(862)/1-1/79-80,—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S.P. No. 3-4, FP. 322, of TPS. 6 situated Opp: Sankin Flats, Fatehpur, Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sangita Apartments and Shopping Centre Owners' Association, Paldi, Fathehpur, Opp : Sankin Flat, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land hearing Final plot No. 322, Paiki Sub-Plot No. 3-4/1 of TPS. 6 situated Opp: Sankin Flat, Fatehpur, Paldi, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide R.No. 1351 dt. 12.2.1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3.10.1979.

 Shri Maganbhai Somabhai Thakarda Ambaji, Dauta Taluka, Banaskantha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1979

Ref. No. P.R. No. 788-Acq.23-II/3-2/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 61 at Ambaji situated at Ambaji, Banaskantha District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Palanpur on 22,2,1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (2) (1) Somchand Chunilal Modi Naranpura, Ahmedabad.
 (2) Indravadan Jaikisandas

(2) Indravadan Jaikisandas Naranpura, Ahmedabad. (3) Charandas Jethalal Patel,

Naranpura, Ahmedabad,
(4) Mukesh Jaswantlal Patel,
Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agricultural land bearing Survey No. 61 at Ambaji admeasuring 3 Acres and 20 Gunthas and fully described in the sale deed registered under No. 373 on 22.2.1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6-10-1979.

 Shantaben wife of Hirachand Dhulchand Vill: Saribujrang, Tel. Gandevi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

750 ACI, 1501 (45 OI 1501)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Rameshchandra Bhimbhai Desai,

(2) Ishwerlal Bhimbhai Desai(3) Jayantilal Bhimbhai Desai.

Vill: Saribujrang, Teh: Gandevi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1979

Ref. No. P.R. No. $789/Acq.23-\Pi/7-3/79-80$.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 106/2 & 185/5-2-2 land situated at Vilage : Saribujrang, Tal : Gandevi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandevi on 13.2,1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concomment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this negice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Saribujrang, Tal. Gandevi admeasuring Acre 4, G. 42 bearing Survey No. 106/2 and 185/5-2-2 duly registered on 13-2-1979 with registering authority at Gandevi.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6-10-1979.

FORM IIN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1962)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1979

Ref. No. P.R. No. 790/Acq.23-II/7-4/79-80.—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as te said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Tika No. 67, S. No. 4178 situated at Dudhia Tulay Area. (and more fully described in the

schedule annexed bereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Navsari on 1.2.1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

42-326GI/79

(1) (1) Ranjanben-wife of Ramanlal Tulsidas Santa Cruz (West) Triveni Bidg., Bombay-54.

(Transferor)

(2) Kusumben Rudrakant Naik, Panch Hutdt, Navsari.

(Transferee)

(2) Dr. Anilkumar Babubhai Vyas, K. G. Hospital, Nayasari.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 522.56 sq. mtrs. situated at Dudhia Talay, area, Navsari duly registered on 1.2.79/23.4.79 with registering authority at Navsari.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 9-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th October 1979

No. Acq.23-I-2099(872)/11-2/79-80.--Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land adm. 1664-70-5 sq. mtrs. of Harl Oil Mill situated at Northern side of Old Post Office, Keshod

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Keshod on 28.2.1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in . respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the * aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (1) Shantaben Sharadchandra.
 - (2) Prafulrai Bhagwandas & Others, Legal heirs of bagwandas Valji Cholera, Near Old Post Office, Keshod, Dist. Junagadh.

(2) (1) Prabhaben Jayantilal Nathwani.
(2) Rasilaben Harilal Nathwani,
(3) Asmitaben Rameshchandra Nathwain All of Station Plot, Keshod, Dist. Junagadh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1664-70-5 sq. mtr. of Hari Oil Mill situated at Northern side of Old Post Office, Keshod, duly registered by Registering Officer, Keshod, vide sale-deed No. 266/28.2.1979 i.e. property as fully described therein

S. C. PARIKH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 26.10.1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, 19th September 1979

Ref. No. 957-A/Kanpur.—Whereas, I, B. C. CHATURVED1 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 28,2,1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shekh Yunus Alsi S/o Shekh Yusuf Ali R/O 40/106 Parade Kanpur.

(Transferor)

 S/Shri Ram Krishna Tripathi s/o Shri Jageshwar Pd Tripathi, Tej Narain Tripathi, Durga Shankar Tripathi sons of Ram Krishna Tripathi, Smt. Mathuria Devi w/o Shri Tej Narain Tripathi, Smt. Vikla Devi w/o Shri Tej Narain Tripathi r/o 113/133, Parmat Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Banglow No. 13/6-7 the area of which is 4379.34 Sq. Yd. situated in Parmat Civil Line Kanpur sold for apparent consideration of Rs. 4,37,934/- as against Fair Market Value of 6,10,000 as per report of the Inspector.

S. C. CHATURVEDI.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 19-9-1979.

NOTION UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th September 1979

Ref. No. 980A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dehradun on 12,4,1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Shri Shyam Sunder s/o Lala Raghumal R/O Uma Sadan No. Old Badrineth Roed, Jairam Merg Risbikesh Pargana Parwadan Distt Dehradun.

(Transferor)

 Smt. Vashna Devi Aneja w/o Shri Sita Ram Aneja R/O Niyana, Mohalla Kantal Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 13 Old Badrinath Road, Jairam Marg Rishikesh Pargana Perwadan Distt Dehradun sold for an apparent consideration of Rs. 48000/-, the F.M.V. of which is Rs. 73000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 25.9.1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th September 1979

Rcf. No. 757-A/G.Bad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Ghaziabad on 27.2.1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sohan Lal s'o Shri Kooda Mal Kapoor r/o 143, East Model Town, Ghaziabad.

(Transferor)

Shri Krishna Swaroop Garg s/o Shri Khachedumalji
 r/o 142, Regan Gram Teh : & Distt : Ghaziabad.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectiv persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 143 East Model Town Ghaziabad measuring 1000 sq. yds Ground Floor 2418 sq. ft. First Floor 520 sq. Ft. sold for an apparent consideration of Rs. 1,50,000/- the fair market value of which is at Rs. 192,000.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 27-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th September 1979

Ref. No. 759-A/G. Bad/6376. --Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule and situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, \$\infty\$908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at

Ghaziabad on 24-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Musaddi Lal (M. Lal), s/o Late Shri Miththan Lal and Arun Kumar, s/o Shri Musaddi Lal r/o 30, Shanti Niketan, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Mina Lal s/o Lala Dhanpat Rao, r/o Second-B/6, Nehru Negar, Ghaziabad and Shri Mahesh Chand, s/o Shri Harsaran Dass, d/o 105, Right Ganj, Ghaziabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 49, situated at Right Ganj Sharki, Ghaziabad, Parg. Loni, Ghaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/- as against the fair market value of which is Rs. 1,30,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-9-1979

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVEKNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. KANPUR

Kanpur, the 27th September 1979

Ref. No. 836-A/B, Shahar/78-79,--Wherea, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Rogistering Officer at ...

Bulandshahar on 15-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Harsaran Dass Agarwal, s/o Late Shanker Lal. r/o Hal Nagar Officers Colony,

(Transferor)

(2) Shri Sita Ram s/o Balwant Singh 1/0 Mohalla Inta Road, Bulandsbahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Mausooma Gitta Bhawan Bake Nagar. Buland huhar, Mohalla Sarain Kohana sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/- as against the fair market value of which is at Rs. 91,000/-.

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th September 1979

Ref. No. 973-A/Ghaziabad/79-80/637.—Whereas I, B.C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Kishan Lal, Bhagwat Sarup, sons of Shri Gopa Mal, Smt. Shanti Devi w/o Shri Gopa Mal Majkoor, T/o Pargana Lone, Teh. Ghaziabad, Distt. Ghaziabad

(Transferors)

(2) Shri Sunder Lal s/o L. Mururi Lal, r/o Mohalla Vireganj (Nayaganj), Ghaziabad.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Hata double storeyed within Nagar Mahapalika Limit, situated in Vireganj (Nayaganj) Ghaziabad (No. 6 House Tax of which is 228/- per annum) sold.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th September 1979

Ref. No. 849-A/Mrt/78-79/6378.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 14-2-1979

for an apparent consideration which i_3 less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kaki Devi w/o Narain Dass & Vinod Kumar, s/o Narain Dass, r/o 31/3, Shivpuri, Mcerut.

(Transferor)

(2) Smt. Mohan Pyari and Indra Bhushan & Bharat Bhushan Baligan & Shri Shunil Kumar Nabalik Baliyaya Smt. Mohan Pyari Mother and Pisran Lala Rikkha Ram Chandana, r/o Shakti Nagar, Kair Ganj, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hamgi & Tamami Salim one Shop Tamir Pukhta, situated at New Number 50 Hall No. 64 Bake Baili Bazar, Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 10,000/- as against the fair market value of which is at Rs. 40,000/-.

B.: C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-9-1979

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th October 1979

Ref. No. A.P.-1925/A/M. Nagar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. asper Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 21-2-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Balesh Mohan, Rajesh Mohan, Satish Mohan, all sons of Lala Om Prakash, r/o Bara Bazar, Shamli, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferors)

(2) Shri Ram Kumar s/o Shri Kishan Chandra, r/o Mandi Shiv Ganj, Shmli, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from, the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 1345. 1347. 2200

11)2 111) 1)3 Three Kite IIII)

Lagen 17.70 per year Shamli and 1349 Kasre Lagan 1.53

per year, Shamli.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-10-1979

FORA ITNS

(1) Sri Sanat Kumar Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sabita Banerjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME, TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd November 1979

Ref. No. 622/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. 7. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 34, situated at Shyampukur Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 8 cottans together with building erected thereon at premises No. 34. Shyampukur Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.

Calcutta-16

Date: 3-11-197

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDADED AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1979